THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 321 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.14 2079 शनिवार, 4 फरवरी 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

‘कड़ा फैसला लेने पर मजबूर न करें’

* सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी देख केंद्र ने कहा, जजों की नियुक्ति 5 दिन में हो जाएगी

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में 5 जजों की नियुक्ति के लिए केंद्र को भेजी सिफारिश अगले पांच दिन में मंजूर हो जाएगी। केंद्र सरकार ने अपने हलफनामें में सुप्रीम कोर्ट को यह जवाब दिया है। उसका यह जवाब सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी के बाद आया है।

एडवोकेट्स एसोसिएशन बेंगलुरू ने इस मामले में एक अवमानना याचिका लगाई थी। शुक्रवार को इस पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने हाईकोर्ट जजों का ट्रांसफर कर सुप्रीम कोर्ट में नियुक्ति देने की सिफारिशों को मंजूरी देने में हो रही देरी पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने सरकार से कहा कि ये बेहद गंभीर मामला है। हमें ऐसा स्टैंड लेने पर मजबूर न करें, जिससे परेशानी हो। केस की अगली सुनवाई 13 फरवरी को होगी।

कॉलेजियम ने जजों के नाम की सिफारिश की थी :

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 13 दिसंबर को सरकार से 5 नामों की सिफारिश की थी। इनमें जस्टिस पंकज मिथल चीफ जस्टिस राजस्थान हाईकोर्ट, जस्टिस संजय करोल चीफ जस्टिस पटना हाईकोर्ट, जस्टिस पी वी संजय कुमार चीफ जस्टिस मणिपुर हाईकोर्ट, पटना हाईकोर्ट के जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस मनोज मिश्रा का नाम शामिल था।

> फिलहाल 27 जजों के साथ काम कर रहा सुप्रीम कोर्ट

सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने जस्टिस एसके कौल और एएस ओका की बेंच को बताया कि 5 जजों की नियुक्ति का वारंट जल्द ही जारी होगा। सुप्रीम कोर्ट में जजों की सैंक्शन स्ट्रेंथ सीजेआई समेत 34 है। फिलहाल 27 जजों के साथ काम हो रहा है। पांचों जजों के शपथ लेने के बाद यह संख्या बढ़कर 32 हो जाएगी।

> सुप्रीम कोर्ट का कॉलेजियम क्या है

जिस कॉलेजियम पर यह पूरा विवाद हो रहा है, वह हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति और ट्रांसफर की प्रणाली है। कॉलेजियम के सदस्य जज ही होते हैं। वे प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को नए जजों की नियुक्ति के लिए नामों का सुझाव भेजते हैं। मंजूरी मिलने के बाद जजों को अपॉइंट किया जाता है।

देश में कॉलेजियम सिस्टम साल 1993 में लागू हुआ था। कॉलेजियम में 5 सदस्य होते हैं। सीजेआई इसमें प्रमुख होते हैं। इसके अलावा 4 मोस्ट सीनियर जज होते हैं। अभी इसमें 6 जज हैं। बता दें कि 16 जनवरी को कानून मंत्री किरण रिजिजू ने सीजेआई को पत्र लिखकर कॉलेजियम में अपना प्रतिनिधि शामिल करने की बात कही थी। केंद्र के रुख का जवाब देने के लिए सीजेआई की अगुआई में कॉलेजियम ने तय किया कि इस बार सारे मामले को सार्वजनिक किया जाए।

बीबीसी डॉक्यूमेंट्री पर केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। बीबीसी की प्रतिबंधित डॉक्यूमेंट्री ‘इंडिया: द मोदी क्वेश्चन’ पर लगे बैन को लेकर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार को नोटिस भेजा है और ओरिजनल डॉक्यूमेंट्स जमा करने के आदेश दिए हैं। मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से तीन हफ्ते में जवाब मांगा है। इस मामले में अगली सुनवाई अप्रैल में होगी।

दरअसल, डॉक्यूमेंट्री पर रोक लगाए जाने के खिलाफ महुआ मोइत्रा, प्रशांत भूषण और एडवोकेट एमएल शर्मा ने याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया है कि बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री पर बैन लगाने का सरकार का फैसला मनमाना और असंवैधानिक है।

याचिकाकर्ता का दावा, डॉक्यूमेंट्री दंगों की जांच में मददगार :

याचिका में दावा किया गया है कि ‘इंडिया: द मोदी क्वेश्चन’ नामक डॉक्यूमेंट्री में 2002 के गुजरात दंगों और उनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका की जांच की गई है। जब दंगे भड़के थे, तब पीएम मोदी, गुजरात के मुख्यमंत्री थे। याचिका में यह भी कहा गया है कि डॉक्यूमेंट्री में दंगे रोकने में नाकामयाब रहे जिम्मेदारों से जुड़े कई फैक्ट्स हैं। हालांकि, सच्चाई सामने आने के डर से इसे आईटी रूल 2021 के नियम 16 के तहत बैन किया गया है। रिकॉर्ड किए गए फैक्ट्स भी सबूत हैं और इन्हें पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है, जिसे न्याय नहीं मिला है।

अमूल दूध फिर 3 रुपए महंगा

* गोल्ड 66 रुपए लीटर और फ्रेश 54 रुपए लीटर मिलेगा
* बढ़ी हुई कीमत आज से ही लागू

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। अमूल ने दूध के दाम तीन रुपए लीटर बढ़ा दिए हैं। गुजरात डेयरी को-ऑपरेटिव ने कहा है कि नई कीमतें तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं। अब अमूल गोल्ड की कीमत 66 रुपए प्रति लीटर, अमूल फ्रेश की कीमत 54 रुपए प्रति लीटर, अमूल गाय के दूध की कीमत 56 रुपए प्रति लीटर और अमूल ए2 भैंस के दूध की कीमत 70 रुपए प्रति लीटर हो गई है। अमूल ने अक्टूबर में भी दूध के दाम में 2 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी।

चारा 20 प्रतिशत महंगा होने से बढ़ाए दाम :

दूध की कीमतें बढ़ाने को लेकर अमूल ने कहा, ऑपरेशन और प्रोडक्शन की कुल लागत में बढ़ोतरी के कारण दूध के दाम बढ़ाए जा रहे हैं। पिछले साल की तुलना में पशु चारे की कीमत ही करीब 20 प्रतिशत बढ़ चुकी है। इनपुट लागत में बढ़ने के कारण हमारी मेंबर यूनियन ने किसानों से खरीदे जाने वाले दूध की कीमतों में पिछले साल की तुलना में 8-9 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है।

10 महीने में दूध 12 रुपए महंगा हुआ :

पिछले 10 महीनों में दूध के दाम 12 रुपए तक बढ़े हैं। इससे पहले करीब सात साल तक दूध के दाम नहीं बढ़े थे। दूध की कीमतों में अप्रैल 2013 और मई 2014 के बीच 8 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि हुई

थी। चूंकि गर्मियों में दूध का उत्पादन घट जाता है, इस वजह से दुग्ध कंपनियों को पशुपालकों को अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है। इसलिए एक्सपर्ट्स ने आने वाले दिनों में दूध की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका जताई है।

कांग्रेस ने भाजपा पर निशाना साधा :

अमूल दूध के दाम बढ़ने के बाद कांग्रेस ने भाजपा के ‘अच्छे दिन’ वाले नारे का जिक्र कर चुटकी ली है। कांग्रेस ने ट्वीट कर कहा, अमूल दूध 3 रुपए तक महंगा हो गया। पिछले एक साल में 8 रुपए दाम बढ़े हैं। फरवरी 2022 में अमूल गोल्ड की कीमत 58 रुपए प्रति लीटर थी, फरवरी 2023 में अमूल गोल्ड 66 रुपए प्रति लीटर हो गया। अच्छे दिन?

संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित

> हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर लोकसभा में विपक्षी सांसदों का हंगामा, जेपीसी जांच की मांग की

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। संसद के दोनों सदन राज्यसभा और लोकसभा की कार्यवाही आज दूसरे दिन भी स्थगित कर दी गई। दोनों सदनों में विपक्षी सांसदों ने अडानी ग्रुप को लेकर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर चर्चा की मांग को लेकर हंगामा किया। जिसके बाद लोकसभा को 2 बजे तक और राज्यसभा 2.30 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। विपक्ष के सांसद इस मामले में जॉइंट पार्लियामेंट कमेटी (जेपीसी) की मांग को लेकर नारे भी लगाए। वहीं, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि उससे (अडानी स्टॉक क्रैश) से सरकार का कोई लेना देना नहीं है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा प्राथमिकता रहती है। विपक्ष पास कोई और मुद्दा नहीं है। अडाणी ग्रुप पर हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों को लेकर कांग्रेस, टीएमसी, आप, एसपी, डीएमके, जनता दल और लेफ्ट समेत 13 विपक्षी पार्टियों ने मीटिंग की। यह बैठक राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के चेंबर में हुई। इनमें से 9 पार्टियों ने राज्यसभा में स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि लोगों की मेहनत का पैसा बर्बाद हो रहा है। लोगों का विश्वास बैंक और एलआईसी से उठ जाएगा। कुछ कंपनियों के शेयर लगातार गिरते जा रहे हैं।

कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को राज्यसभा में बताया कि सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को एक संवैधानिक सर्च पैनल के गठन का सुझाव दिया है। उस पैनल में सरकार की ओर से नामित व्यक्ति भी हो। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट सर्च कमेटी के गठन को लेकर सहमत नहीं है।

भाजपा से कनेक्शन और इस्लाम को हरा आतंकवाद बताने वाली वकील को जज बनाने की सिफारिश

कॉलेजियम के फैसले का विरोध तेज, राष्ट्रपति को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। मद्रास हाईकोर्ट के सीनियर एडवोकेट के एक ग्रुप ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को चिट्ठी लिखकर एडवोकेट लक्ष्मणा चंद्र विक्टोरिया गौरी को जज बनाने की सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश का विरोध किया है। मद्रास हाईकोर्ट के 21 वकीलों के ग्रुप ने राष्ट्रपति को लिखी अपनी चिट्ठी में गौरी के कई बयानों का जिक्र करते हुए कहा है कि गौरी के इन बयानों से उनकी कट्टर विचारधारा झलकती है और हाईकोर्ट में जज बनने के लिए अयोग्य हैं। वकीलों ने राष्ट्रपति को लिखी अपनी चिट्ठी में लक्ष्मणा चंद्र विक्टोरिया गौरी के साल 2018 के एक इंटरव्यू का जिक्र किया है जिसका टाइटल है- मोर थ्रेट टू नेशनल सिक्योरिटी एंड पीस? जिहाद और क्रिश्चियन मिशनरी। इस इंटरव्यू में कथित तौर पर गौरी कह रही हैं कि जिस तरीके से इस्लाम एक हरा आतंकवाद है, उसी तरीके से क्रिश्चियनिटी भी सफेद आतंकवाद है।

आरएसएस के मुखपत्र में लिखे आर्टिकल का भी जिक्र :

चिट्ठी में गौरी के 5 जून 2018 के एक अन्य इंटरव्यू का जिक्र है जिसमें वो कहती दिख रही हैं कि किसी क्रिश्चन सॉन्ग पर भरतनाट्यम नहीं किया जाना चाहिए। राष्ट्रपति को लिखी चिट्ठी में गौरी के आरएसएस के मुखपत्र ऑर्गेनाइजर में साल 2012 में प्रकाशित एक लेख का भी जिक्र किया गया।

कौन हैं लक्ष्मणा चंद्र विक्टोरिया गौरी :

आपको बता दें कि इसी साल 17 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम ने कुल 5 वकीलों को जज के तौर पर नियुक्ति के लिए सिफारिश की थी, जिसमें गौरी का भी नाम शामिल है। लक्ष्मणा चंद्र विक्टोरिया गौरी कथित तौर पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से भी जुड़ी हैं। गौरी के अनवेरिफाइड ट्विटर हैंडल के बायो में भी इस बात का जिक्र है कि वह बीजेपी महिला मोर्चा की नेशनल जनरल सेक्रेट्री भी रही हैं। इसी हैंडल से 31 अगस्त 2019 को ट्वीट किया गया था, मैंने बीजेपी ज्वाइन कर ली है, आप भी जुड़ें और न्यू इंडिया के निर्माण में हाथ बढ़ाएं। हालांकि अब यह ट्वीट डिलीट हो गया है। बता दें गौरी, को केंद्र सरकार ने एएसजी भी नियुक्त किया है।

जैश के मॉड्यूल का भंडाफोड़

छह आतंकी हथियार और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार

श्रीनगर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। सुरक्षाबलों ने जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर छह आतंकियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके अन्य साथियों की तलाश की जा रही है। कुलगाम पुलिस को इलाके में कुछ आतंकियों के मौजूद होने की सूचना मिली थी।

इसके बाद 9 राष्ट्रीय राइफल्स के साथ मिलकर तलाशी अभियान चलाया गया। एक विशेष ठिकाने से सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद कर छह आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि मौके से चार यूबीजीएल गोले, 446 गोलियां, तीस एके 47, दो मोर्टार शेल और अन्य आपत्तिजनक सामग्री मिली है।

हिंडनबर्ग विवाद पर टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा का आरोप

सेबी की समिति में अदाणी के समधी, इसलिए हुई हेराफेरी

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका की हिंडनबर्ग रिसर्च एजेंसी द्वारा जाने-माने उद्योगपति गौतम अदाणी पर स्टॉक में हेरफेर और लेखा गड़बड़ी के आरोप लगाने के बाद अब इसपर सियासत भी तेज हो गई है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की चर्चित नेता महुआ मोइत्रा ने अदाणी परिवार पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

उन्होंने कहा कि अदाणी परिवार और सेबी अधिकारियों के बीच सांठगांठ हैं इसलिए मनमाने तरीके से सबकुछ किया गया। उन्होंने कहा कि सेबी की समिति में अदाणी के रिश्तेदार भी काम करते हैं जिससे इस तरह की हेराफेरी को अंजाम दिया गया।

सेबी समिति में अदाणी के समधी भी शामिल :

महुआ मोइत्रा ने कहा कि अदाणी के समधी मशहूर वकील सिरिल श्रॉफ सेबी की समिति में काम करते हैं। महुआ ने कहा कि सिरिल श्रॉफ की बेटी की शादी उद्योगपति गौतम अदाणी के बेटे से हुई है। टीएमसी सांसद महुआ ने ट्वीट करते हुए लिखा कि दिग्गज वकील सिरिल श्रॉफ के लिए सबसे बड़ा

सम्मान लेकिन उनकी बेटी की शादी गौतम अदाणी के बेटे से हुई है। श्रॉफ कॉरपोरेट गवर्नेंस एंड इनसाइडर ट्रेडिंग पर सेबी की समिति में कार्य करते हैं। अगर सेबी इंडिया अदाणी के मामले की जांच कर रहा है, तो श्रॉफ को खुद को इससे अलग कर लेना चाहिए। धारणाएं वास्तविकता हैं।

इसके अलावा डॉव जोन्स सस्टेनेबिलिटी इंडिस द्वारा 7 फरवरी 2023 से प्रभावी अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयरों को हटाने की घोषणा के बाद, टीएमसी सांसद ने सवाल किया कि एनएसई अडानी शेयरों की इंडेक्स सदस्यता का पुनर्मूल्यांकन क्यों नहीं कर रहा है? उन्होंने ट्विटर पर लिखा कि स्टॉक मैनिपुलेशन और अकाउंटिंग फ्रॉड के आरोपों के कारण एस&पी डाउ जोंस ने अदाणी एंटरप्राइजेज को डॉव जोंस सूचकांकों से हटा दिया। एनएसई इंडिया अडानी शेयरों की इंडेक्स सदस्यता का पुनर्मूल्यांकन क्यों नहीं कर रहा है जबकि अंतर्राष्ट्रीय हैं?

पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम की पत्नी नलिनी और अन्य की संपत्ति कुर्क, ईडी ने की कार्रवाई

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सारदा मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम की पत्नी नलिनी चिदंबरम, सीपीएम के पूर्व विधायक देबेंद्रनाथ बिस्वास और अन्य लाभार्थियों की संपत्ति कुर्क की है। ईडी ने शुक्रवार को कहा कि नलिनी चिदंबरम, सीपीएम के पूर्व विधायक देबेंद्रनाथ बिस्वास और असम के पूर्व मंत्री अंजान दत्ता की कंपनी की कुल छह करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की गई है।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत 3.30 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और तीन करोड़ रुपये की अचल संपत्ति कुर्क करने का अस्थायी आदेश जारी किया गया है। ईडी के मुताबिक, इन संपत्तियों पर

सारदा समूह और अन्य लोगों का स्वामित्व था, जो समूह द्वारा धोखाधड़ी से अर्जित की गई थी। लाभार्थियों में नलिनी चिदंबरम, देवव्रत सरकार (ईस्ट बंगाल क्लब के अधिकारी), देबेंद्रनाथ बिस्वास (पूर्व आईपीएस अधिकारी और पूर्व सीपीएम विधायक) और अनुभूति प्रिंटर और प्रकाशन शामिल हैं।

अनुभूति प्रिंटर और प्रकाशन कंपनी का मालिकाना हक असम के पूर्व कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दत्ता के पास था।

अब तक करीब 600 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क :

मनी लॉन्ड्रिंग का मामला 2013 तक पश्चिम बंगाल, असम और ओडिशा में सारदा समूह द्वारा कथित चिट फंड घोटाले से संबंधित है। ईडी ने कहा कि इस समूह की कंपनी द्वारा जुटाए गए कुल धन की मात्रा लगभग 2,459 करोड़ रुपये है, जिसमें से लगभग 1,983 करोड़ रुपये जमाकर्ताओं को अभ भी बकाया है।

एसआईए ने आतंकी फंडिंग में कई जगहों पर मारे छापे

श्रीनगर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। आतंकी फंडिंग मामले में शुक्रवार को राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने श्रीनगर के कई जगहों पर छापेमारी की। सूत्रों के मुताबिक इस कार्रवाई में एजेंसी को कई दस्तावेज मिले हैं। जांच कश्मीर संभाग के कई इलाकों में चल रही है। इससे पहले जनवरी में आतंकवादी गतिविधियों से संबंधित मामले में कुपवाड़ा जिले के हायहामा, क्रालपोरा, मिरनाग, लोलाब और सुलकूट इलाकों में कार्रवाई की गई थी। कार्रवाई करते हुए आतंकियों के रिश्तेदारों के घरों से मोबाइल फोन और अन्य सामग्री सहित महत्वपूर्ण साक्ष्य जब्त किए गए। एसआईयू ने न्यायालय से तलाशी वारंट हासिल करने के बाद यह कार्रवाई की थी। जिले के भीतर सक्रिय आतंकवादी तत्वों और पाकिस्तान से घुसपैठ कर आने वालों पर कार्रवाई घाटी में सक्रिय आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करने की दिशा में एक कदम है। कुपवाड़ा में करीब 8 आतंकवादियों के रिश्तेदारों के आवासीय घरों में तलाशी ली गई। जो अवैध रूप से एलओसी पार कर आतंकवादी संगठनों में शामिल हो गए थे।

एनआईए को मिला आतंकी हमले की धमकी वाला ईमेल, कई शहरों में अलर्ट जारी

मुंबई, 3 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी को एक ईमेल मिला है, जिसमें मुंबई में आतंकी हमले करने की धमकी दी गई है। ईमेल करने वाले आरोपी ने खुद को तालिबान का सदस्य होने का दावा किया है। ईमेल मिलने के बाद एनआईए ने मुंबई पुलिस को इसकी जानकारी दी। इसके बाद मुंबई समेत महाराष्ट्र के कई शहरों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। मुंबई पुलिस के सूत्रों का कहना है कि जिस व्यक्ति ने यह ईमेल भेजा है, उसने दावा किया है कि वह खुद तालिबानी है और उसने कहा है कि मुंबई में आतंकी हमला हो सकता है।

दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता बने प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर से दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता चुने गए हैं। मॉर्निंग कंसल्ट की वेबसाइट पर जारी सूची में पीएम मोदी 78 प्रतिशत ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग के साथ टॉप पर हैं।

उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक समेत 16 देशों के दिग्गज नेताओं को पीछे छोड़ दिया है। पीएम मोदी को दुनिया भर में वयस्कों के बीच सबसे ज्यादा रेटिंग मिली है। इस सूची में दूसरा स्थान मेक्सिको के राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर को मिला है जिन्हें 68 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग मिली है। जबकि तीसरे स्थान पर स्विटजरलैंड के राष्ट्रपति अलैन बेरसेट हैं जिन्हें 62 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग मिली है। सर्वे के मुताबिक साल 2021 के बाद पीएम मोदी की लोकप्रियता और भी बढ़ गई है।

यात्री को जाना था पटना... इंडिगो ने पहुंचा दिया उदयपुर

अब डीजीसीए ने दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली, , 3 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली से पटना जाने वाले एक यात्री को इंडिगो एयरलाइन्स के कर्मचारियों की लापरवाही के कारण बड़ी मुसीबतों का सामना करना पड़ा है। यात्री जिनका नाम अफसर हुसैन बताया जा रहा है, उन्हें नई दिल्ली से इंडिगो की फ्लाइट से पटना जाना था, बजाय इसके उन्हें उदयपुर जाने वाली इंडिगो की दूसरी फ्लाइट में बोर्ड करा दिया गया। अब नागर विमानन महानिदेशालय ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। ये घटना 30 जनवरी की बताई जा रही है।

क्या था पूरा मामला

दरअसल, 30 जनवरी को एक यात्री जिनका नाम अफसर हुसैन बताया जा रहा है, उन्हें नई दिल्ली से इंडिगो की फ्लाइट से पटना जाना था, बजाय इसके वे उदयपुर जाने वाली इंडिगो की दूसरी फ्लाइट में सवार हो गए। डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अफसर हुसैन ने इंडिगो की उड़ान 6ई-214 के जरिए पटना के लिए टिकट बुक किया था। वे निर्धारित उड़ान में सवार होने के लिए 30 जनवरी को दिल्ली हवाई अड्डा पहुंचे भी थे, लेकिन वह गलती से इंडिगो की उदयपुर जाने वाली फ्लाइट 6ई-319 में सवार हो गए। उन्हें इसकी जानकारी तब हुई जब वे उदयपुर पहुंच गए। इसके बाद उन्होंने उदयपुर एयरपोर्ट पर अधिकारियों से इसकी शिकायत की, जिन्होंने इंडिगो को मामले से अवगत कराया। मामले की गंभीरता को समझते हुए इंडिगो के कर्मियों ने उन्हें एक दूसरी फ्लाइट से उसी दिन पहले नई दिल्ली भेजा और फिर वहां से 31 जनवरी को एक अन्य फ्लाइट से पटना भेजा गया। एयरलाइन ने जारी किया था बयान एयरलाइन ने इस मामले में शुक्रवार को एक बयान जारी किया है। बयान में कंपनी ने कहा है कि हम 6E319 दिल्ली-उदयपुर उड़ान में एक यात्री के साथ हुई घटना से अवगत हैं। हम इस मामले में अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है। डीजीसीए ने दिए जांच के आदेश डीजीसीए ने अब मामले का संज्ञान लेकर जांच के आदेश दिए हैं। विमानन नियामक के अधिकारी ने बताया कि हम इस मामले में रिपोर्ट मांग रहे हैं और एयरलाइन के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच में डीजीसीए यह पता लगाएगा कि यात्री के बोर्डिंग पास को अच्छी तरह से स्कैन क्यों नहीं किया गया। यह हैरान करने वाला है कि बोर्डिंग से पहले बोर्डिंग पास को नियमानुसार दो बिंदुओं पर जांचा जाता है, बावजूद इसके यात्री गलत उड़ान में कैसे चढ़ गया। गौरतलब है कि पिछले 20 दिनों में इंडिगो के विमान में इस तरह की यह दूसरी घटना है। इससे पहले 13 जनवरी को एक यात्री जिसे इंदौर जाना था, उसे गलत फ्लाइट से नागपुर एयरपोर्ट ले जाया गया था।

एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट के इंजन में आग

अबू धाबी से कालीकट आ रहा विमान वापस लौटा, सभी 184 यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट के एक इंजन में आग लगने के बाद उसे वापस अबू धाबी एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट अबू धाबी से कालीकट आ रही थी। एअर इंडिया एक्सप्रेस के मुताबिक, सभी 184 पैसेंजर्स सुरक्षित हैं। डीजीसीए ने जानकारी दी है कि एअर इंडिया एक्सप्रेस का B737-800 विमान जो फ्लाइट नंबर IX 348 के तौर पर ऑपरेट किया जा रहा था, उसके इंजन नंबर-1 में आग लग गई थी, इस वजह से उसे वापस भेजा गया। डीजीसीए, ने बताया कि वीटी-एवाईसी नंबर से रजिस्टर्ड विमान में जिस समय आग लगी, उस समय वह 1000 फीट की ऊंचाई पर था।

पायलट को तकनीकी खराबी की जानकारी नहीं थी

एअर इंडिया के एक अधिकारी ने बताया कि फ्लाइट शुक्रवार सुबह केरल के कालीकट के लिए उड़ान भरी थी। टेक ऑफ के दौरान उसके फ्लाइट मैनेजमेंट सिस्टम में तकनीकी खराबी आ गई। बताया जा रहा है कि उड़ान भरने से पहले पायलट ने इस खराबी को नोटिस नहीं किया था। हालांकि, बाद में आग की जानकारी मिलने के बाद उसे वापस अबू धाबी भेजा गया और सुरक्षित लैंड कराया गया। शारजाह से आ रहा है एअर इंडिया एक्सप्रेस के एक प्लेन की पिछले रविवार को केरल के कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी थी। प्लेन में हाइड्रोलिक खराबी आ गई थी। कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के प्रवक्ता के मुताबिक, शारजाह से उड़ान संख्या IX 412 में 193 पैसेंजर और क्रू के सभी 6 मेंबर्स को उतार लिया गया था। घटना के बाद एयरपोर्ट पर रात को फुल इमरजेंसी डिक्लेयर की गई थी।

अरविंद केजरीवाल को बठिंडा कोर्ट से राहत

मानहानि का केस खारिज, मनप्रीत के साले पर 'जोजो' टैक्स कहकर तंज कसा था

लुधियाना, 3 फरवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो एवं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को पंजाब की बठिंडा कोर्ट से राहत मिली है। पूर्व वित्त मंत्री और मौजूदा भाजपा नेता मनप्रीत सिंह बादल के रिश्तेदार और तत्कालीन कांग्रेसी नेता जयजीत सिंह जौहल द्वारा दायर किया मानहानि का केस कोर्ट ने खारिज कर दिया है।

इस केस में जयजीत सिंह जौहल ने अपना पक्ष रखा था कि वह 'जोजो' नाम से मशहूर है। केजरीवाल बठिंडा में एक बैठक दौरान कह कर गए थे कि लोगों को 'जोजो' टेक्स से मुक्त किया जाएगा। इस कारण उनकी छवि को नुकसान पहुंचा है। जौहल ने अपने वकील के माध्यम से बठिंडा में चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की अदालत में यह केस दायर किया था। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने 29 अक्टूबर 2021 को बठिंडा में व्यापारियों के साथ मीटिंग में जयजीत जौहल पर कुछ टिप्पणियां की थी। केजरीवाल ने कहा था कि 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद अगर पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो वह 'जोजो टैक्स' खत्म करेंगे। जयजीत सिंह जौहल ने उसी दिन ऐलान कर दिया था कि वह केजरीवाल पर मानहानि का केस ठोकेंगे। जयजीत सिंह जौहल ने उस समय आरोप लगाया था कि अरविंद केजरीवाल ने उनकी राजनीतिक छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए बेतुकी बयानबाजी की है। उन्होंने कहा था कि केजरीवाल झूठे आरोपों की राजनीति करने के आदि हैं। केजरीवाल ने 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा नेता अरुण जेटली और 2017 के पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले बिक्रम सिंह मजीठिया पर भी इस तरह के आरोप लगाए थे।

असम में बाल विवाह के 4 हजार से ज्यादा केस

सीएम बोले-शादी में शामिल होने पर भी कार्रवाई होगी

अब तक 1800 लोग अरेस्ट हुए

दिसपुर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। असम सरकार शुक्रवार यानी आज से बाल विवाह के खिलाफ बड़ा एक्शन लेने वाली है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि अगर कोई बाल विवाह कार्यक्रम में शामिल होता है तो उसकी भी गिरफ्तारी होगी। गुरुवार शाम को बाल विवाह मामले में 7 लोगों को अरेस्ट किया गया है, जबकि पूरे राज्य में अब तक 1800 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

सीएम ने ट्वीट कर जानकारी दी कि राज्य में बाल विवाह के 4,004 मामले दर्ज किए गए हैं। जल्द ही इन पर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि अगर ऐसी शादी में संतान भी पैदा हुई होगी तो शादी करने वाले पुरुष पर पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज होगा। असम

कैबिनेट ने 14 साल से कम उम्र की लड़कियों से शादी करने वाले पुरुषों पर पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज करने का फैसला किया है। साथ ही 14 से 18 साल की उम्र की लड़कियों से शादी करने वालों पर बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के तहत मुकदमा चलाया जाएगा। सरमा का कहना है कि राज्य में मातृ और शिशु मृत्यु दर की उच्च दर को रोकने के लिए यह निर्णय लिया गया है, क्योंकि बाल विवाह ही इसका एक मुख्य कारण है।

असम सीएम बोले-महिलाएं 30 से पहले शादी कर लें

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने महिलाओं को सही उम्र में मां बनने की सलाह दी है।

उन्होंने कहा कि मां बनने की सही उम्र 22 से 30 साल है। महिलाओं को इसके लिए बहुत ज्यादा इंतजार नहीं करना चाहिए। अगर वो 30 के बाद बच्चे को जन्म देती हैं तो कई सारे मेडिकल कॉम्प्लीकेशंस होते हैं। सीएम ने यह बात शनिवार को गुवाहाटी में एक सरकारी कार्यक्रम में कही है। वह बाल विवाह और महिलाओं से जुड़ी समस्याओं पर लोगों को संबोधित कर रहे थे।

सरमा बोले-जिन महिलाओं ने शादी नहीं की, उन्हें जल्द कर लेना चाहिए

सीएम सरमा ने मुस्कराते हुए कहा कि जिन महिलाओं ने अभी तक शादी नहीं की है, उन्हें जल्द ही कर लेनी चाहिए। भगवान ने हमारे शरीर को इस तरह से बनाया है कि हर चीज एक तय उम्र सीमा के तहत की जाए। उन्होंने आगे कहा कि कम उम्र में शादी न करना और सही उम्र में बच्चे पैदा न करना भी मां और शिशु मृत्यु दर बढ़ने का कारण है। इसीलिए मैं सभी महिलाओं को सलाह दूंगा कि 30 से कम उम्र में शादी कर लेनी चाहिए।

एक्सीडेंट के वक्त नशे में थी अंजलि

विसरा रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के कंझावला इलाके में 31 दिसंबर की रात को कंझावला सड़क हादसे की शिकार अंजलि की मौत के मामले में एक बड़ी जानकारी सामने आयी है। मृतका अंजलि की विसरा रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि हादसे वाली रात अंजलि ने शराब पी थी। दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। इससे पहले अंजलि की मौत के बाद उसकी दोस्त निधि ने बताया था कि 31 दिसंबर 2022 की रात न्यू ईयर सेलिब्रेशन के दौरान अंजलि ने काफी ज्यादा शराब पी थी।

अंजलि की विसरा रिपोर्ट में हुआ खुलासा

इससे पहले अंजलि के पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शराब पीने की बात सामने नहीं आई थी जिसके बाद ही विसरा सुरक्षित रख गया था। दिल्ली पुलिस मुख्यालय के सूत्र के मुताबिक जिस वक्त अंजलि हादसे की शिकार हुई थी,उस वक्त वो शराब के नशे में थी। दरअसल दिल्ली पुलिस ने अंजली की मौत के बाद हुए पोस्टमार्टम के बाद उसके विसरा को सुरक्षित रख लिया था। उस विसरा को बाद में जांच के लिए रोहिणी स्थित फॉरेंसिक लैब को दिया गया था। लैब ने अंजलि की विसरा रिपोर्ट दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी को 24 जनवरी 2023 को सौंप दी थी। उस रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि हादसे के वक्त अंजली शराब के नशे में थी।

एक्सीडेंट के वक्त नशे में थी अंजलि

गौरतलब है कि 31 दिसंबर की रात दिल्ली के सुल्तानपुरी की रहने वाली अंजलि और उसकी दोस्त निधि की स्कूटी का एक्सीडेंट हुआ था और इस सड़क हादसे में अंजलि की मौत हो गई थी। सड़क हादसे के बाद अंजलि को कई किलोमीटर कर कार से घसीटे जाने पर दर्दनाक मौत हो गई थी। अंजलि की मौत के बाद उसकी दोस्त निधि ने बताया था कि 31 दिसंबर की रात अंजलि ने काफी ज्यादा शराब पी थी।

हालांकि, इस मामले में चश्मदीद गवाह रही अंजलि की दोस्त निधि ने पहले ही पुलिस के सामने बयान दिया था कि वह और अंजली दोनों न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए 31 दिसंबर 2022 की रात एक होटल में पार्टी में गए थे। जहां अंजलि ने शराब पी थी और वह हादसे के वक्त नशे में थी।

स्कूल यूनिफॉर्म पहनकर विधानसभा पहुंचे विधायक, सभी रह गए दंग

पुडुचेरी, 3 फरवरी (एजेंसियां)। शुक्रवार सुबह पुडुचेरी विधानसभा का सत्र शुरू होने पर विपक्ष के नेता शिवा के नेतृत्व में डीएमके विधायक नाजिम, अनिबल केनेडी, संपत, सेंथिलकुमार और नागा त्यागराजन स्कूल यूनिफॉर्म पहनकर और किताबों का बैग लेकर साइकिल पर आए।

इससे हड़कंप मच गया। स्कूल का साल खत्म होने वाला है लेकिन सरकार ने अब तक छात्रों को स्कूल की यूनिफॉर्म प्रदान नहीं की है। इस बात का विरोध करने के लिए विधायकों ने स्कूल की वर्दी पहनी और साइकिल पर विधानसभा आए।

सरकारी स्कूल के छात्रों को यूनिफॉर्म और किताबें नहीं मिलने का विरोध

बाद में, डीएमके के सभी विधायक विधानसभा से वॉक आउट कर गए क्योंकि राज्य के स्कूली छात्रों को यूनिफॉर्म के प्रावधान के संबंध में कोई घोषणा नहीं की गई थी।

जिसके बाद मीडिया से बात करते हुए डीएमके विपक्ष के नेता शिवा ने कहा, "डेढ़ साल बीत जाने के बाद भी सरकारी स्कूल के छात्रों को यूनिफॉर्म और किताबें उपलब्ध नहीं कराई गई है। जिसके विरोध में हमलोगों ने यूनिफॉर्म पहनकर विरोध जताया है।"

पुडुचेरी एसेंबली से वॉकआउट साइकिल नहीं मिलने का विरोध करते हुए वे स्कूल यूनिफॉर्म पहनकर साइकिल पर आए। जैसे ही विधानसभा का सत्र शुरू हुआ डीएमके सदस्य उठे और बहसबाजी करने लगे। डीएमके सदस्यों ने तर्क दिया कि डेढ़ साल की एनआर कांग्रेस-बीजेपी गठबंधन सरकार के दौरान कोई कल्याणकारी योजनाएं नहीं की गईं। ऐसे में डीएमके विधायक सदन से वॉकआउट कर गए। अध्यक्ष ने कहा कि अंत में डीएमके सदस्यों के सवालों का जवाब दिया जाएगा।

जम्मू टारगेट किलिंग, हिंदुओं ने निकालीं 20 साल पुरानी राइफलें

मारे गए लड़कों की मां बोलीं- आतंकी पकड़ लाओ, मैं उन्हें गोली मारूंगी

राजौरी, 3 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू के राजौरी का अपर डांगरी गांव आजकल शाम होते ही सन्नाटे से घिर जाता है। गांव की पहाड़ी पर एक कमरा बन रहा है। इस कमरे में सीआरपीएफ के 30 हथियारबंद जवान रहेंगे। इनका काम हिंदुओं पर हो रहे टारगेटेड आतंकी हमलों के दौरान जवाबी कार्रवाई करना होगा। गांव के लोगों ने 20 साल पहले पुलिस से मिली 71 राइफलें निकाल ली हैं, निशाना लगाने की प्रैक्टिस कर रहे हैं।

पहले ये डर नहीं था, लोगों ने 31 दिसंबर को गांव में नए साल का जश्न भी मनाया था। 1 जनवरी 2023 की शाम को गांव में 2 अनजान लोग घुस आए। पूछ-पूछकर हिंदुओं को गोली मारी। लोग बचकर घरों में भागे तो दरवाजों पर ही एके-47 राइफल से ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं। ये सब 15 मिनट चला और 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। आतंकी जाते हुए बाल्टी के नीचे एक बम छिपा गए। 2 जनवरी की सुबह 2 बच्चों की इससे मौत हो गई। इन हमलों में 11 लोग घायल हुए। आतंकी अभी भी पहुंच से बाहर हैं। हमले में मारे गए दो लड़कों की मां गुस्से में कहती हैं- 'उन्हें (आतंकी) पकड़ लाओ, मैं खुद गोली मार दूंगी।'

लोग डरे हुए हैं, हर अनजान शख्स से आईडी कार्ड मांग रहे

इस हमले को 1 महीना बीत चुका है। डांगरी पहुंचा तो लोग अब भी खौफ में नजर आए। अनजान शख्स को गांव में घूमते देखा तो एक आदमी पास आया और पूछा- आप कौन हो? मैंने कहा, 'मीडिया से हूं, दिल्ली से आया हूं।' उसने कहा, 'आईडी कार्ड दिखाइए। ऐसे कोई भी मीडिया वाला बोलकर आ जाएगा और रेकी करके चला जाएगा। कल को हम पर फिर अटैक हो सकता है।'

20 साल पहले पुलिस से मिली बंदूक से आतंकियों को भगाया

गांव में मेरी मुलाकात बालकृष्ण शर्मा से हुई।

बालकृष्ण इकलौते शख्स हैं, जो गोली बरसा रहे आतंकियों से भिड़ गए थे। पुलिस ने साल 1998 से 2001 के बीच गांववालों को 71 बंदूकें दी थीं। बालकृष्ण ने वही बंदूक निकाली और आतंकियों पर दो फायर कर दिए। मैंने उनसे पूछा, उस दिन क्या हुआ था? 40 साल के बालकृष्ण बताते हैं- 'करीब पौने 7 बजे थे, ठंड के मौसम में दिन जल्दी ढल जाता है, अंधेरा हो चुका था। मैं घर के सामने वाले कमरे में बैठा था। तभी फट-फट-फट.... फट..फट.. जैसी कुछ आवाजें आईं। मुझे लगा नया साल है, बच्चे पटाखे फोड़ रहे होंगे। फिर आवाजें बढ़ने लगीं, मुझे कुछ शक हुआ।' 'मैं बाहर निकला तो देखा गांव के कुछ लड़के दौड़ते हुए मेरी तरफ आ रहे हैं। पास आकर बोले कि हमला हो गया.. हमला हो गया..।

रोचक खबरें

जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कुत्ता 'टॉमी' ने दिया ऑनलाइन आवेदन!

अब तक आपने किसी मनुष्य या व्यक्ति को ही जाति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करते देखा और सुना होगा, लेकिन बिहार के गया जिले के गुरारू प्रखंड के अंचल कार्यालय में जाति प्रमाण पत्र बनवाने का एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जहां एक कुत्ते ने जाति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन दिया है। ऑनलाइन मिले इस आवेदन को हालांकि जांच के बाद रद्द कर दिया गया है, लेकिन इस आवेदन की चर्चा खूब हो रही है। दरअसल, यह पूरा मामला गया जिले के गुरारू अंचल कार्यालय का है, जहां एक कुत्ते की जाति के लिए ऑनलाइन आवेदन किया गया है। आवेदन के लिए जो आधार प्रस्तुत किया गया है, उसमें कुत्ते की तस्वीर भी लगी हुई है। आवेदन में आवेदक का नाम- टॉमी, पिता का नाम शेरू, माता का नाम गिन्नी है जबकि लिंग में पुरुष लिखा हुआ है। आवेदक अपने पता में गांव पांडेपोखर, पंचायत रौना, वार्ड नंबर 13, अंचल गुरारू एवं थाना कोंच लिखा है। आवेदन पत्र के साथ जो आधार कार्ड दिया गया है, उसमे कुत्ते की तस्वीर है और आधार संख्या 993460458271 है। आवेदन में आवेदक ने पेशा स्टूडेंट, जाति बढ़ई, जाति अनुक्रमांक- 113, जन्म तिथि-14 अप्रैल 2022 लिखी गई है।

जाति में वर्ग अत्यंत पिछड़ा वर्ग (अनुसूची 1) लिखा गया है। अंचल कार्यालय के मुताबिक, 24 जनवरी को जाति प्रमाण पत्र के यह ऑनलाइन आवेदन किया गया था। जब यह आवेदन आया तो अधिकारी से लेकर कर्मचारी तक भी परेशान हो गए, बाद में जांच के बाद इस आवेदन को रद्द कर दिया गया है। जांच में आधार कार्ड भी फर्जी निकला है। इस मामले में गुरारू के अंचल अधिकारी संजीव कुमार त्रिवेदी ने आईएएनएस को बताया कि यह किसी ने शरारत की है। उन्होंने कहा कि आवेदन के साथ जो मोबाइल नंबर दिया गया है, उस पर डायल करने से टूकालर पर राजा बाबू का नाम दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि इसकी पहचान करने की कोशिश की जा रही है। इन्हें चिन्हित कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि बिहार में जाति आधारित जनगणना भी शुरू है।

भीलवाड़ा नगर पालिका ने आवारा सूअरों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस से मांगी मदद

राजस्थान के भीलवाड़ा का कपड़ा शहर, जिसने कोविड महामारी से चतुराई से निपटने के लिए राष्ट्रीय सुर्खियां बटोरी, फिर से खबरों में है, इस बार कारण अलग है। इस बार, नगर परिषद आयुक्त दुर्गा कुमारी द्वारा भीलवाड़ा के एसपी आदर्श सिद्धू को पत्र लिखकर शहर के 70 वार्डों में उपद्रव करने वाले आवारा सूअरों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस सहायता की मांग की गई है।

पत्र जब संबंधित अधिकारियों तक पहुंचा तो उनको पत्र को देखकर हंसी आ गई। शर्मिंदगी दूर करने के लिए, उसने अगले दिन एक और पत्र लिखा जिसमें स्पष्ट किया गया कि सुअर पकड़ने वाले ठेकेदारों के बीच विवाद की संभावना को खत्म करने के लिए पुलिस की मदद की जरूरत है। गौरतलब है कि एक फरवरी को परिषद आयुक्त ने भीलवाड़ा एसपी को पत्र लिखकर कहा था कि भीलवाड़ा के 70 वार्डों के लोग आवारा सूअरों के आतंक से परेशान हैं। उन्होंने पुलिस से आवारा जानवरों को गिरफ्तार करने की मांग की। पत्र में एसपी साहब से अनुरोध है कि आवारा सुअरों को पकड़ने के लिए नगर परिषद भीलवाड़ा को पुलिस टीम उपलब्ध कराएं।

पिंक कलर के साथ बिताए 40 साल, अब की शादी

सोशल मीडिया पर अजीबोगरीब शादियों की कमी नहीं है। लेकिन पहली बार ऐसा कहा जा रहा है कि किसी महिला ने लास वेगास में अपने पसंदीदा रंग गुलाबी से शादी करके इतिहास रचा है। किट्टेन के सेरा ने 1 जनवरी को नए साल के दिन रंग के साथ शादी के बंधन में बंधने के लिए एक शादी समारोह आयोजित किया। बड़े दिन के लिए, सेरा को एक गुलाबी गाउन पहना गया था, जिसे एक गुलाबी रंग के साथ गुलाबी रंग का कोट पहना गया था। महिला ने अपने बालों को गुलाबी रंग से भी रंगा हुआ था, जबकि उसकी ज्वैलरी और लिपस्टिक आउटफिट से पूरी तरह मैच कर रही थी।

इमारत गिरने के दौरान 'डोरेमोन' पाठ ने इस लड़के को बचाया

छह साल का मुस्तफा लखनऊ में इमारत गिरने के हादसे में बाल-बाल बच गया, लेकिन उसने अपनी मां उजमा और दादी बेगम हैदर को खो दिया। बचे 14 लोगों में शामिल मुस्तफा का एसपीएम सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है और उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। लड़के ने कहा कि यह उसके पसंदीदा कार्टून शो से सीखे गए सबक थे जिसने उसकी जान बचाई।

मुस्तफा ने कहा, मैं डर गया था लेकिन मुझे कार्टून शो 'डोरेमोन' का एक एपिसोड याद आया जिसमें नोबिता (श्रृंखला का केंद्रीय पात्र) को भूकंप के दौरान घर के कोने में या बिस्तर के नीचे शरण लेकर खुद को बचाने के बारे में सिखाया गया था। एक सेकंड बर्बाद किए बिना, मैंने बिस्तर के नीचे शरण ले ली थी। उसने कहा, मैंने मम्मी को भागते और चिल्लाते देखा। कुछ ही समय में, पूरी इमारत ढह गई और सब कुछ अंधेरा हो गया। मुस्तफा के पिता अब्बास हैदर, जो समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता हैं, घटना के समय घर पर नहीं थे, जबकि उनके दादा, अमीर हैदर इस घटना में बाल-बाल बच गए। लड़के को उसकी मां के निधन के बारे में नहीं बताया गया था। परिवार ने मुस्तफा के दादा-दादी की शादी की गोल्डन जुबली मनाई थी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
शनिवार, 4 फरवरी, 2023 3

सुविचार: काम को हाथों हाथ कर डालना चाहिए-वर्ना जो काम पीछे रह जाता है वह हो नहीं पाता है।

श्री राजस्थानी विश्वकर्मा संघ ने मनाया विश्वकर्मा जयंती महोत्सव

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री राजस्थानी विश्वकर्मा संघ के तत्वावधान में श्री विश्वकर्मा जयंती महोत्सव का पर्व मनाया गया। इसमें भगवान श्री विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की गई, जिसमें सारा वातावरण भक्तिमय हो गया और विश्वकर्मा जी के जयकारे के साथ उनका भव्य मंदिर बनाने का संकल्प लिया गया। मंदिर निर्माण के लिए समाज के सभी भामाशाहों ने घोषणाएं कीं व अगली जयंती तक दिव्य मंदिर बनाने के प्रति प्रतिबद्धता दिखाई। जयंती पर महाप्रसादी का वितरण किया गया। इसमें समाज के सभी बंधुओं, माताओं- बहनों और बच्चों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर विश्वकर्मा जयंती के इस पर्व को अविस्मरणीय बना दिया। उपस्थित रहे राजस्थानी विश्वकर्मा समाज के अध्यक्ष नेमीचंद खंडेलवाल के नेतृत्व में मंदिर का निर्माण का सहयोग देने वाले भामाशाह शंकर लाल माकड़, भंवरलाल माकड़, दिनेश माकड़, भंवरलाल माडण, सुखदेव माडण, भंवरलाल सोयल, भूराराम धुंधाड़ा, भगाराम, हरीश, रामचंद्र रालडीया, ओमप्रकाश, गोविंद नागौर, छगनलाल कूलरिया, आईदान, सीएल शर्मा, कानाराम, गंगाराम, जोपिंग, कानाराम, राम गोपाल जांगिड़, रामस्वरूप करल, प्रह्लाद जांगिड़, पप्पूराम बामणिया, नारायण, विक्रम, बूढड शंकरलाल छड़िया, श्रवण कुमार, चेनाराम जोपिंग, सुरेश जांगिड़, सीकर नारायणा कूलरिया, विष्णु कुलरिया, सरवण, मंगल राव, भीमाराम बुढड, तेजाराम छड़िया, नारायणराम बूढड, मानाराम कूलरिया, धर्माराम माकड़, रामचंद्र उदलियावास, कन्हैयालाल जायसवाल, मगाराम भूदंड, मानक कुलरिया, दिनेश बूढड, प्रभुराम भूदंड, अमराराम कूलरिया, दिलीप जोपिंग, बबलू सांड, भंवरलाल गडरिया, ओमप्रकाश गुलरिया, रमेश टिबानिया, मोहन झाला, अर्जुनराम बूढड, हरिराम बूढड, हेमराज बूढड, गोविंद भूदंड, वीरमाराम बरड़वा, बालूराम, चंपाराम बूढड, मांगीलाल, बुद्धाराम बामणिया, चेनाराम बरड़वा, जसराज भूदंड, श्रवन दायमा, पप्पू राम छड़िया, मांगीलाल माकड़, पैपाराम जोपिंग, मांगीलाल लौडता, ताराचंद जोपिंग, भोमाराम कूलरिया, नारायण कुलरिया, धनाराम माकड़ व समस्त समाज की ओर से विश्वमंगल गौशाला मेडचल में दानपुर किया गया और समस्त सुथार समाज द्वारा कई स्थानों पर सेवा कार्य किया गया।

सैन्य अस्पताल सिकंदराबाद में विश्व कैंसर दिवस समारोह का शुभारम्भ

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सैन्य अस्पताल सिकंदराबाद ने एक साइकिल रैली आयोजित करके विश्व कैंसर दिवस समारोह की शुरुआत की, जिसमें यूनिट के कर्मियों ने छावनी भर में सूचना तख्तियां ले रखी थीं। समारोह की शुरुआत यूनिट के सबसे कम उम्र के सिपाही द्वारा रिबन काटकर की गई। सैन्य अस्पताल सिकंदराबाद की इंटेंसिविस्ट कर्नल निखत जहां ने इसे झंडी दिखाकर रवाना किया। कैंसर की रोकथाम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए अस्पताल के मैदान में कैंसर के संबंध में आईईसी पोस्टर प्रदर्शित किए गए। सभी यूनिट कर्मियों द्वारा तम्बाकू और शराब के सेवन से बचने की शपथ ली गई। यूनिट कर्मियों के बच्चों के लिए पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। लेफ्टिनेंट कर्नल श्वेता प्रसाद द्वारा कैंसर पर एक जागरूकता व्याख्यान दिया गया, जिसके बाद एमसीईएमई ऑडिटोरियम, सिकंदराबाद में एक प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया। इसमें 150 से अधिक सेवारत कर्मियों ने भाग लिया। स्कूल ऑफ नर्सिंग मिलिट्री हॉस्पिटल, सिकंदराबाद के छात्रों ने कैंसर की रोकथाम और एक स्वस्थ जीवन शैली को अपनाने के महत्व पर एक उच्च प्रभाव वाला माइम प्रस्तुत किया। सफेद रंग के चेहरे के साथ सभी काले कपड़े पहने, इन छात्रों ने बिना कुछ बोले अपने हाव-भाव से दर्शकों को एक शक्तिशाली संदेश दिया। सैन्य अस्पताल सिकंदराबाद के कमांडेंट ब्रिगेडियर संजय सिंह ने दर्शकों के साथ बातचीत की और कैंसर की रोकथाम पर जोर दिया। अस्पताल कल अस्पताल परिसर में कैंसर जांच शिविर आयोजित कर रहा है।

केटीआर ने विस में की प्रतिद्वंद्वी विधायकों इटेला और रघुनंदन से बातचीत!

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विधानमंडल के बजट सत्र के पहले दिन दिलचस्प दृश्य और बातचीत देखने को मिली। राज्य के उद्योग मंत्री केटीआर विपक्षी नेताओं की बेंच पर गए और बीजेपी विधायक और पूर्व मंत्री इटेला राजेंद्र और अन्य बीजेपी विधायक एम. रघुनंदन राव और टी. राजा सिंह के साथ दिलचस्प बातचीत की। पता चला है कि केटीआर ने इटेला से उनके हुजूराबाद विधानसभा क्षेत्र से उनके गृह मंडल कमलापुर में आयोजित राज्य सरकार के आधिकारिक कार्यक्रमों से उनकी अनुपस्थिति के बारे में पूछा। सवाल का जवाब देते हुए, इटेला ने केटीआर को बताया कि जिला प्रशासन द्वारा उन्हें कोई औपचारिक निमंत्रण नहीं दिया गया था। उन्होंने केटीआर को यह भी बताया कि राज्य सरकार की नीतियों को लोगों तक ले जाने के लिए राज्य प्रशासन में कोई सर्वोत्तम अभ्यास नहीं है। दोनों नेताओं के बीच बातचीत चल ही रही थी कि सीएलपी नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क भी उनके साथ हो लिए। उन्होंने केटीआर को यह भी बताया कि उन्हें उनके खम्मम जिला प्रशासन द्वारा राज्य सरकार के आधिकारिक कार्यक्रमों के लिए भी आमंत्रित नहीं किया जा रहा था। इस मौके पर हस्तक्षेप करते हुए, इटेला ने केटीआर से कहा कि किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम के लिए जिला कलेक्टर के अलावा किसी और से निमंत्रण नहीं दिया जाना चाहिए। मंत्री केटीआर ने विधायक राजा सिंह से भी बात की और अपनी शर्ट की ओर इशारा करते हुए कहा कि उनकी शर्ट के गुलाबी रंग का उनकी आंखों पर प्रभाव पड़ेगा और उन्होंने कहा कि उन्हें गुलाबी रंग पसंद नहीं है। केटीआर की टिप्पणी का जवाब देते हुए, राजा सिंह ने भविष्यवाणी की कि केटीआर भविष्य में गुलाबी रंग की शर्ट भी पहन सकते हैं। इससे पहले डिप्टी स्पीकर टी. पदमा राव गौड़ को सदन में एटाला राजेंदर के साथ बातचीत करते देखा गया।

पति ने लोहे की रॉड से हमला कर की टीचर पत्नी की हत्या

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लंगर हौज़ में एक महिला की उसके पति ने कथित तौर पर लोहे की रॉड से हमला कर हत्या कर दी। उपलब्ध जानकारी के अनुसार पीड़िता करीना बेगम (32), एक निजी स्कूल की शिक्षिका और उनके पति मो. यूसुफ के बीच अक्सर छोटी-छोटी बातों पर बहस होती थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार सुबह घटना तब हुई जब शिक्षिका स्कूल जाने की तैयारी कर रही थी। इस दौरान दंपति के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था।

पुलिस अधिकारी ने कहा कि आपसी झगड़े के बाद करीमा स्कूल जाने के लिए घर से निकली। इसके बाद यूसुफ ने लोहे की छड़ से उसका पीछा किया और उसके सिर पर हमला कर दिया। सिर फटने से काफी खून बह गया था, जिससे करीमा की मौके पर ही मौत हो गई थी। उन्होंने कहा कि फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वेंकैया व तेलुगु राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने विश्वनाथ के निधन पर शोक जताया

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायुडू, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्रियों और राज्यपालों ने शुक्रवार को प्रसिद्ध तेलुगु फिल्म निर्माता के. विश्वनाथ के निधन पर शोक व्यक्त किया। वेंकैया नायुडू ने कहा कि प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक के निधन के बारे में सुनकर उन्हें गहरा दुख हुआ है। उन्होंने कहा कि एक फिल्म निर्माता के रूप में, विश्वनाथ ने एक संदेश के साथ अपनी फिल्मों के लिए वैश्विक पहचान अर्जित करने वाले माध्यम में गहराई और गरिमा लाई। नायुडू ने कहा कि कलाथापस्वी के नाम से जाने जाने वाले विश्वनाथ ने तेलुगू सिनेमा की स्थिति को बढ़ाया और "हमें विश्व स्तर पर लोकप्रिय" बनाया। उन्होंने उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना व्यक्त की और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने कहा कि विश्वनाथ के निधन के बारे में सुनकर उन्हें दुख हुआ। मुख्यमंत्री ने विश्वनाथ और उनके बीच फिल्मों, संगीत और साहित्य पर हुई चर्चा को याद किया जब वह बीमार निर्देशक के घर सांत्वना देने गए थे। सीएम केसीआर ने कहा कि विश्वनाथ की फिल्मों में भारत के पारंपरिक मूल्यों और संस्कृति को बड़ा महत्व दिया गया है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई. एस. जगन मोहन रेड्डी ने अपने शोक संदेश में कहा कि विश्वनाथ के निधन से गहरा दुख हुआ है। विश्वनाथ तेलुगु संस्कृति और भारतीय कलाओं के दर्पण थे। उनके निर्देशन में बनी फिल्मों ने तेलुगु फिल्म उद्योग को अद्वितीय सम्मान दिलाया है। वह एक कलाकार के रूप में तेलुगु लोगों के दिलों में हमेशा के लिए रहेंगे, मुख्यमंत्री ने कहा।

राज्यपाल ने बजट भाषण से पहले यदाद्री में की पूजा-अर्चना

यदाद्री-भोंगिर, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानमंडल में अपने बजट भाषण से पहले, राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन ने शुक्रवार को यदाद्री श्री लक्ष्मीनरसिम्हा स्वामी मंदिर में एक विशेष पूजा की। वह सुबह 8 बजे हैदराबादसे सड़क मार्ग से यदाद्री पहुंची और सीधे मंदिर के लिए गाड़ी चलायी। जिला कलेक्टर पामेला सतपथी और मंदिर के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। मंदिर के पुजारियों ने वेद मंत्रों का जाप करते हुए पूर्णकुंभ से उनका स्वागत किया।

मरीजों को तुरंत रीडिंग ग्लास पेश करें : हरीश राव

सिद्दीपेट, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त और स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश रावने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कांटी वेलुगु शिविर के दौरान परीक्षण करने के बाद मरीजों को रीडिंग ग्लास सौंपने का निर्देश दिया है। शुक्रवार को सिद्दीपेट शहर के 43वें वार्ड में कांटी वेलुगु कैंप का निरीक्षण करने के बाद स्वास्थ्य मंत्री ने उन्हें कांटी वेलुगु पर निर्धारित चश्मे के नुस्खे अपलोड करने का सुझाव दिया है ताकि सरकारी तंत्र 15 दिनों के भीतर मरीज को चश्मा भेज दें। कांटी वेलुगु शिविर में लोगों से बातचीत करते हुए, राव ने उनसे पूछा कि क्या कार्यक्रम उपयोगी है। अधिकांश लोगों ने मंत्री को बताया था कि कंटी वेलुगु कार्यक्रम विशेष रूप से बुजुर्ग लोगों के लिए बहुत उपयोगी है। उन्होंने अधिकारी को कांटी वेलुगु शिविरों में सभी सुविधाएं प्रदान करने का निर्देश दिया है ताकि रोगियों को परेशानी मुक्त यात्रा सुनिश्चित की जा सके। मंत्री ने निर्वाचित प्रतिनिधियों से नागरिकों को कांटी वेलुगु शिविरों के बारे में सूचित रखने के लिए कहा है ताकि प्रत्येक व्यक्ति इस अवसर का लाभ उठा सके। मेदक विधायक एम. पद्मादेवेंद्र रेड्डी, डीएम और एचओ डॉ. काशीनाथ, नगर आयुक्त रविंदर रेड्डी और अन्य उपस्थित थे।

इस साल हैदराबाद में भीषण गर्मी संभव!

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मौसम विशेषज्ञ जलवायु प्रवृत्तियों का विश्लेषण करते हुए बताया कि राज्य की राजधानी में गर्मी के मौसम की शुरुआत का संकेत मिल रहे हैं। अगले सप्ताह दिन का तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। नवीनतम वैश्विक मौसम विज्ञान मॉडल ने संकेत दिया है कि चरम गर्मी की लहरों और कमजोर मानसून से जुड़े एल नीनो जलवायु पैटर्न के इस गर्मी के मौसम में उभरने की संभावना है।

11 फरवरी से, शहर में दिन का तापमान धीरे-धीरे बढ़ना शुरू हो जाएगा, इस प्रकार गर्मी के मौसम की शुरुआत हो जाएगी। हालांकि, पिछले हफ्ते फरवरी तक रातें और सुबह ठंडी रहेंगी। पिछले नौ वर्षों के दौरान, वार्षिक अधिकतम तापमान 2016 में सबसे अधिक और 2021 में सबसे कम था। तेलंगाना स्टेट डेवलपमेंट प्लानिंग सोसाइटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रचलित ला नीना स्थितियों के कारण पिछले तीन वर्षों में तापमान के रुझान में थोड़ी कमी आई है। एल नीनो का मौसम और जलवायु पैटर्न पर प्रभाव पड़ता है।

यह भारत में सूखे या कमजोर मानसून से जुड़ा है। दबालाजी ने भविष्यवाणी की है कि इस वर्ष गर्मी तीव्र होने की संभावना है।

ग्रीष्मकालीन चक्रवातों का ट्रैक गर्मी की लहरों और प्री-मानसून आंधी की तीव्रता को तय करता है, जिसे हम अभी नहीं कह सकते। अब तक, हम पिछले कुछ वर्षों के विपरीत कुछ तेज गर्मी की उम्मीद कर रहे हैं।

इस बीच, टीएसपीडीएस की रिपोर्ट में कहा गया है कि गर्मियों के दौरान, उप्पल, कपरा, कुतुबुल्लापुर, सेरिलिंगमपल्ली, खैरथाबाद, शैकपेट, आसिफनगर, बहादुरपुरा और सैदाबाद में उच्च तापमान (45 डिग्री) आमतौर पर देखा जाता है।

रामचरितमानस पर यूपी में राजनीति

मायावती बोलीं- शूद्र कहकर सपा हमारा अपमान न करे

चुनावी स्वार्थ के लिए नए-नए विवाद खड़ा करके जातीय व धार्मिक द्वेष, नफरत फैलाना, बायकाट कल्चर, धर्मान्तरण को लेकर उग्रता भाजपा की राजनीतिक पहचान है। लेकिन रामचरितमानस की आड़ में सपा का वही राजनीतिक रंग-रूप दुर्भाग्यपूर्ण है। इस पूरे प्रकरण में भाजपा और सपा की मिलीभगत है।

मायावती, राष्ट्रीय अध्यक्ष, बसपा

लखनऊ, 3 फरवरी (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने रामचरितमानस मामले पर सपा पर निशाना साधा है। मायावती ने लगातार एक के बाद एक चार ट्वीट किए हैं। उन्होंने सपा को दो जून 1995 की घटना याद दिलाई। कहा देश में कमजोर में उपेक्षित वर्गों का ग्रंथ रामचरितमानस व मनुस्मृति आदि नहीं बल्कि भारतीय संविधान है। जिसमें बाबा साहब ने इन्हें शूद्रों की नहीं बल्कि एससी, एसटी, ओबीसी की संज्ञा दी है। सपाई शूद्र कहकर उनका अपमान ना करें और ना ही संविधान की अवहेलना करें।

उन्होंने कहा, सपा प्रमुख को इनकी वकालत करने से पहले लखनऊ गेस्ट हाउस के दो जून 1995 की घटना को भी याद कर अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। देखना चाहिए कि जब सीएम बनने जा रही दलित की बेटी पर सपा सरकार ने जानलेवा हमला कराया था। वैसे भी यह जगजाहिर है कि देश में एससी, एसटी, ओबीसी, मुस्लिम व अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों के आत्म सम्मान एवं स्वाभिमान की कदर बीएसपी में ही थी।

विपक्ष दलित वोटों के ध्रुवीकरण में लगा

यूपी की सियासत पिछले 12 दिन से रामचरितमानस की पंक्तियों पर गरमाई हुई है। विपक्ष दलित वोटों के ध्रुवीकरण के लिए सियासी तीर छोड़ रहा है। वहीं भाजपा ने स्पष्ट कर दिया है कि इन्हें पहचान का संकट है, इसलिए रामचरितमानस की पंक्तियों का सहारा लिया जा रहा है। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के विवादित बयान के बाद संतों ने भी नाराजगी का ऐलान किया है। ऐसे में सपा और भाजपा नेताओं की बयानबाजी को 2024 लोकसभा चुनाव से पहले कोर वोटर को अपनी ओर खींचने की कोशिश की तरह देखा जा रहा है। जातीय राजनीति के सबसे बड़े केंद्र यूपी और बिहार में इन बयानों का बड़ा असर भी देखने को मिलेगा। रामचरितमानस की पंक्तियों को लेकर उठे विवाद के पीछे का सियासी खेल समझना जरूरी है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में सनातन धर्म सबसे बड़ी धूरी रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने हिंदू एकता को लेकर सनातन धर्म की बातें शुरू से करती आई है। कह सकते हैं कि इसकी मदद से भाजपा केंद्र की सत्ता में 2014 से स्थापित हो चुकी है। ऐसे में यूपी में रामचरितमानस की पंक्तियों को लेकर सनातन बनाम जाति की राजनीति शुरू हो चुकी है।

यह माना जा रहा है कि इस सियासी राजनीति के मायने सनातन धर्म में समाहित जातियों का ध्रुवीकरण करके तोड़ना है।

स्वामी प्रसाद मौर्य बोले- मुझे हो रही खुशी, झुकूंगा नहीं

लखनऊ, 3 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा रामचरितमानस पर दिए बयान पर बवाल रुकने का नाम नहीं ले रहा है। बता दें कि जहां सपा नेता पर अलग-अलग राज्यों में एफआईआर दर्ज हुई है तो वहीं अब स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा है कि इस मामले को उठाकर उन्हें खुशी हो रही है और वो अपने बयान पर झुकेंगे नहीं। गौरतलब है कि सपा के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने हिंदू महाकाव्य रामचरितमानस की चौपाइयों को "पिछड़े-विरोधी और महिला-विरोधी" बताते हुए विवाद खड़ा कर दिया है। इस बीच हिंदुस्तान टाइम्स को दिए एक साक्षात्कार में 69 वर्षीय मौर्य ने इस विवाद पर बात करते हुए कहा कि वह अपने रुख से नहीं हटेंगे।

'मैं भगवान राम नहीं बल्कि रामचरितमानस की कुछ चौपाइयों के खिलाफ हूं'

उन्होंने कहा, "मैं किसी धर्म के खिलाफ नहीं हूं। मैं भगवान राम के खिलाफ नहीं हूं। हालांकि, मैं रामचरितमानस के कुछ चौपाइयों के खिलाफ हूं।" उन्होंने कहा कि उस काल में बाबा तुलसीदास को इस प्रकार लिखने के लिए किसने प्रेरित किया, यह महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि महत्वपूर्ण बात यह है कि आज हमें महिलाओं और 600 से अधिक दलित उपजातियों के लिए सम्मान सुनिश्चित करने की आवश्यकता है और इसके लिए यदि हमें कुछ चौपाइयों को हटाना पड़े तो हमें करना होगा।

मौर्य से पूछा गया कि ओबीसी भी तो हिन्दू हैं और उसी रामचरितमानस को मानते हैं जिसकी चौपाइयों का आप विरोध कर रहे हैं? इसपर सपा नेता ने कहा, "ठीक बात है लेकिन क्या पिछड़े, दलित और आदिवासी सिर्फ वोट के लिए हिंदू हैं? मुझे उनके हिंदू होने में कोई दिक्कत नहीं है। लेकिन वोट देने के बाद क्या वे सम्मान के हकदार नहीं हैं?"

'पीछे नहीं हटूंगा'

स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि मुझे खुशी है कि मैंने जो मुद्दा उठाया है उसको लेकर अब पूरे देश में बहस चल रही है। टीवी स्टूडियो और अखबारों से लेकर बोर्डरूम और शैक्षणिक संस्थानों तक इस मुद्दे पर चर्चा हो रही है। मैं चाहता हूं कि लोग सोचें और अगर यह बहस चलती रही तो निश्चित रूप से मंथन होगा और कुछ सकारात्मक परिणाम निकलेंगे। जहां तक मेरी बात है तो मैं अपनी ओर से सकारात्मक बदलाव के लिए प्रयास करता रहूंगा। इस पर पीछे नहीं हटूंगा।

स्वामी प्रसाद मौर्य पर एक और एफआईआर

वहीं उत्तर प्रदेश में एफआईआर दर्ज होने के बाद अब स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ मध्य प्रदेश के ग्वालियर में भी शिकायत दर्ज करवाई गई है। बता दें कि यह शिकायत हिंदू महासभा की तरफ से दर्ज करवाई गई है। शिकायत में समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के अलावा आठ अन्य लोगों के भी नाम दर्ज किए गए हैं।

अखिलेश यादव के काफिले के साथ हादसा

आपस में टकराईं छह गाड़ियां, चार लोग गंभीर घायल

हरदोई, 3 फरवरी (एजेंसियां)। हरदोई जिले के मल्लावां थाना क्षेत्र में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के काफिले में साथ चल रही आधा दर्जन से अधिक गाड़ियां आपस मे टकरा गईं। इसमें चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनको सीएचसी में भर्ती कराया गया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव कस्बे के सपा कार्यालय से हरिपालपुर के लिए जा रहे थे। शुक्रवार की दोपहर को कटरा बिल्हौर हाइवे पर फरहतनगर रेलवे क्रॉसिंग पर ब्रेकर के पास पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के फ्लीट की गाड़ियां आगे निकल गईं। ब्रेकर के चलते तेज गति से साथ मे चल रही एक कार्यकर्ता की गाड़ी के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दी। इसके चलते साथ में चल रही दो फार्च्यूनर सहित सात गाड़ियां आपस मे टकरा गईं। इस हादसे में करीब चार लोग घायल हो गए। वहीं, कप्तान सिंह निवासी संडीला और अन्य कई कार्यकर्ताओं को हल्की चोटें आई हैं। कोतवाल शेषनाथ सिंह ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री के काफिले की गाड़ियां नहीं टकराईं थीं। पीछे चल रहे कार्यकर्ताओं की गाड़ियां एक दूसरे से टकराईं हैं। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

बता दें कि अखिलेश यादव हरपालपुर थाना क्षेत्र के बैठापुर गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। उनका कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह स्वागत किया। वहीं, कार्यक्रम से लौटते समय फरहतनगर क्रॉसिंग मोड़ पर हादसा हो गया।

इसी मोड़ पर गति धीमी होने से गाड़ियां आपस में भिड़ गईं। हादसे में चार लोगों को गंभीर चोटें आई हैं, जिन्हें सीएचसी में भर्ती कराया गया है। वहीं, कई कार्यकर्ताओं को हल्की चोटें आई हैं। पुलिस ने गाड़ियों को रोड के किनारे लगाकर यातायात सुचारू बनाए रखा है।

यूपी में एक अप्रैल से पहले कबाड़ होंगे 15 साल पुराने वाहन

लखनऊ, 3 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार स्क्रैप पॉलिसी पर केंद्र सरकार के नए नोटिफिकेशन के तहत एक अप्रैल 2023 से पहले प्रदेश में सभी 15 साल से पुराने वाहनों को स्क्रैप में भेजने के प्रति गंभीरता से प्रयास कर रही है।

केंद्र सरकार के सड़क परिवहन मंत्रालय ने ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी किया है जिसमे केंद्र और राज्य सरकारों के सभी 15 साल पुराने वाहनों को स्क्रैप करना होगा। नया नियम निगमों और परिवहन विभाग की बस और अन्य गाड़ियों के लिए भी अनिवार्य होगा।

सड़क परिवहन मंत्रालय की मंशा के अनुरूप प्रदेश सरकार 15 वर्ष से ऊपर के निजी वाहनों के साथ-साथ विभागों में लगे पुराने वाहनों को स्क्रैप में बदलने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। इसके लिए माइलस्टोन तय किए गए हैं। माइलस्टोन-1 के अंतर्गत वाहनों की जानकारी हेतु गूगल शीट के साथ 23-01-2023 को जारी आरवीएसएफ में 15 वर्ष या उससे अधिक के शासकीय व अर्धशासकीय वाहनों को कबाड़ करने के संबंध में पत्र जारी कर दिया गया है। 28-11-2022 को निजी वाहनों के लिए रोड टैक्स में 15 फीसद और कमर्शियल वाहनों के लिए 8 वर्ष पर कुल टैक्स में 10 प्रतिशत की छूट के लिए अधिसूचना जारी की गई है। पुराने वाहनों पर लंबित देयता की एकमुश्त छूट की प्रक्रिया चल रही है। सभी पदाधिकारियों से कहा गया है कि अपने विभाग के 15 वर्ष पुराने वाहनों की जानकारी 5 फरवरी तक अवश्य दे दें, ताकि आगे की कार्यवाही पूरी की जा सके।

आईएएस अफसर की गालियों के खिलाफ बीएएस अफसरों ने पूरे बिहार में काला बिल्ला लगाया

पटना, 3 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार सरकार में निबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव और बिहार इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड रूरल डेवलपमेंट के महानिदेशक केके पाठक ने बिहार और बिहारियों के साथ बिहार प्रशासनिक सेवा के अधिकारी को गाली दी थी, जिसका विडियो अब मुख्यमंत्री के भी संज्ञान में आ चुका है। बिहार और बिहारियों ने तो इसपर गुस्सा नहीं दिखाया है, लेकिन बिहार प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों ने पूरे बिहार में इस घटना के विरोध में काला बिल्ला लगाकर काम किया।

शुक्रवार को बिहार के हर जिले से ऐसी तस्वीरें सामने आईं। अररिया में मुख्यमंत्री ने केस की जानकारी होने की बात कही, लेकिन पटना के सचिवालय थाने में बिहार प्रशासनिक सेवा संघ की तहरीर को प्राथमिकी के रूप में दर्ज नहीं किया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि वरीय पदाधिकारियों के निर्देश पर इसे सनहा के रूप में लिया गया है। असंज्ञेय अपराध के इस केस में वरीय पदाधिकारियों के आदेश का इंतजार है।

9 दिन में एक घर से 3 बेटियां गायब

मां बोली-2 बेटियां नाबालिग, वो उन्हें मार देंगे; पुलिस को एक की पंजाब में मिली लास्ट लोकेशन

मैनपुरी, 3 फरवरी (एजेंसियां)। 21 दिसंबर 2022, मैनपुरी का रम्पुरा गांव। सुबह 7 बजे शमशाद अली घर में अपनी 14 साल की बेटी मंथरा को आवाज लगाते हैं। मंथरा कोई जवाब नहीं देती। पिता अपने बेटे सलमान से मंथरा को बुलाने के लिए कहते हैं। सलमान मंथरा को पूरे घर में ढूंढता है। मंथरा कहीं नहीं होती। फिर मंथरा को पूरे गांव में ढूंढा जाता है। वो कहीं नहीं मिलती। दरअसल, मंथरा गायब हो चुकी थी।

शमशाद पुलिस के पास जाकर रिपोर्ट दर्ज कराते हैं। पुलिस कहती है ढूंढेंगे। 8 दिन बीत जाते हैं। शमशाद अपने स्तर पर बेटी को ढूंढना जारी रखते हैं। उन्हें पता चलता है कि बेटी पंजाब के मुक्तसर ले जाई गई है। 30 दिसंबर को वो अपने कुछ लोगों के साथ पंजाब के लिए निकलते हैं। घर से अलीगढ़ तक पहुंचते हैं, तो घर से बेटे का कॉल आता है वो कहता है, पापा 2 और बहनें किडनैप हो गई हैं। ये सुनते ही पिता के होश उड़ जाते हैं।

इस तरह 9 दिन के भीतर शमशाद की 3 बेटियां गायब हो गईं। इसके बाद 26 जनवरी 2023 को मैनपुरी के भोगांव की 2 और

नाबालिग लड़कियां गायब हो गईं। इन वारदातों के बाद हम मैनपुरी पहुंचे। रम्पुरा जाकर शमशाद से बेटियों के गायब होने से लेकर अब तक की पूरी कहानी जानी। मामले को लीड कर रहे पुलिस ऑफिसर जे.एस. शुक्ला से बात की। जाना कि पहले मामले के डेढ़ महीने बाद भी वो अपराधियों तक क्यों नहीं पहुंच पाए।

दूसरी वारदात के बाद पुलिस के 3 नंबरों पर कॉल किया

शमशाद बताते हैं, 30 दिसंबर को जब मुझे पता चला कि मेरी 2 और बेटियां गायब हो गई हैं, तो मैंने पुलिस के 1912, 1076, 1090 नंबरों पर कॉल किया। कहीं से कोई रिस्पॉन्स नहीं आया। उस वक्त अगर पुलिस एक्टिव हो जाती तो हो सकता था मेरी बेटियां किडनैप होने से बच जातीं। फिर मैं वापस आकर थाने गया और दूसरी एफआईआर दर्ज कराई।

एक बेटी 22, दूसरी 16 और सबसे छोटी 14 साल की है

शमशाद ने कहा, "हम गरीब हैं रहने को पक्का घर तक नहीं है। लेकिन फिर भी हमने अपनी बेटियों को प्यार से पाला है। वो घर की रौनक थीं। उनकी वजह से घर में चहल-पहल रहती थी। अब घर में मातम सा पसरा रहता है। पिछले 1 महीने से बेटियों की मां रो-रो कर बेसुध हो चुकी है। फफकते हुए शमशाद ने कहा, "वो हमारी बेटियों को मार डालेंगे। उनके अंग निकाल लेंगे। मेरी बड़ी बेटी निशा 22, मुस्कान 16 और मंथरा 14 साल की थी।

"पंजाब के 17 साल के लड़के ने किया है किडनैप"

शमशाद ने आगे कहा, "मेरे घर के सामने राकेश रहते हैं। 4 नवंबर को राकेश की बेटी की शादी थी।

शादी में राकेश के कुछ रिश्तेदारों के साथ उनके दोस्त भी आए थे। एक लड़का पंजाब से आया था। वो यहां करीब 15 दिन रुका। उस समय तो हमने ध्यान नहीं दिया लेकिन बाद में समझ आया कि वो मेरी बेटियों के पीछे पड़ा था। हमारी बेटियों की किडनैपिंग उसी ने करवाई है। वो किसी बड़े गिरोह का मेंबर भी हो सकता है।"

अब मुख्यमंत्री को भी पता चल गया कि बिजली बिल में गड़बड़ है

केके पाठक केस भी संज्ञान में

पटना, 3 फरवरी (एजेंसियां)। कई जगह लोगों ने बताया है कि बिजली बिल ज्यादा दे रहा है। ऐसा कोई गड़बड़ कर रहा है तो पूरा जांच कराएंगे। मुख्य सचिव से लेकर एक-एक अधिकारी को कह दिया है कि पूरे तौर पर देखिए। ऐसा कोई गड़बड़ किया है तो जांच कराइए।

करीब दो साल से बिजली बिल को लेकर परेशान बिहार के लोगों को समाधान यात्रा के दौरान अररिया में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस बयान से कुछ उम्मीद जगेगी। पटना में प्रीपेड मीटर की लांचिंग के साथ ही इस समस्या को लेकर लोग अलग-अलग फोरमों पर बात उठा रहे थे। कुछ लोग कोर्ट तक गए, लेकिन अधिकारी ऐसी गड़बड़ी से इनकार करते रहे। पटना में प्रीपेड मीटर की अनिवार्यता के बाद जैसे-जैसे बिहार के बाकी शहरों में यह जाता गया, ज्यादा चार्ज लेने की जानकारी सामने आने लगी। शुक्रवार को मुख्यमंत्री को अररिया में लोगों ने इसका समाधान करने कहा तो उन्होंने जांच की घोषणा की।

केके पाठक की गालियों की जांच भी

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अररिया में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि सीनियर आईएएस केके पाठक की गालियों वाला मामला उनके संज्ञान में आया है। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव से इस केस की पूरी जांच कराने की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि कल शाम में इसकी जानकारी मिली है और जांच कराने के लिए कहा है। जांच में जो बातें आएंगे, उस हिसाब से फैसला लिया जाएगा कि क्या करना है।

यूपी एमएलसी चुनाव में भाजपा ने 5 में से 4 सीटों पर मारी बाजी

लखनऊ, 3 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी की विधानपरिषद की पांच में से चार सीटें भाजपा ने जीत कर अपनी विजय पताका फहराई है। इस चुनाव में मुख्य विपक्षी दल सपा को करारी शिकस्त मिली है। गोरखपुर-फैजाबाद खंड स्नातक, कानपुर खंड स्नातक, बरेली-मुरादाबाद खंड स्नातक, इलाहाबाद-झांसी खंड शिक्षक व कानपुर खंड शिक्षक सीट पर एक बार फिर भाजपा ने अपनी जीत का परचम लहराया है। इन सीटों पर भाजपा की सपा से टक्कर थी।

इतना ही नहीं बरेली-मुरादाबाद खंड स्नातक सीट से डॉ. जयपाल, कानपुर स्नातक सीट से अरुण पाठक और गोरखपुर-फैजाबाद खंड स्नातक सीट से भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र प्रताप सिंह ने जीत की हैट्रिक लगाई है। चुनाव आयोग से मिली जानकारी के अनुसार विधान परिषद की बरेली-मुरादाबाद खंड स्नातक सीट पर भाजपा प्रत्याशी जयपाल सिंह ने बड़े अंतर से लगातार तीसरी जीत दर्ज की है। उन्होंने सपा के शिव प्रताप सिंह को 51,257 वोटों से हराया। वर्ष 1,986 से सीट पर अजेय भाजपा की यह आठवीं जीत है।

गोरखपुर-फैजाबाद स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से देवेंद्र प्रताप सिंह ने 17455, कानपुर-उन्नाव से अरुण पाठक ने 53285, बरेली-मुरादाबाद से जयपाल सिंह व्यस्त ने 51257, प्रयागराज-झांसी शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से बाबूलाल तिवारी ने पहली बार भाजपा से लड़कर तीन बार के एमएलसी को 1403 वोटों से पराजित किया। प्रयागराज-झांसी शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी ने पहली बार प्रत्याशी उतारा। यहां से बाबूलाल तिवारी मैदान में रहे। भाजपा ने तीन बार के एमएलसी रहे सुरेश कुमार त्रिपाठी को 1403 वोटों से शिकस्त दी।

उन्नाव में भीषण सड़क हादसा

दो कारों की जोरदार भिड़ंत, चार की मौत और दो गंभीर रूप से घायल

उन्नाव, 3 फरवरी (एजेंसियां)। उन्नाव जिले के औरास थाना क्षेत्र में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार दोपहर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया।

इसमें आगरा से लखनऊ की तरफ जा रही तेज रफ्तार कार डिवाइडर तोड़कर दूसरी लेन में घुस गई। साथ ही, लखनऊ से मथुरा जा रही कार में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में डिवाइडर तोड़ने वाली कार पर सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा है। यूपीडा की रेक्स्यू और औरास पुलिस टीम राहत व बचाव कार्य में लगी है।

परमहंस दास बोले : शिला पर हथौड़ी चली तो अन्न-जल छोड़ दूंगा

शालिग्राम में विष्णु बसते हैं; हिंदू महासभा ने कहा- अयोध्या से शिला को वापस भेजो

अयोध्या, 3 फरवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में दोनों शालिग्राम शिलाओं का गुरुवार को धूमधाम से पूजन हुआ। शालिग्राम शिला को रामसेवकपुरम में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रखा गया है। इस बीच शिला को लेकर विवाद भी शुरू हो गया है। तपस्वी छावनी के पीठाधीश्वर महंत परमहंस दास ने कहा है कि शालिग्राम में स्वयं भगवान प्रतिष्ठित हैं, इसलिए उनके ऊपर हथौड़ी छेनी चलाना सही नहीं। अगर शालिग्राम शिला पर छेनी-हथौड़ी चली तो वो अन्न- जल का परित्याग कर देंगे।

वहीं अयोध्या हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अधिवक्ता मनीष पांडे ने कहा कि नेपाल की गंडक नदी से निकाले गए विशालकाय शालिग्राम पत्थर से अगर भगवान रामलला की मूर्ति का निर्माण किया जाता है, तो इस से महाविनाश होना तय है। मंदिर में मूर्ति सोने की अथवा काली राम मंदिर की मूर्ति को ही प्रतिष्ठित किया जाए। शालिग्राम पत्थरों को वापस भेजा जाए गंडक नदी

महासभा ने आक्रोश प्रकट करते हुए कहा है कि गंडक नदी से निकले शालिग्राम पत्थरों वापस भेज दिया जाए। उन्होंने पौराणिक महत्व पर चर्चा करते हुए बताया कि शंखचूड़ नामक दैत्य की पत्नी वृंदा भगवान विष्णु की परम भक्त थी। वह भगवान को अपने हृदय में धारण करना चाहती थी, छल करने के कारण वृंदा ने भगवान विष्णु को पाषाण हो जाने एवं कीड़ों के द्वारा कुतरे जाने का श्राप दे दिया था। आज उसी श्राप के प्रभाव के कारण भगवान विष्णु पत्थर के रूप में गंडक नदी में विद्यमान हैं। पांडेय ने यह भी कहा कि भगवान विष्णु गंडक नदी में जीवित अवस्था में विद्यमान हैं और उनका आकार दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जाता है।

मूर्ति पर ट्रस्ट और मूर्तिकार लेंगे फैसला

शिलाओं को नेपाल से लेकर अयोध्या आए राम मंदिर ट्रस्ट के प्रमुख सदस्य कामेश्वर चौपाल के अनुसार ये शिलाएं शालिग्राम ही हैं। इसका परीक्षण करके लाया गया है। इनसे भगवान की मूर्ति बनेगी, यह भी लगभग तय है। मगर यह मूर्ति कहां स्थापित होगी और गर्भगृह की मूर्ति इसी शिला से बनेगी? इसका निर्णय मूर्तिकारों की राय लेने के बाद अंतिम रूप से राम मंदिर ट्रस्ट ही करेगा। उन्होंने कहा कि इस शिला को अयोध्या लाने से पहले नेपाल सरकार ने इसका वैज्ञानिक परीक्षण कराया है। इसकी जानकारी वहां के

हॉस्पिटल 8 किमी, वारिस को पहुंचाने में लगे 3 घंटे

भाई बोला–छोड़ने के लिए बजरंग दल वालों ने मांगे पैसे, फिर मरने की खबर आई

मेवात, 3 फरवरी (एजेंसियां)। सफेद रंग की बोलेरो गाड़ी में तीन लड़के बैठे नजर आ रहे हैं। तीनों डरे हुए हैं, एक ने दोनों हाथों से चेहरा ढंका हुआ है। शायद डर है कि कोई फिर से थप्पड़ न मार दे। पुलिसवाला इनमें से एक को नीचे झुकाता है, जिससे वीडियो ठीक से बन सके। एक कड़कती आवाज सुनाई देती है- 'हैं रे, क्या नाम है तेरा? जवाब मिलता है- वारिस। गांव कहां है- हुसैनपुर।'

फिर दूसरे से पूछते हैं- तेरा नाम और गांव? जवाब मिलता है- 'शौकीन, शाहजहां डेयरी।' तीसरे के चेहरे पर चोट लगी है, वो झुक कर बैठा है। आवाज फिर कड़कती है- 'ऊपर देख बे, तेरा गांव और नाम? जवाब मिलता है- 'रानियागी, नफीस।' ये वीडियो 28 जनवरी सुबह करीब 4 से 5 बजे के बीच का बताया जा रहा है। वारिस के घरवालों का आरोप है कि मोनू मानेसर और उसके संगठन गो-रक्षा दल के लोगों ने वारिस को पीट-पीटकर मार डाला। छोड़ने के लिए पैसे भी मांगे। हालांकि, पुलिस ने इस मामले में वारिस, शौकीन और नफीस के खिलाफ गो-तस्करी का मामला दर्ज किया है। गो रक्षा दल के लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

मोनू मानेसर मौके पर मौजूद था, बोला- मैंने तीनों को पुलिस को सौंप दिया था

मोनू मानेसर, बजरंग दल और गो-रक्षा दल ने वारिस के परिवार के आरोपों को खारिज कर दिया है। उनका दावा है कि उन्होंने गो-तस्करों को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया था। हालांकि सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियोज वायरल हुए हैं, जिनमें मोनू और उसके साथी वारिस और उसके साथियों के साथ न सिर्फ नजर आ रहे हैं, बल्कि पुलिस की मौजूदगी में उनसे पूछताछ भी कर रहे हैं। एक ऐसा वीडियो भी सामने आया है, जिसमें मोनू और पुलिसवालों ने वारिस और उसके दो साथियों को नीचे बिठाया हुआ है और फोटो खिंचवा रहे हैं। वारिस के घरवालों ने मोनू के खिलाफ नूह थाने में शिकायत दर्ज कराई है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

28 जनवरी को हुआ क्या?

नूह पुलिस के मुताबिक, 28 जनवरी सुबह 5 बजे राजस्थान और हरियाणा की सीमा पर तावड़-भिवाड़ी मार्ग पर खोड़ी चौकी के पास एक तेज रफ्तार सेंट्रो कार सामने से आ रहे टेम्पो से टकरा गई। कार में वारिस, नफीस और शौकीन थे। साथ ही एक जिंदा गाय को भी ठूंस-ठूंसकर भरा गया था। कुछ ही मिनट बाद बजरंग दल के गो-रक्षक दल की कार मौके पर पहुंची। इसी कार में मोनू मानेसर भी था।

आरोप है कि मोनू मानेसर ही अपनी कार से वारिस की कार का पीछा कर रहा था और वो टेम्पो से टकरा गई। मोनू और उसके साथी वारिस और अन्य दो लोगों से पूछताछ करने लगे। वहां पुलिस भी पहुंच गई। मोनू ने सुबह 5 बजकर 21 मिनट पर फेसबुक पर एक पोस्ट किया। इसमें लिखा था- '28.01.23 की कार्यवाही सैंट्रो गाड़ी पकड़ी गोवंश से भरी हुई जो भिवाड़ी से गोवंश भरकर मेवात ले जा रहे थे।"

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे की मुश्किलें बढ़ीं

संजय राउत ने भेजा मानहानि का नोटिस

मुंबई, 3 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्री मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता नारायण राणे की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दरअसल, संजय राउत ने उन्हें मानहानि का नोटिस भेजा है। राउत ने आरोप लगाया है कि राणे ने 15 जनवरी, 2023 को उनके खिलाफ अपमानजनक, दुर्भावनापूर्ण और झूठी टिप्पणी की जिससे उनकी छवि को ठेस पहुंची है। संजय राउत के वकील अधिवक्ता सार्थक पी शेट्टी राउत ने इसकी जानकारी दी है।

राउत ने कहा कि राणे को अपने आरोप साबित करने चाहिए या फिर उनसे माफी मांगनी चाहिए। राउत ने एक ट्वीट में कहा कि नारायण राणे मेरे और शिवसेना के खिलाफ निराधार आरोप लगा रहे हैं। उन्हें अपना आरोप साबित करना चाहिए या फिर माफी मांगनी चाहिए। मैंने अपने वकील सार्थक शेट्टी के माध्यम से उन्हें कानूनी नोटिस भेजा है। जय महाराष्ट्र।

शिक्षक भर्ती घोटाला : प्रधानमंत्री मोदी से शिकायत कर दूंगा...

सीबीआई पर भड़के कलकत्ता हाईकोर्ट के जज

कोलकाता, 3 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाला मामले की जांच कर रही सीबीआई की लापरवाही और सुस्त जांच को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान सख्त नाराजगी जताई।

न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय की एकल पीठ ने जांच में शामिल अधिकारियों की संपत्ति का ब्यौरा मांगा। न्यायाधीश ने कहा कि उन्हें सीबीआई पर बिल्कुल भरोसा नहीं रह गया। ऐसा लगता है कि जैसे लंदन की जांच संस्था एमआई-5 को बुलाना होगा। ऐसा लगता है कि जैसे मुझे यह जांच करनी पड़ेगी। वहीं न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय ने एजेंसी को सात दिनों में एक रिपोर्ट दर्ज करने का निर्देश दिया है और ऐसा नहीं करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिकायत करने की चेतावनी दी है। इससे पहले मंगलवार को पश्चिम बंगाल में बहुचर्चित शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच कर रहे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को कलकत्ता हाईकोर्ट ने जमकर फटकार लगाई थी। लापरवाही बरतने पर नाराज न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय ने एक अधिकारी को जांच से हटा दिया था। साथ ही कहा था कि फाइल को बिल्कुल छुना मत।

जानकारी के मुताबिक, प्राथमिक शिक्षक नियुक्ति संबंधी मामले की सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने कहा था कि बिना देरी किए जांच अधिकारी सोमनाथ विश्वास है, जांच से हटाना होगा। हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने प्राथमिक शिक्षक भर्ती घाटाला मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है, उसमें सोमनाथ भी हैं। सीबीआई सूत्रों ने बताया है कि सोमनाथ इंस्पेक्टर रैंक का अधिकारी हैं। जांच में जो जिम्मेदारी उनको दी गई थी, उसमें उन्होंने लापरवाही बरती। इसके साथ ही उन पर कई और गंभीर आरोप भी लगे हैं। सूत्रों के मुताबिक उन पर यह भी आरोप है कि उन्होंने जांच को गलत दिशा में मोड़ने की भी कोशिश की है।

बेवड़े कंडक्टर का गजब कारनामा

शराब पीने के लिए बीच सड़क पर यात्रियों से भरी बस छोड़कर हुआ फरार

लातूर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के लातूर में एक सरकारी बस के कंडक्टर का हैरान कर देने वाला कारनामा सामने आया है। यहां महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम का एक बस कंडक्टर गुरुवार को शराब पीने के लिए यात्रियों से भरी को बीच सड़क पर छोड़कर भाग गया। जिसके कारण कई घंटो तक बस वहीं रुकी रही। फिलहाल, कंडक्टर को निलंबित कर दिया गया है।

महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम के अधिकारियों ने शुक्रवार को इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना उस्मानाबाद में लातूर और कलांब के बीच गुरुवार सुबह हुई थी। यहां कंडक्टर ने कटगांव गांव में बस को रोका और उतर गया। इसके बाद एक घंटे से अधिक समय तक इंतजार करने के बाद बस में सवार करीबन 38 यात्रियों ने उसकी तलाश शुरू की। काफी मशक्कत के बाद वह शराब के साथ एक दुकान पर बैठा पाया गया।

एमएसआरटीसी उस्मानाबाद संभागीय यातायात नियंत्रक ने बताया कि आरोपी कंडक्टर के खिलाफ कार्रवाई की गई है। मेडिकल जांच के बाद उसे निलंबित कर दिया गया था। मेडिकल जांच में पता चला है कि कंडक्टर ने ड्यूटी के दौरान शराब का सेवन किया था।

क्या ओपीएस ने महा विकास अघाड़ी को दिलाई एमएलसी चुनाव में जीत? बीजेपी ने माना 'नाखुश थे वोटर'

मुंबई, 3 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विधान परिषद शिक्षक और स्नातक के चुनाव में विपक्ष की महाविकास अघाड़ी ने पांच से में तीन पर कब्जा किया है। ऐसे में इन नतीजों से माना जा रहा है कि पुरानी पेंशन स्कीम को लेकर महाविकास अघाड़ी जिस तरह से समर्थन में उतरा, उसे उसका लाभ मिला है। वहीं सत्ता पक्ष को ओपीएस को लागू न करने की मंशा ने नुकसान पहुंचाया है।

ओपीएस पर घोषणा नुकसानदायक साबित हुई:

दरअसल राज्य के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने राज्य की विधानसभा में इस स्कीम को वापस नहीं लाने की घोषणा की थी और वह सत्ता पक्ष के लिए महंगी साबित नजर आई है। बता दें कि राज्य में असंतोष को भांपते हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस, दोनों ने अपने पहले के रुख को बदल दिया और आश्वासन दिया कि सरकार की सोच ओपीएस को लेकर नकारात्मक नहीं है। हालांकि सत्ता पक्ष के रुख में भले ही बदलाव आया हो लेकिन भाजपा उम्मीदवारों के लिए बहुत देर हो चुकी थी।

'मतदाता पेंशन के मुद्दे से नाखुशः'

नतीजों को लेकर महाराष्ट्र भाजपा प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने स्वीकार किया, "हां, यह सच है कि 90 फीसदी मतदाता पेंशन के मुद्दे से नाखुश थे। लेकिन यह भी देखा जाना चाहिए कि यह 2005 में कांग्रेस और (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) की ही सरकार थी जिसने ओपीएस को वापस ले लिया था। यह हमारी सरकार की गलती नहीं थी। हम उन कारणों पर आत्मनिरीक्षण करेंगे जिनकी वजह से हमें हार का सामना करना पड़ा।" वहीं भाजपा के एक अन्य मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने भी कांग्रेस-राकांपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि अगर मतदाता नई पेंशन योजना (एनपीएस) से नाखुश थे तो उन्हें कांग्रेस-एनसीपी उम्मीदवारों के खिलाफ मतदान करना चाहिए था न कि बीजेपी के खिलाफ वोट करना चाहिए। मालूम हो कि विधानसभा के हाल ही में समाप्त हुए शीतकालीन सत्र में देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि सरकार ओपीएस को वापस नहीं लाएगी। इसे बहाल करने से सरकारी खजाने पर 1.10 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

वहीं जैसे ही गुरुवार (2 फरवरी) को नतीजे आने शुरू हुए तो महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने मौके का फायदा उठाते हुए कहा कि राहुल गांधी ने ओपीएस को वापस लाने का वादा किया था और मतदाता समझते हैं कि केवल कांग्रेस ही इसे लागू कर सकती है।

बता दें कि महाराष्ट्र में जिन एमएलसी सीटों पर चुनाव हुए, उनमें नासिक, नागपुर, औरंगाबाद, कोंकण और अमरावती शामिल है। इसमें नागपुर मंडल शिक्षक सीट पर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) उम्मीदवार सुधाकर अडबाले ने जीत दर्ज की।

आप मेयर प्रत्याशी शैली ओबेरॉय ने सुप्रीम कोर्ट से वापस ली अर्जी

सुनवाई से ठीक पहले क्यों उठाया कदम?

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली एमसीडी के मेयर चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी की मेयर पद की उम्मीदवार शैली ओबेरॉय ने सुप्रीम कोर्ट से अपनी याचिका वापस ले ली है। याचिका में शैली ओबेरॉय ने समयबद्ध तरीके से मेयर चुनाव कराने की मांग की थी। दिल्ली के उपराज्यपाल ने मेयर चुनाव के लिए 6 फरवरी को सदन की बैठक तय की है। इसके बाद याचिका वापस ले ली गई है।

सुनवाई के लिए राजी हुआ था सुप्रीम कोर्ट

27 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में शैली ओबेरॉय की ओर से याचिका दाखिल की गई थी। इस पर कोर्ट ने 3 फरवरी को सुनवाई की तारीख तय की थी। इससे पहले उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने 6 फरवरी को सदन की बैठक बुला ली है। इसमें मेयर पद को लेकर चुनाव किया जाएगा। उपराज्यपाल के फैसले के बाद याचिका वापस ले ली गई है। मेयर पद के साथ ही डिप्टी मेयर और 6 स्थाई समिति के सदस्यों का चुनाव भी उसी दिन किया जाएगा।

बता दें कि 24 जनवरी को सभी निर्वाचित और मनोनीत पार्षदों ने पीठासीन अधिकारी की ओर से शपथ ग्रहण पूरा कर लिया था। इसके बाद हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही एक बार फिर स्थगित कर दी गई।

मेयर पद का चुनाव टलने के बाद आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी शैली ओबेरॉय ने इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम इस मामले की सुनवाई के लिए राजी हो गया था।

कैप्टन अमरिंदर की सांसद पत्नी को कांग्रेस ने सस्पेंड किया

पार्टी विरोधी गतिविधियों की शिकायत पर कार्रवाई

अमृतसर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब के पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह की पत्नी और पटियाला की सांसद परनीत कौर को कांग्रेस ने सस्पेंड कर दिया है। परनीत कौर पर यह कार्रवाई भाजपा के साथ मिलकर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने पर की गई।

कैप्टन पहले ही बीजेपी जॉइन कर चुके हैं। पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने परनीत कौर पर पार्टी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाते हुए पार्टी हाईकमान को शिकायत भेजी थी। इसी शिकायत के आधार पर कांग्रेस की डिसिप्लिनरी एक्शन कमेटी के मेंबर सेक्रेटरी तारीक अनवर ने परनीत कौर को सस्पेंड करने संबंधी लैटर जारी किया। पत्र में परनीत कौर को पक्ष रखने के लिए तीन दिन का समय दिया गया है। कैप्टन अमरिंदर सिंह की पत्नी परनीत कौर चौथी बार लोकसभा सदस्य बनी हैं। उन्होंने अपना पहला चुनाव वर्ष 1999 में पटियाला सीट से लड़ा और जीत दर्ज की। 2004 और 2009 के लोकसभा चुनाव में वह पटियाला से जीतीं। इस दौरान वह मनमोहन सिंह सरकार में केंद्रीय मंत्री भी रहीं।

वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में परनीत कौर आम आदमी पार्टी के धर्मवीर गांधी से हार गईं। वर्ष 2021 में नवजोत सिद्धू की वजह से कैप्टन अमरिंदर सिंह और कांग्रेस हाईकमान के रिश्तों में खटास आ गई। कांग्रेस हाईकमान ने जुलाई 2021 में सिद्धू को पंजाब इकाई का प्रधान बनाया और सितंबर 2021 में कैप्टन से सीएम पद से इस्तीफा मांग लिया।

2021 में कैप्टन ने अपनी पार्टी बनाई, 2022 में बीजेपी में विलय कैप्टन अमरिंदर ने 18 सितंबर 2021 को पंजाब के सीएम पद से इस्तीफा देने के साथ ही कांग्रेस भी छोड़ दी। उन्होंने 2 नवंबर 2021 को पंजाब लोक कांग्रेस नाम से अपनी पार्टी बना ली। कैप्टन ने फरवरी-2022 में हुआ पंजाब विधानसभा का चुनाव बीजेपी के साथ मिलकर लड़ा लेकिन बुरी तरह हार गए। इसके बाद 19 सितंबर 2022 को कैप्टन ने अपनी पार्टी का बीजेपी में विलय कर दिया और खुद भी भाजपा में शामिल हो गए।

नबा दास हत्याकांड पर ओडिशा के डीजीपी ने कहा- 'जांच में और समय लगेगा'

भुवनेश्वर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के स्वास्थ्य मंत्री नबा दास की हत्या पर चुप्पी तोड़ते हुए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सुनील बंसल ने शुक्रवार को कहा कि जांच में कुछ और समय लगेगा और किसी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। बंसल ने मीडियाकर्मियों को जानकारी देते हुए कहा, 29 जनवरी को बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद घटना हुई। हम सभी सदमे की स्थिति में हैं। हम अभी भी सोच रहे हैं कि यह घटना कैसे हुई। क्या इसे रोका जा सकता था? घटना के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, कई बार कुछ घटनाएं ऐसी भी हो जाती हैं जिनके बारे में किसी ने कभी सोचा भी नहीं होता। भगवान जगन्नाथ को छोड़कर कोई सोच भी नहीं सकता कि ऐसी घटना हो सकती है। यह एक ऐसी घटना है।

सुषमा स्वराज को याद कर क्यों भावुक हुए सीएम चौहान

भवन में ठहरने की क्या होगी पात्रता

भोपाल, 3 फरवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान दिवंगत पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज को याद कर भावुक हो गए। सीएम चौहान ने एक समारोह में दोनों हाथ जोड़कर उन्हें धन्यवाद कहा और अपनी विनम्र श्रद्धांजलि भी अर्पित की। दरअसल, सीएम गुरुवार को नई दिल्ली में चाणक्यपुरी स्थित नए मध्यप्रदेश भवन का लोकार्पण करने आए थे। कार्यक्रम में पूर्व विदेश मंत्री का जिक्र करते हुए सीएम चौहान भावुक हो गए। मुख्यमंत्री चौहान ने समारोह में कहा, इस नवनिर्मित मध्यप्रदेश भवन के निर्माण के पीछे पूर्व उपराष्ट्रपति और तत्कालीन केंद्रीय शहरी विकास मंत्री वेंकैया नायडू और पूर्व विदेश मंत्री स्व. श्रीमती सुषमा स्वराज का अहम योगदान है। जब हमें नए मध्यप्रदेश भवन के लिए दिल्ली के चाणक्यपुरी क्षेत्र में भूमि की आवश्यकता थी, तब शहरी विकास मंत्री वेंकैया नायडू थे। मैं और मेरे अफसरों की टीम जब वेंकैया जी के पास जमीन की मांग के लिए गए, तो उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में जमीन तो है, लेकिन वह विदेश मंत्रालय के अधीन है।

उनके साथ तालमेल और अनुमति के बाद ही ज़मीन पर कुछ निर्णय हो सकेगा। इसके बाद मैं और सभी अफ़सर दिवंगत तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा जी के पास गए। हमने उनसे निवेदन किया कि मध्यप्रदेश के लिए दिल्ली में एक अच्छे भवन का निर्माण करना है। हमें चाणक्यपुरी क्षेत्र में जमींन की आवश्यकता है। उपलब्ध जमीन की जानकारी और उलझनें उनके साथ साझा की। हमारे आग्रह के बाद उन्होंने जमीन उपलब्ध करवाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। चाणक्यपुरी जैसे इस इलाके में नए भवन के लिए ज़मीन लेना बहुत कठिन काम था। मैं और मेरे अफ़सर नए भवन की ज़मीन को लेकर रोज फालोअप करते थे। हर बार सुषमा जी भवन के लिए जमीन कैसे मिल सके, इसके लिए वे भी तत्पर रहती थीं।

विधानसभा चुनाव में पार्टी जीतेगी 136 सीटें : कर्नाटक कांग्रेस

बेंगलुरु, 3 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक कांग्रेस ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में आसानी से 136 सीटें जीत लेगी। इस बीच, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके. शिवकुमार और विपक्ष के नेता सिद्दारमैया ने राज्य के दक्षिणी और उत्तरी क्षेत्रों से अलग-अलग बस यात्रा शुरू की। पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा, 50 दिनों के बाद भाजपा सरकार नहीं रहने वाली है। कांग्रेस सरकार 50 दिनों के बाद राज्य में सत्ता में आ रही है। उन्होंने कहा, हमने सभी निर्वाचन क्षेत्रों में दो या तीन बार सर्वेक्षण किया है। लोगों की प्रतिक्रिया अच्छी है। हम आराम से 136 सीटें जीतेंगे। उन्होंने आगे कहा कि विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप देने के लिए बैठक बिना किसी आपत्ति या नेताओं के असंतोष के सुचारू रूप से आयोजित की गई। सिद्दारमैया ने कर्नाटक के लिए अब तक 13 बजट पेश किए हैं। उन्होंने कहा, मैं 16 साल से सरकार का हिस्सा हूं। राज्य में परिवार की प्रत्येक महिला मुखिया और अन्य को 2,000 रुपए देने के अपने वादे को पूरा करने लिए हमारे पास धन सृजन का आइडिया है।

अगरतला में बोले जेपी नड्डा-नौ साल में मजबूत राष्ट्र बना भारत! लेफ्ट ने जारी किया घोषणा पत्र

अगरतला, 3 फरवरी (एजेंसियां)। त्रिपुरा में विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने पूरी तरह से कमर कस ली है। जीत के लिए भाजपा ने अपने वरिष्ठ नेताओं, केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को मैदान में उतारना शुरू कर दिया है। इसकी शुरुआत शुक्रवार को हो गई। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आज अगरतला में विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान जेपी नड्डा ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने त्रिपुरा की तकदीर और तस्वीर बदल दी है। इस रैली में भारी संख्या में आपका जुटना ये संदेश दे रहा है कि त्रिपुरा विकास के पथ पर आगे बढ़ चुका है और अब ये नहीं रुकेगा।

जेपी नड्डा ने कहा कि नौ साल पहले भारत कैसा था? घुटने टेकने वाला भारत था, फैसला नहीं लेने वाला भारत था, भ्रष्टाचारी देशों में शामिल था। आए दिन भ्रष्टाचार हुआ करते थे लेकिन पिछले नौ साल में ये आकांक्षाओं का भारत बन गया है। भारत अब दुनिया में खुद को स्थापित करते हुए मजबूत राष्ट्र दिखता है। जेपी नड्डा ने त्रिपुरा के गोमती में एक पार्टी कार्यकर्ता के आवास पर दोपहर का भोजन किया।

बता दें कि शुक्रवार को भाजपा प्रदेशभर में करीब 31 जनसभाएं आयोजित कर रही है। दो रैलियों को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा संबोधित कर रहे हैं। इसके साथ ही आगामी दिनों में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी त्रिपुरा आएंगे। शुक्रवार को ही असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा तीन, वरिष्ठ भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती तीन, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी दो, प्रतिमा भौमिक दो, बंगाल भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु दो, केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर दो, सांसद रेवती त्रिपुरा दो, वरिष्ठ भाजपा नेता समीर ओरांग दो, बंगाल से भाजपा सांसद लॉकेट चटर्जी तीन, त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद बिप्लव कुमार देव दो और बंगाल से भाजपा सांसद दीलिप घोष दो रैलियों को संबोधित करेंगे। इसके अलावा भी त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष राजीव भट्टाचार्य भी रैलियों को संबोधित करेंगे।

लेफ्ट फ्रंट ने जारी किया घोषणा पत्र

त्रिपुरा में विपक्षी लेफ्ट पार्टी ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। इस घोषणा पत्र में ढाई लाख नई नौकरियों का वादा किया गया है, साथ ही पुरानी पेंशन योजना को लागू करने की बात भी कही गई है। सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले लेफ्ट फ्रंट ने शुक्रवार को अपना घोषणा पत्र जारी किया। जिसमें उक्त घोषणाओं के साथ ही सरकारी कर्मचारियों को हर साल दो डीए बढोतरी देने का वादा भी किया है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 4 फरवरी- 2023

कैसे लगेगी कैंसर पर लगाम

निरंकार सिंह

कोरोनावायरस काल में कैंसर, टीबी और हृदयाघात जैसी बीमारियों के आंकड़े सामने नहीं आए थे। अब कैंसर के मामलों के जो ताजे आंकड़े जारी किए गए हैं, वे देश की भयावह स्थिति को दर्शाते हैं। खुद केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने भी कुछ ही दिन पहले राज्यसभा में आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि 2020 और 2022 के बीच देश में कैंसर के अनुमानित मामले और इसके कारण होने वाली मृत्यु दर में वृद्धि हुई है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के अनुसार, 2020 में विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा भारत में कैंसर के मामलों की अनुमानित संख्या 13,92,179 थी और यह 2021 में बढ़कर 14,26,447 और 2022 में 14,61,427 हो गई। भारत में कैंसर के कारण अनुमानित मृत्यु दर 2020 में 7,70,230 थी और यह 2021 में बढ़कर 7,89,202 और 2022 में 8,08,558 हो गई।डबल्यूएचओ के एक अनुमान के मुताबिक, 2018 में कैंसर से कुल 96 लाख मौतें हुईं थीं। इनमें से 70 फीसदी मौतें गरीब देश या भारत जैसे मिडिल इंकम याले देशों में हुईं। इसी रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में कैंसर से 7.84 लाख मौतें हुईं। यानी कैंसर से हुईं कुल मौतों की 8 फीसदी मौतें अकेले भारत में हुईं। एक सवाल के जवाब में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग राज्यों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और आघात रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस) के तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। कैंसर एनपीसीडीसीएस का अभिन्न हिस्सा है और यह कार्यक्रम बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य संवर्धन और कैंसर की रोकथाम के लिए जागरूकता पैदा करने, उसके शीघ्र निदान, प्रबंधन और कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के इलाज के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने पर केंद्रित है। एनपीसीडीसीएस के तहत, 707 जिला एनसीडी केंद्र, 268 जिला देखभाल केंद्र और 5,541 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए गए हैं। एनएचएम के तहत और व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के एक हिस्से के रूप में सामान्य गैर-संचारी रोगों, यानी मधुमेह, उच्च रक्तचाप और सामान्य कैंसर की रोकथाम, नियंत्रण और जांच के लिए जनसंख्या आधारित पहल भी शुरू की गई है। इस पहल के तहत, 30 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों को तीन सामान्य कैंसर - मुख, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के लिए उनकी जांच के लिए लक्षित किया गया है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और दवाओं ने कई असाध्य रोगों पर विजय प्राप्त कर ली है और कुछ को रोक दिया है। लेकिन खतरनाक कैंसर सभी चिकित्सा विधियों को चकमा देकर आगे बढ़ने वाला रोग साबित हुआ है। पिछले 20 सालों में दुनिया भर में कैंसर के मरीजों की संख्या दोगुंनी हो गयी है। पंजाब, हरियाणा, हिमाचल, और चंडीगढ़ में कैंसर के रोगियों की संख्या बढ़ी है। पंजाब में कैंसर के मामले 2018 में 36801, 2019 में 37744 और 2020 में बढ़कर 38636 हो गए। हरियाणा में 2018 में 27665, 2019 में 28453 और 2020 में 29219 कैंसर के मामले पाए गए। हिमाचल में 2018 में 8012, 2019, 8589 और 2020 में 8777 मामले पाए गए। चंडीगढ़ में 2018 में 966, 2019 में 994 2020 में 1024 मामले पाए गए। मौजूदा समय में पंजाब में 1 लाख लोगों पर 90 मरीज कैंसर से पीड़ित हैं। पिछले 7 सालों की बात करें तो हर साल औसतन 7586 नए मामले आये हैं। भले ही सरकार कैंसर पीड़ितों के इलाज पर करोड़ों रुपए खर्च करने का दावा कर रही है। लेकिन जागरूकता की कमी के चलते इसकी कहानी उल्टी है। आज भी कई महिलाएं शर्म और डर के कारण बीमारी बताने को तैयार नहीं हैं। डॉक्टर बताते हैं कि यहां कैंसर का इलाज करवाने वाले मानते हैं कि कैंसर पीढ़ी दर पीढ़ी होने वाली बीमारी है जबकि मेडिकल साइंस में सिर्फ 5 फीसदी कैंसर हैं जो मां बाप से आगे बच्चों को होता है। पंजाब में कैंसर की उच्च घटनाओं के लिए कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग को एक कारण के रूप में उद्धृत किया गया है। एक ट्रिकल-डाउन प्रभाव पूरे देश में महसूस किया जा सकता है। दक्षिण-पश्चिमी पंजाब के कपास उगाने वाले जिलों में कैंसर की असामान्य रूप से उच्च घटनाएं हैं, जो अन्य कारकों के साथ कीटनाशकों के उपयोग से जुड़ी हुई हैं। दुनिया भर के देशों में कैंसर के खिलाफ जंग जारी है। लेकिन जिस तेजी से चिकित्सा के उपाय खोजे जा रहे हैं उससे अधिक तेजी से इसका प्रसार हो रहा है। भारत में वैकल्पिक चिकित्सा के क्षेत्र में कई दशकों से काम करने वाली एक अग्रणी संस्था डीएस रिसर्च सेंटर के वैज्ञानिकों ने खाद्य पदार्थों की पोषक ऊर्जा से कैंसर की औषधि तैयार की है। शुरू में इसका परीक्षण कैंसर के कई मरणासन्न रोगियों पर किया गया। इन रोगियों में कई स्वस्थ होकर आज भी जीवित हैं। कई रोगियों में आशाजनक सुधार हुआ जिसकी पुष्टि उनकी जांच रिपोर्टों से साबित हुई। हाल ही में इस औषधि का परीक्षण कोलकाता के जाधवपुर विश्वविद्यालय के नैदानिक अनुसंधान केन्द्र (सीआरसी) ने भी किया। सीआरसी के निदेशक डा. टी.के. चटर्जी के अनुसार- 'डीएस रिसर्च सेंटर कोलकाता की पोषक ऊर्जा से तैयार की गई औषधि के पशुओं पर किये गये परीक्षण के परिणाम उत्साहजनक पाये गये हैं। यदि पशुओं के शरीर पर सर्वपिष्टी के प्रयोग किये जाने के बाद सीआरसी ने उत्साहजनक परिणाम प्राप्त किये हैं तो ऐसे ही परिणाम इसे मानव शरीर पर प्रयोग करने से भी प्राप्त किये जा सकते हैं, जो कैंसर उपचार के इतिहास में युगान्तकारी घटना होगी। सीआरसी विभिन्न रोगों के लिए दवाइयों का नैदानिक परीक्षण करता है। इसी सिलसिले में उन्होंने सर्वपिष्टी का भी नैदानिक परीक्षण किया था। किसी दवाई की प्रभावकारिता का स्तर सुनिश्चित करने के लिए सामान्यतः दो प्रकार का परीक्षण किया जाता है- पहला, औषधीय (फार्माकोलॉजिकल) परीक्षण और दूसरा विष विद्या सम्बन्धी (टोक्सीकोलॉजिकल) परीक्षण। ये परीक्षण आयातित सफेद चूहों पर किये गये। पशु शरीर में कैंसर कोशिकाओं को प्रविष्ट कराया गया और जब ट्यूमर निर्मित हो गया तब हमने दवा देना शुरू किया। 'पोषक ऊर्जा' के परीक्षण की स्थिति में 14 दिनों बाद जो प्रतिक्रियायें देखी गयी उनमें कोशिकाओं की संख्या स्पष्ट रूप से कम होना शुरू हो गई थी। पशु शरीर में कोई अल्सर पैदा नहीं हुआ। टयूमर विकास दर 46 प्रतिशत तक कम हो गई थी और दवा की विषाक्तता लगभग शून्य थी। ऐसे सकारात्मक परिणाम हाल के समय में नहीं देखे गये थे। इस औषधि में कैंसर को रोकने और उससे लड़ने की अपरिमित संभावनाएं हैं। डा. चटर्जी के परीक्षण से यह साबित हो गया है कि यह औषधि कैंसर रोगियों के लिए बहुत कारगर है। आधुनिक चिकित्सा के साथ-साथ इसका उपयोग भी कैंसर रोगियों के उपचार में कारगर पाया गया है। पर यह अभी बाजार में उपलब्ध नहीं है। इस औषधि का विकास डी.एस. रिसर्च सेंटर के डा. उमाशंकर तिवारी और प्रोफेसर शिवाशंकर त्रिवेदी ने किया था।

लेकिन दोनों वैज्ञानिक इस समय जीवित नहीं हैं। उन्होने डब्ल्यूएचओ और भारत सरकार से अपनी औषधि के परिणामों की जांच पड़ताल कराकर चिकित्सा की वर्तमान धारा में सम्मिलित किये जाने की मांग की थी ताकि लाखों कैंसर रोगियों की जान बचायी जा सके। पर ऐसा लगता है कि डब्ल्यूएचओ उन बहुराष्ट्रीय दवा कम्पनियों के दबाव में है जो यह नहीं चाहती हैं कि बाजार में कोई ऐसी सस्ती दवा आये जो कैंसर का नामोनिशान मिटा दे क्योंकि इससे उनके व्यापारिक हितों पर चोट पहुँचेगी।

घाटी में नहीं घटी दहशतगर्दी

जम्मू-कश्मीर में बढ़ रही दहशतगर्दी पर अंकुश लगाने के लिए ही सरकार ने वहां अनुच्छेद 370 समाप्त कर उसे सुरक्षित करने का दावा किया था लेकिन देखने में यही आ रहा है कि सुरक्षाबलों की लाख चौकसी के बाद भी आतंकी घटनाएं वहां कम नहीं हुई हैं। केंद्र सरकार ने जब विशेष राज्य का दर्जा वहां से हटाया था तो उम्मीद की जा रही थी कि अब फोर्स की ताकत बढ़ने से दहशतगर्दों के हौसले पस्त हो जाएंगे। इससे घाटी में अमन चैन की बहाली होगी। लेकिन देखने में यह आ रहा है कि आतंकी आज भी आए दिन अपनी साजिशों को अंजाम दे रहे हैं। देखा जाए तो उनकी सक्रियता में कोई कमी नहीं आई है। यह जरूर हो रहा है कि वे निरपराध लोगों को मारने के लिए अपने तरीके बदल लिए हैं। पिछले कुछ समय से वे जिस तरह से लक्षित हिंसा कर रहे हैं वह चिंता की बात अवश्य है। अब वे कुछ ऐसे नए तरीके आजमाते देखे जा रहे हैं, जो अब तक इस्तेमाल नहीं किए गए थे। जम्मू पुलिस द्वारा लश्कर से जुड़े एक आतंकी के पास से परफ्यूम की बोतल में भरे ताकतवर विस्फोटक (आइईडी) बरामद किया जाना इसी का ताजा उदाहरण है। वहां के डीजीपी दिलबाग सिंह ने बताया कि कि इस तरह का विस्फोटक ज्यादा घातक और ताकतवर होता है। गिरफ्तार आतंकी ने पिछले महीने नरवाल में ऐसे ही विस्फोटक लगाए थे, जिसमें नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके पहले भी वह कई ऐसी घटनाओं को अंजाम दे चुका है। इससे एक दिन पहले तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया गया, जो किसी बड़ी साजिश को अंजाम देने की साजिश में थे। ऐसे में फिर सवाल लाजिमी है कि आखिर कैसे घाटी में आतंकियों की मौजूदगी बनी हुई है और उन्हें कहां से ऐसे खतरनाक साजो-सामान मिल रहे हैं। यह सब तब हो रहा है जब कदम दर कदम फोर्स की तैनाती है। फिर भी यह कहने में गुरेज नहीं कि पिछले आठ-नौ सालों में आतंकवादी संगठनों की गतिविधियों पर काफी लगाम कसी है। घर-घर तलाशी अभियान चलाने, आतंकियों को वित्तपोषण करने वाले संगठनों और व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें सलाखों के पीछे डालने और लगातार निगरानी बनाए रखने की वजह से उन्हें पकड़ना, उनकी साजिशों का पता लगाना काफी आसान हुआ है। फिर भी आतंकी संगठनों की गतिविधियों को पूरी तरह रोक पाना मुश्किल बना हुआ है। आतंकी संगठनों का समर्थन और उसका खर्चा-पानी चलाने वाले संगठनों और व्यक्ति की पहचान कर उनके बैंक खाते आदि बंद किए जा चुके हैं। सीमा पार से तिजारत बंद होने की वजह से उन्हें सड़क मार्ग से हथियार और गोला-बारूद वगैरह पहुंचाना मुश्किल हो गया है। लगातार उन पर चौकसी रखी जा रही है। अत्याधुनिक सूचना उपकरणों से उनकी साजिशों का पर्दाफाश आए दिन की जा रही है। बुरहान वानी को मारे जाने के बाद इलेक्ट्रानिक माध्यमों से सूचनाओं के प्रसार पर भी कड़ाई से रोक लगा दी गई थी। फिर भी ये आतंकी अपनी साजिशों को अंजाम देने में कैसे कामयाब हो पा रहे हैं, यह खोज का विषय है। विशेष दर्जा समाप्त होने के बाद लंबे समय तक घाटी में कर्फ्यू जैसा माहौल रहा। सुरक्षा कर्मियों की तादाद पहले से कहीं अधिक बढ़ा दी गई थी। पिछले साल सरकार ने दावा किया था कि इसके चलते घाटी में आतंकी संगठनों में युवाओं की नई भर्ती पर लगाम लगी है। जबकि जमीनी हकीकत यह है कि घाटी के नौजवान लगातार सीमा पार सक्रिय आतंकी संगठनों के संपर्क में बने रहते हैं और उनके इशारे पर साजिशों को अंजाम देते रहते हैं। ताजा घटनाओं में गिरफ्तार आतंकी भी स्थानीय हैं, घुसपैठ कर सीमा पार से नहीं आए हैं। जाहिर है कि घाटी में युवाओं को गुमराह कर हाथ में हथियार उठाने को तैयार करने में आतंकवादी संगठन अब भी कामयाब हो रहे हैं। उनसे आजिज आ चुके हिंदू लडके भी अपनी पुरानी रायफल की नली साफ करने पर उतारू दिखने लगे हैं। ऐसे में जब तक स्थानीय लोगों में दहशतगर्दों के प्रति असहयोग का भाव पैदा नहीं होगा, ऐसी घटनाओं पर विराम लगाना कठिन बना रहेगा।

आत्म निर्भर भारत,विज्ञान के उपकरणों का बड़ा निर्यातक

संजीव ठाकुर

भारत वैश्विक स्तर पर युद्ध के शस्त्रों का बड़ा निर्यातक देश होने जा रहा है। रक्षा विश्लेषकों का कहना है कि भारत विश्व के लगभग 80 देशों को सामरिक अस्त्र भेजने की तैयारी में है ।पहले भारत दूसरे देशों के अस्त्र तथा शास्त्र का बड़ा खरीददार हुआ करता था।पूर्व में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस तथा इसराइल जैसे देशों से रक्षा उपकरणों की खरीदी कर अपने सैन्य बल को मजबूत रखने की कोशिश करता था।यहां तक कि भारत के रक्षा सौदा परंपरागत दुश्मन,चीन से भी कई बार हुए हैं। किंतु चीन की प्राथमिकता हमेशा पाकिस्तान ही रही है।

ऐसे में भारत ने यूरोपीय देशों पर ज्यादा भरोसा कर यूरोप तथा अमेरिका, इसके अलावा रूस से भी रक्षा सौदे किए एवं बड़ी मात्रा में लड़ाकू विमान तथा टैंक खरीदता रहा है।पर धीरे-धीरे हिंदुस्तान ने आत्मनिर्भरता हासिल करने का प्रयास किया और भारत की रक्षा एजेंसी डी.आर.डी.ओ.यानी (डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन)ने अनथक प्रयास कर, भारत को रक्षा उपकरणों का निर्यातक देश बनाने का काम किया है, उदाहरण के तौर पर भारत कई देशों में अपने महत्वपूर्ण मिसाइल ब्रम्होस मिसाइल निर्यात करने की स्थिति में आ गया है। उनमें महत्वपूर्ण देश इंडोनेशिया, फिलीपींस, वियतनाम तथा अन्य देश शामिल हैं। इन्हें वह उपरोक्त मिसाइल निर्यात शीघ्रता शीघ्र करेगा। वैसे तो भारत ने कूटनीति के तहत अमेरिका, इजराइल,फ्रांस, ब्रिटेन, रूस के साथ अन्य यूरोपीय देशों से अरबों रुपए के सामरिक सौदे किए हैं। इनके अलावा सऊदी अरब संयुक्त अरब,अमीरात तथा दक्षिण अफ्रीका के देश शामिल हैं। भारत ने रूस के साथ समझौता कर कई युद्ध के उपकरणों को बनाने में भारी सफलता पाई है, उनमें से प्रमुख 290 किलोमीटर रेंज वाली ब्रह्मोस मिसाइल अत्याधुनिक मिसाइलों में गिनी जाती है। एवं निकट भविष्य में इसका निर्यात रूस की सहमति के साथ फिलिपिंस को किया जाना है।यह मिसाइल एक क्रूज मिसाइल है, जिसको थल,वायु जल सेना में एक साथ उपयोग किया जा सकता है,इसके निर्यात के साथ ही भारत शस्त्र का बड़ा निर्यातक देश बनने की दिशा में कदम रखेगा, एवं बड़ा निर्यातक देश बन जाएगा। इसी तरह आकाश मिसाइल भी बड़ी मारक मिसाइल है जो हवा में 25 किलोमीटर रेंज में मारक क्षमता रखता है, एवम इस रेंज में आए किसी भी हवाई जहाज अथवा ड्रोन जहाज को नष्ट करने की क्षमता रखता है। विश्लेषकों के अनुसार दक्षिण पूर्व एशियाई के देशों जैसे बहरीन,सऊदी अरब, मिश्र,अल्जीरिया,संयुक्त अरब अमीरात,भी इसको खरीदने की योजना बना रहे हैं। भारत की रक्षा उपकरणों के बनाने में धीरे-धीरे आत्मनिर्भरता बढ़ती जा रही है, इसके पहले भारत अमेरिका तथा फ्रांस से सऊदी अरब के बाद सबसे बड़ा आयात करने वाला देश रहा है। किंतु 1998 के बाद से रूस के साथ सुरक्षा उपकरण बनाने की सैन्य संधि के बाद भारत में अनेक टैंक मिसाइल तथा लड़ाकू विमान बनाना शुरू कर बड़ी सफलता प्राप्त की है। भारत पहले परंपरागत अमेरिका तथा रूस से ही रक्षा उपकरण आयात किया करता था।

ब्रिटेन -कभी भारत पर करता था राज, अब खुद बदहाल

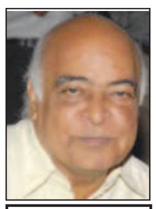

अशोक भाटिया

यह विधाता का ही खेल कहा जा सकता है कि कभी जिस देश ने भारत पर लंबे समय तक राज किया। आज उस देश की अर्थव्यवस्था बुरे दौर से गुजर रही है। हम बात कर रहे हैं ब्रिटेन की। हालांकि, अंग्रेजी हुकूमत से आजादी मिलने बाद जहां सात दशकों में ही भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती इकोनॉमी बनकर उभर रहा है, तो वहीं ब्रिटिश अर्थव्यवस्था में 300 साल की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की जा रही है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन ने पिछले 2 वर्षों से उत्पादन में सबसे बड़ी गिरावट देखी जा रही हैं , जबकि यूके समेत पूरी दुनिया में कोरोना महामारी का प्रकोप जारी था। हाल ही में एक आधिकारिक आंकड़ों में सामने आया कि विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक ब्रिटेन पर महामारी का बड़ा असर हुआ। जिसके चलते देश की जीडीपी अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कहीं ज्यादा बदहाल नजर आई। ऑफिस फॉर नेशनल स्टैटिस्टिक्स ने आंकड़े जारी करते हुए कहा कि साल 2020 में ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद में 11 फीसदी की बड़ी गिरावट आई। यह आंकड़ा ONS द्वारा जताए गए पूर्वानुमानों की तुलना में बहुत ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 1709 के बाद से देश की जीडीपी में यह सबसे बड़ी गिरावट रही।अब इसके उससे कहीं ज्यादा गंभीर होने का अंदेशा जताया जा रहा है, जैसा पहले सोचा गया था। इस बारे में मार्केट एनालिसिस करने वाली एजेंसियां अपने अनुमानों को अब नए सिरे से पेश कर रही हैं। इस सिलसिले में सबसे ताजा अनुमान अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्श ने सामने रखा है।गोल्डमैन सैक्श ने ब्रिटेन की आर्थिक संभावना का अनुमान गिरा दिया है। इसमें कहा गया है कि अगले वर्ष ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था एक फीसदी सिकुड़ेगी। इसके पहले ब्रिटिश अर्थव्यवस्था में 0.4 फीसदी गिरावट का अनुमान इस बैंक ने लगाया था। अब यह साफ है कि ब्रिटेन की लिज ट्रस सरकार की आर्थिक नीतियां देश को बहुत भारी पड़ रही थी । ट्रस ने सत्ता संभालते ही कॉरपोरेट टैक्स में कटौती का एलान किया था। उसके साथ निजी आय कर में भी छूट देने की घोषणा हुई थी। लेकिन ट्रस सरकार ने यह नहीं बताया कि इन कटौतियों से सरकारी खजाने को जो नुकसान होगा, उसकी भरपाई कैसे की जाएगी। इससे ब्रिटेन का बॉन्ड बाजार ढहने के करीब पहुंच गया। उससे फैली अफरा-तफरी के बीच ट्रस ने यू-टर्न लेते हुए तमाम रियायतों को वापस ले लिया। उन्होंने अफरा-तफरी का दोष अपने वित्त मंत्री क्वासी क्वार्तेंग पर मढ़ते हुए उन्हें बर्खास्त कर दिया था । लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि उससे ट्रस सरकार में बाजार का भरोसा और घटा । गोल्डमैन सैक्श की रिपोर्ट में भी ये बात झलकी है। उसने कहा है कि ब्रिटेन की आर्थिक वृद्धि दर ज्यादा कमजोर हो गई है, देश की वित्तीय स्थिति बिगड़ गई है और अब कॉरपोरेट टैक्स में अगले अप्रैल से प्रस्तावित 25 फीसदी की वृद्धि ने ऐसी स्थिति बना दी है, जिसमें ब्रिटिश अर्थव्यवस्था के प्रति नजरिया नकारात्मक हो गया है।ड्यूश बैंक और बार्कलेज बैंक ने अनुमान लगाया है कि ब्रिटिश सेंट्रल बैंक- बैंक ऑफ इंग्लैंड नवंबर में होने वाली अपनी अगली बैठक में ब्याज दर में 0.75 फीसदी की बढ़ोतरी करेगा। इससे आर्थिक विकास की संभावना और कमजोर होगी। गोल्डमैन सैक्श का अनुमान है कि ब्रिटेन में ब्याज दर 4.75 फीसदी तक पहुंच जाएंगी।मैनेजमेंट कंसल्टिंग फर्म डिलॉइट ने एक बिजनेस सर्वे रिपोर्ट जारी की है, जिसमें ज्यादातर कंपनी अधिकारियों ने कहा कि ऊंची ब्याज दरों के बीच देश का मंदी से निकलना ज्यादा मुश्किल होता जा रहा है। आज देश में कर्ज लेना 2010 से भी ज्यादा महंगा हो गया है। इसलिए कंपनियां निवेश बढ़ाने की स्थिति में नहीं हैं। डिलॉइट के सर्वे में यह भी सामने आया कि ब्रिटेन की ज्यादातर कंपनियों का अनुमान है कि अगले एक साल में उनकी कमाई घटेगी। इसकी वजह लागत खर्च में हुई बढ़ोतरी है।डिलॉइट के मुख्य अर्थशास्त्री इयन स्टीवर्ट ने ब्रिटिश अखबार द गार्जियन से बातचीत में कहा कि लागत में बढ़ोतरी और ब्याज दर ऊंची होने की वजह से कंपनियों को अपनी निवेश नीति में बदलाव लाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा- 12 साल तक आसान शर्तों पर कर्ज मिलने का चला दौर अब खत्म हो रहा है, इसकी वजह से कंपनियों लागत और ऋण दोनों के बारे में नए सिरे से रणनीति बनानी पड़ रही है। आज जो ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था बुरे दौर से गुजर रही है उसके कारण ब्रिटेन में वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर लगभग 5 लाख शिक्षक, विश्वविद्यालय के कर्मचारी, रेलवे कर्मचारी और सिविल सेवक हड़ताल पर चले गए हैं। पूरे देश में परिस्थितियों ने हाल के भारतीय मूल के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के लिए चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। इस हड़ताल को दशक की सबसे बड़ी हड़ताल कहा गया है। लंदन में हजारों लोग जगह-जगह प्रदर्शन कर रहे हैं। इनका कहना है कि मौजूदा वेतन जीवन-यापन करने की लागत के हिसाब से पर्याप्त नहीं है। महंगाई आसमान को छू रही है। जिन लोगों को पिछले वर्ष 5 प्रतिशत से कम की वेतन वृद्धि का फायदा मिला था, उन्हें बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि मुद्रास्फीति 10 प्रतिशत से ऊपर चढ़ गई है। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की सरकार पर देश में वेतन पर अधिक उदार प्रस्ताव बनाकर सार्वजनिक क्षेत्र के श्रमिकों के साथ विवादों को हल करने का दबाव बढ़ रहा है। भले ही सरकार हड़तालियों से बातचीत कर रही है, लेकिन महंगाई नियंत्रित होने तक वेतन वृद्धि मुश्किल दिखाई देती है। गौरतलब है कि ब्रिटेन में पिछले साल हुए चुनाव में ऋषि सुनक हार कर जीतने वाले बाजीगर साबित हुए थे। प्रधानमंत्री की कुर्सी हासिल करके उन्होंने देश को आर्थिक संकट से निकालने का संकल्प लिया था लेकिन नया साल शुरू होते ही उनके सामने चुनौतियां ही चुनौतियां खड़ी हो गईं। अब जब कि देश की अर्थव्यवस्था संकट में है और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी इस साल मंदी के संकेत दिए हैं। इससे देश को उबारना सुनक सरकार के लिए बड़ा टास्क होगा। पिछले कुछ वर्षों से ब्रिटेन आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है। 6 वर्षों में 5 प्रधानमंत्री बने हैं। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्रियों बोरिस जॉनसन और लिज ट्रस के कार्यकाल में कीमतें आसमान को छूने लगी। जीवन यापन का खर्च बढ़ता गया। प्रधानमंत्री लिज ट्रस की आर्थिक नीतियां विफल रहीं। लिज ट्रस के टैक्स कटौती के फैसले से न सिर्फ पाउंड बल्कि बांड मार्किट प्रभावित हुई और ब्याज दरों में बढ़ौतरी होती गई।

अब वहां हालात यह है कि शिक्षकों के हड़ताल पर जाने से 23 हजार स्कूलों में शैक्षणिक गतिविधियां ठप्प हैं। 85 प्रतिशत स्कूल पूरी तरह या आंशिक रूप से बंद हैं जिससे चाइल्ड केयर को लेकर कामकाजी माता-पिता प्रभावित हो रहे हैं।

बजट के किस्से

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

विपक्ष – अध्यक्ष महोदय इस बजट में तोप खरीदने के लिए सत्ता पक्ष बजट आबंटित करने से चूक गयी है। हम बजट का बहिष्कार करते हैं। सत्ता पक्ष- पिछली बार तो किया था। तब आप लोगों ने ही कहा था कि स्वास्थ्य के लिए बजट आबंटित कीजिए। इसलिए इस बार हमने स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान दिया है। इसमें हमारी क्या गलती है।

विपक्ष – आप लोग मूर्ख, बुद्धिहीन, मंदबुद्धि और बेकार हो। आप लोगों को जवाब देना ही नहीं आता है। हमें मालूम था कि इस बार आप स्वास्थ्य के लिए बजट आबंटित करेंगे। इसीलिए हमने तोप की बात निकाली। स्वास्थ्य का क्या है आदमी वैसे ही चंगा हो जाएगा। यहाँ भला कौन अस्पताल जाता है।

कम से कम दुश्मनों के लिए न सही कम से कम हमारे जैसे थूक कर चाटने वाले विपक्ष के लिए तोप खरीदना बहुत जरूरी होता है।

हमारा काम ही सत्ता पक्ष को गलत साबित करना होता है। अच्छा करो बुरा कहें और बुरा करें तो अच्छा कहें। इससे हमारी दाल-रोटी चलती है। चुनाव तक कोई न कोई शगल पाले रखना चाहिए। वरना ये पाँच साल काटने को दौड़ते हैं। सत्ता पक्ष हँसते हुए विपक्ष को लॉबी में ले गया।

वहाँ चाय-पानी पिलाकर एक-दूसरे की पीठ थपथपाने लगे।

अगले दिन बजट की बहस पर सत्ता पक्ष ने विपक्ष से पूछा : - आपको बजट के बारे में कुछ जानकारी भी है या यूँ हीं उछलते-कूदते रहतो हैं? विपक्ष – यदि हम कहें कि हमें बजट का ज्ञान का नहीं आप क्या कर लेंगी? सत्ता पक्ष – आपसे तो गृहस्थी करने वाली महिलाएँ अच्छी हैं। उन्हें कम से कम घर कैसे चलाया जाता है उसका ज्ञान तो है। आप वह भी न बन सके।

इस अपमान से गुस्साए विपक्ष ने 15 दिनों तक खूब तैयारी की और गृहस्थी करने वाली महिला के समान घर के बजट का खूब अध्ययन किया। इस बार वे सत्ता पक्ष को मजा चखाना चाहते थे। सो सत्ता पक्ष से बोले - अब हमें गृहस्थी करने वाली महिला के समान बजट का ज्ञान हो गया है। अब पूछिए क्या पूछना है। पत्नी :- ..तो अब, तुम में और गृहस्थी करने वाली महिला में क्या अंतर रह गया है..? जाइए घर-गृहस्थी देखिए। यह संसद है संसद। बच्चों का खेल नहीं। भोले विपक्षी इतना सा मुँह लेकर संसद से चले गए।

पुलिस प्रशिक्षण पर सवाल हैं ये संवेदनहीन अधिकारी!

मनोज कुमार अग्रवाल

यूपी में एक ऐसा पुलिस अधिकारी भी मौजूद है जो लावारिस हालत में मिली लाश को जूते की नोक से पलटकर जांच करने की हरकत करते कैमरे में स्पाट हुआ है। इस पुलिस अधिकारी की यह हरकत यूपी पुलिस की फजीहत करा रही है वहीं पुलिस आज भी किस सामंती मानसिकता और वर्दी के गुरूर की शिकार है यह बताती है। इस तरह के पुलिस वाले अपने अमानवीय व संवेदना शून्य व्यवहार से उस तमाम पुलिस प्रशिक्षण की प्रक्रिया पर भी सवालिया निशान लगा रहे हैं जो उन्हें फील्ड में उतारने से पहले पीटीसी पर दिया जाता है। लगातार हिरासत में मौतों के बढ़ते मामले पहले ही पुलिस की कार्यप्रणाली को कलंकित करते रहे हैं लेकिन अब लाशों के साथ भी इस तरह का व्यवहार समूचे विभाग को शर्मसार कर रहा है। आइए पहले पूरे मामले पर नजर डालिए यूपी के हरदोई जनपद के सांडी इलाके में संदिग्ध परिस्थितियों में एक अधेड़ का शव मिला है। जिसकी कोई पहचान नहीं हो सकी थी । लेकिन इस मामले में एक पुलिस अधिकारी के व्यवहार ने संवेदनहीनता की हदें पार करने का एक वीडियो वायरल हो रहा है। एसपी राजेश द्विवेदी के सामने एडिशनल एसपी अनिल कुमार यादव अपनी सीमा लांघते हुए दिखे हैं। उन्होंने अधेड़ के शव को जूते की नोक से हिला कर देखा और पलटने का प्रयास किया है। जिसका वीडियो वायरल होने के बाद लोगों में पुलिस की नकारात्मक छवि प्रदर्शित हुई है। हरदोई की मित्र पुलिस एक बार फिर इस वीडियो के जरिए चर्चा में बनी है। सांडी थाना क्षेत्र के सखेड़ा में एक अधेड़ का शव सरसों के खेत में पड़ा मिला था । जिसके चेहरे पर चोट के निशान हैं और शव की अभी तक पहचान नहीं हो सकी ।शव मिलने की सूचना पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे लेकिन संवेदनहीनता की हदें पार करने का एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें हरदोई एसपी राजेश द्विवेदी मौजूद हैं उनके सामने उनका अधीनस्थ अधिकारी एडिशनल एसपी अनिल कुमार यादव मृतक के शव को जूते की नोक से हिलाता हैं। यही नहीं उन्होंने जूते की नोक से ही शव को पलटने का प्रयास किया। इस निहायत शर्मनाक हरकत को एसपी साहब ने नजरअंदाज कर दिया और अपने अधीनस्थ अधिकारी की इस हरकत पर कोई आपत्ति तक नहीं जताई। अब इसका वीडियो वायरल होने के बादन सिर्फ पुलिस की नकारात्मक छवि प्रदर्शित हुई है वरन एसपी के सामने ही मर्यादा की सीमा लांघने का वायरल वीडियो पर अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जा रही है। फिलहाल यह वीडियो अब सुर्खियों में है और लोगों में मित्र पुलिस का चेहरा उजागर कर रहा है। हालांकि अधेड़ की अभी तक पहचान नहीं हुई है और इलाके में हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका जताई जा रही है। एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि एक अधेड़ का शव सरसों के खेत में पड़ा मिला है। जोकि देखने में 12 से 24 घंटे के बीच का प्रतीत हो रहा है। अभी तक शव की पहचान नहीं हुई है और न ही मृत्यु के कारण का पता चल पा रहा है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। अधेड़ के शव की पहचान और पोस्टमार्टम में मृत्यु के कारण के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। इस मामले का विडियो वायरल होने के बाद भी अभी तक सरकार या पुलिस विभाग द्वारा संवेदना हीन पुलिस अधिकारी पर कोई कार्रवाई करने का कदम नहीं उठाया गया है। यह बेहद घिनौना व घटिया मामला है नियमानुसार दुश्मन देश के नागरिक के शव के साथ भी सम्मानजनक व्यवहार करने की परम्परा है। हमारे देश में तो मृतकों के अवशेष शरीर के साथ सम्मान जनक व्यवहार करते हैं और हमारे संस्कृति में भी यही परम्परा है लेकिन अस पुलिस अधिकारी ने न सिर्फ इस परम्परा को तोड़ दिया वरन एक निहायत घटिया मानसिकता को भी प्रदर्शित किया है। यूपी सरकार को ऐसे सामंती मानसिकता। वाले पुलिस अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए ताकि अन्य पुलिस कर्मियों व अधिकारियों में एक अच्छा संदेश जाए और तमाम प्रशिक्षण को नकार कर अपने घटिया व्यवहार का परिचय देने वाले अधिकारी को सबक भी देना चाहिए। इसके पहले भी इस तरह के मामले सामने आते रहे हैं। सीतापुर में एक शव की पड़ताल के लिए उस पर ढके कपड़े को अपने जूतों से हटाने की तस्वीरें अखबारों में छपने के बाद पुलिस के सर्किल ऑफिसर जय प्रकाश सिंह यादव को ऑफिस अटैच कर दिया गया था । उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में एक युवक के शव की पड़ताल के लिए उस पर ढके कपड़े को अपने जूतों से हटाने तथा पैर से ही लाश को पलटने की कोशिश करने की तस्वीरें अखबारों में छपने के बाद पुलिस के सर्किल ऑफिसर जय प्रकाश यादव को ऑफिस अटैच कर दिया गया था यानी उन्हें अब वह फील्ड में न जाकर दफ्तर में बैठने का निर्देश दिया गया था।

कल है रवि पुष्य योग

इस दिन करें सोना, वाहन, प्रॉपर्टी की खरीदारी, सालभर होगी उन्नति

रवि पुष्य योग को अत्यंत ही शुभ माना जाता है। इस योग में किए गए कार्य उन्नति प्रदान करते हैं।

रवि पुष्य योग 05 फरवरी दिन रविवार को है। रवि पुष्य योग को अत्यंत ही शुभ माना जाता है। इस योग में किए गए कार्य उन्नति प्रदान करते हैं। रवि पुष्य योग में विवाह को छोड़कर अन्य शुभ कार्य कर सकते हैं। इस योग में आप कोई नया कार्य करना चाहते हैं, नया बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो यह आपके लिए शुभ और तरक्की वाला होगा। रवि पुष्य योग में सोना, वाहन, मकान आदि की खरीदारी करना शुभ होता है।

दिन का चौघड़िया मुहूर्त

शुभ-उत्तमः सुबह 07:09 एएम से सुबह 08:30 एएम तक
चर-सामान्यः सुबह 11:13 एएम से दोपहर 12:35 पीएम तक
लाभ-उन्नतिः दोपहर 12:35 पीएम से दोपहर 01:56 पीएम तक
अमृत-सर्वोत्तमः दोपहर 01:56 पीएम से दोपहर 03:18 पीएम तक
शुभ-उत्तमः शाम 04:39 पीएम से शाम 06:01 पीएम तक

रवि पुष्य योग 2023 समय

05 फरवरी को रवि पुष्य योग सुबह 07 बजकर 07 मिनट से दोपहर 12 बजकर 13 मिनट तक है। इस समय में सर्वार्थ सिद्धि योग भी बना है। इस दिन सुबह से लेकर दोपहर तक आयुष्मान योग है और उसके बाद से सौभाग्य योग बन रहा है। रवि पुष्य योग के साथ दो शुभ योग आपके सफलता में वृद्धि करने वाले हैं। सर्वार्थ सिद्धि योग कार्यों की सिद्धि के लिए महत्वपूर्ण होता है। इस दिन माघ पूर्णिमा भी है।

कब बनता है रवि पुष्य योग?

पंचांग के अनुसार, जब रविवार के दिन रवि पुष्य नक्षत्र होता है तो उस दिन रवि पुष्य योग बनता है। रवि पुष्य नक्षत्र अत्यंत ही शुभ माना गया है। इस योग को रवि पुष्य नक्षत्र योग के नाम से भी जानते हैं।

रवि पुष्य योग में करें खरीदारी

रवि पुष्य योग में सोना, चांदी के आभूषण, वाहन, प्रॉपर्टी आदि की खरीदारी शुभ होती है। इस योग में खरीदारी से उन्नति होती है। यह धन को बढ़ाने वाला होता है। रवि पुष्य योग में बिजनेस की शुरुआत करना भी अच्छा होता है।

रवि पुष्य योग के उपाय

रविवार का दिन सूर्य देव की पूजा का होता है और इस दिन बना रवि पुष्य योग सकारात्मक फल देने वाला होता है। रवि पुष्य योग के समय में आप सूर्य देव को जल अर्पित करें। पानी में लाल चंदन और गुड़ डालकर अर्घ्य दें। आपके धन, धान्य, संतान और पराक्रम में वृद्धि होगी। कुंडली का सूर्य दोष भी दूर होता है।

05 फरवरी को है भद्रा

05 फरवरी को रवि पुष्य योग के प्रारंभ के समय से ही भद्रा भी लग रही है। उस दिन भद्रा सुबह 07:07 बजे से लेकर सुबह 10:44 बजे तक है। शुभ कार्यों के लिए भद्रा का त्याग कर दें और उसके बाद के शुभ समय में कार्य या खरीदारी करें।

सात मुखी रुद्राक्ष को धारण करने से मानसिक तनाव से मिलेगा छुटकारा

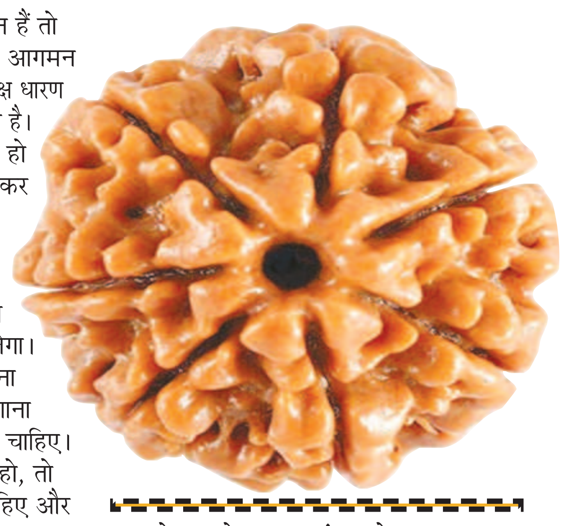

अगर आप नौकरी की समस्या से परेशान हैं तो सात मुखी रुद्राक्ष धारण करें। इससे धन आगमन के मार्ग खुलते हैं। साथ ही सात मुखी रुद्राक्ष धारण करने से मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है।
अगर आपको बार-बार भूलने की आदत हो गई है और आप कहीं भी कोई चीज़ रखकर भूल जाते हैं, तो आपको शाम के समय चंद्रदेव को प्रणाम करना चाहिए और चांदी का चंद्रमा धारण करना चाहिए। ऐसा करने से आपके बार-बार भूलने की आदत में जल्द ही सुधार देखने को मिलेगा।
अगर आप एक सुंदर, स्वस्थ जीवन जीना चाहते हैं, तो आपको जामुन का पेड़ लगाना चाहिए और उसकी जड़ में पानी डालना चाहिए। अगर आपके लिए पेड़ लगाना संभव न हो, तो आपको पेड़ लगाने का संकल्प लेना चाहिए और जितनी जल्दी आपको समय मिले, पेड़ जरूर लगाना चाहिए। ऐसा करने से आप एक सुंदर, स्वस्थ जीवन जीयेंगे।
अगर कुछ दिनों से आपकी माता का स्वास्थ्य ठीक नहीं चल रहा है, तो आपको शिव मंदिर में जाकर शिवलिंग पर जल में दूध मिलाकर अर्पित करना चाहिए। ऐसा करने से आपकी माता का स्वास्थ्य जल्द ही ठीक हो जायेगा।
अगर आपके जीवनसाथी के मन में किसी न किसी बात को लेकर एक अजीब सी स्थिति बनी रहती है, वो हर चीज़ को शक की नजरों से देखते हैं, तो इस दिन आपको उनके हाथों से मोती का दान कराना चाहिए। ऐसा करने से आपके जीवनसाथी की स्थिति में जल्द ही सुधार देखने को मिलेगा।
अगर आपके ऊपर काम का भार बहुत ज्यादा रहता है, जिससे आपको मानसिक रूप से तनाव भी बना रहता है, तो आपको 2 मुखी रुद्राक्ष गले में धारण करना चाहिए। ऐसा करने से आपको तनाव से मुक्ति मिलेगी और आप मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे।
अगर आपके घर में जल्द ही कोई मांगलिक कार्यक्रम होने वाला है और आप उसकी सफलता सुनिश्चित करना चाहते हैं, तो आज के दिन आपको शिव मंदिर में जाकर भगवान शिव को अपने हाथ के बराबर लंबा सफेद सूत का धागा भेंट करना चाहिए। ऐसा करने से आपके घर में हर तरह के मांगलिक कार्यक्रम सफल होंगे।
अगर आप अपने कार्यों की सफलता को लेकर बहुत ज्यादा घबराते हैं या जब तक आपका काम न बन जाए, तब तक आपको एक टेंशन-सी बनी रहती है, तो आपको अपनी माता से आशीर्वाद के रूप में एक मुट्ठी चावल प्राप्त करने चाहिए और उन्हें एक पोटली में बांधकर अपने पास संभालकर रखना चाहिए। ऐसा करने से काम को लेकर आपकी घबराहट या टेंशन दूर होगी। साथ ही आपको अपने अंदर एक अलग ही कॉन्फिडेंस देखने को मिलेगा।
अगर आपके घर में बहस का माहौल बना रहता है, तो उसे दूर करने के लिए आपको एक सफेद रंग का कपड़ा लेकर मन्दिर में दान करना चाहिए। ऐसा करने से आपके घर से बहस का माहौल दूर होगा। लिहाजा आपके घर में सुख-शांति बनी रहेगी।

अगर आप अपने घर की सुख-समृद्धि बनाये रखना चाहते हैं, तो आज के दिन आपको मन्दिर में दूध का दान करना चाहिए और अपने घर के बड़ों का आशीर्वाद लेना चाहिए। ऐसा करने से आपके घर की सुख-समृद्धि बनी रहेगी।

रविवार को माघी पूर्णिमा और रविदास जयंती

रविवार, 5 फरवरी को माघ मास खत्म हो रहा है। इसके बाद 6 तारीख से फाल्गुन शुरू होगा। रविवार को माघी पूर्णिमा और संत रविदास जयंती है। इस उत्सव पर पवित्र नदी में स्नान के बाद दान-पुण्य करने की परंपरा है। पूर्णिमा पर भगवान विष्णु का अभिषेक भी करना चाहिए।
धार्मिक मान्यता की वजह से काफी भक्त रोज नदी में स्नान करते हैं, खासतौर प्रयागराज में नदियों के संगम पर लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। माघी पूर्णिमा पर माघ स्नान खत्म हो जाएंगे। इस महीने में किसी नदी में स्नान नहीं कर पाए हैं तो पूर्णिमा पर अपने क्षेत्र की नदी में स्नान जरूर करना चाहिए। स्नान के बाद नदी के किनारे पर ही जरूरतमंद लोगों को अनाज और धन का दान करें।
नदी स्नान नहीं कर पा रहे हैं तो घर पर ही करें ऐसे स्नान

जो लोग तीर्थ क्षेत्र नहीं जा पा रहे हैं, किसी पवित्र नदी में स्नान नहीं कर पा रहे हैं, उन्हें घर पर ही नहाने के पानी में थोड़ा सा गंगाजल, काले तिल, चंदन मिलाकर स्नान करना चाहिए। ध्यान करते समय सभी तीर्थों का और पवित्र नदियों का ध्यान करना चाहिए।

माघी पूर्णिमा पर कर सकते हैं ये शुभ काम

माघ पूर्णिमा पर पूरे परिवार के साथ विष्णु पूजा करने से कुंडली के दोषों का असर कम होता है। विष्णु जी की कृपा से कार्यों में आ रही बाधाएं खत्म होती हैं, सफलता मिलती है और घर-परिवार में प्रेम बना रहता है।

पूर्णिमा पर पवित्र ग्रंथों का पाठ करना चाहिए। जैसे श्रीरामचरित मानस, श्रीमद् भागवत कथा, विष्णु पुराण, शिव पुराण आदि। ग्रंथों के पाठ के साथ ही अपने इष्टदेव के मंत्रों का जप भी करना चाहिए।
विष्णु पूजा में तिल से बनी मिठाई का भोग जरूर लगाएं।
जरूरतमंद लोगों को तिल का दान भी करें।

इस दिन हनुमान जी के सामने दीपक जलाएं और हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ करें। आप चाहें तो ॐ श्रीरामदूताय नमः मंत्र का जप भी कर सकते हैं। मंत्र जप कम से कम 108 बार करना चाहिए। पूर्णिमा पर शिव का जलाभिषेक करें। तांबे के लोटे में जल भरें और ॐ नमः शिवाय मंत्र का जप करते हुए पतली धार से शिवलिंग पर चढ़ाएं। शिव पूजा करें।

मंदिर के 985 खंबों से निकलता है मधुर संगीत

जहां हमेशा खिला रहता है सोने का कमल

मीनाक्षी मंदिर में 165 फीट लंबा और 120 फीट चौड़ा तालाब है। जिसके भीतर सोने का एक बड़ा सा कमल का फूल खिला हुआ लगा है। इसकी खासियत यह है कि यह पूरे दिन सूर्य की पड़ने वाली रोशनी से चमकता रहता है। मीनाक्षी मंदिर के भीतर 985 स्तम्भों या फिर कहें खंबों वाला एक हाल है। जिसके हर खंबे में थाप देने पर आपको अलग-अलग सुर में आवाज सुनाई देगी।

दक्षिण भारत के भव्य और खूबसूरत मंदिरों में एक मीनाक्षी मंदिर न सिर्फ हिंदू धर्म की आस्था से बल्कि अपनी बेहतरीन वास्तुकला के लिए भी जाना जाता है। इस पावन शक्तिपीठ से जुड़ी खास बातों को जानने के लिए मंदिर के 985 खंबों से निकलता है मधुर संगीत, नक्काशी ऐसी देख हर कोई रह जाता है दंगमीनाक्षी मंदिर की

वास्तुकला एवं धार्मिक महत्व

मीनाक्षी मंदिर के दर्शन के बगैर दक्षिण भारत के मंदिरों की यात्रा अधूरी मानी जाती है। यह मंदिर न सिर्फ तमिलनाडु बल्कि देश के प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है, जो न सिर्फ अपनी धार्मिक महत्व बल्कि बेहतरीन वास्तुकला के लिए भी जाना जाता है। तमिलनाडु राज्य के दक्षिणपूर्वी हिस्से में वैगई नदी के तट पर स्थित यह मंदिर माता पार्वती को समर्पित है। 51 शक्तिपीठ में से एक इस मंदिर में माता को मीनाक्षी रूप में पूजा जाता है, जबकि महादेव की साधना भगवान सुंदरेश्वर के रूप में होती है। खास बात यह कि यहां पर माता पार्वती और भगवान शिव को एक साथ पूजा जाता है।

बेहद अनूठी है मंदिर की शिल्पकला

मीनाक्षी जिसका अर्थ मछली के आकार या फिर कहें आंख वाली देवी है, उनका भव्य एवं प्राचीन मंदिर द्रविड़ शैली में बना हुआ है। मान्यता है कि माता के इस भव्य मंदिर का निर्माण 1623 से 1655 के बीच हुआ था। इस मंदिर के भीतर जाने के लिए चारों दिशाओं में चार भव्य प्रवेश द्वार बने हुए हैं। 9 मंजिल वाले सभी प्रवेश द्वार लगभग 170 फीट ऊंचे हैं। मीनाक्षी मंदिर के प्रवेश द्वार पर एक पत्थर से तराश कर बनाई गई भगवान श्री गणेश की एक बड़ी मूर्ति स्थापित है। इसके अलावा प्रत्येक द्वार पर पत्थरों से काटकर बनाई गईं बाकी मूर्तियों की खूबसूरती भी देखते बनती है। 45 एकड़ में बना यह मंदिर 12 गोपुरम या फिर कहें 12 गेटवे से घिरा हुआ है। मीनाक्षी मंदिर में बड़ी महीन चित्रकारी देखने को मिलती है।

माता संग इस रूप में विराजते हैं महादेव

मीनाक्षी मंदिर में माता पार्वती के अलावा महादेव के दर्शन नटराज के रूप में हाते हैं। मंदिर के भीतर भगवान नटराज की एक बड़ी मूर्ति चांदी के आसन पर स्थापित है, जिसमें भगवान शिव की नृत्य मुद्रा बाएं पांव पर न होकर दाएं पांव पर है। इनके अलावा मंदिर में अन्य देवी-देवताओं समेत तकरीबन 33 हजार मूर्तियां हैं, जो इसकी खूबसूरती पर चार चांद लगाती हैं।

हर पत्नी अपने पति से जिंदगी भर छिपाकर रखती हैं ये बातें

आचार्य चाणक्य के अनुसार, पत्नियां कभी भी अपने पति से कुछ बातें शेयर नहीं करती हैं। आइए जानते हैं वो कौन सी बातें हैं
चाणक्य के अनुसार, महिलाएं अपने पति से अपने पूर्व प्रेमी के बारे में नहीं बताती हैं। क्योंकि पति बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं कि उनकी पत्नी के जीवन में उनसे पहले कोई था। चाणक्य जी कहना है कि ज्यादातर शादीशुदा महिलाएं अपने सीक्रेट क्रश के बारे अपने पति को नहीं बताती हैं।
औरतों को घर की लक्ष्मी कहते हैं। अगर उसके पास थोड़े भी पैसे होंगे तो उसमें से वो कुछ न कुछ जरूर बचाकर रखेगी और जब कभी भी घर या पति के सामने आर्थिक संकट की स्थिति पैदा होती तो पत्नी के बचाए पैसे ही पति के काम आते हैं। पत्नियां ये बचत अपने पति से छिपाकर रखती हैं।
चाणक्य नीति कहते हैं कि पत्नियां कभी अपने पति से शेयर नहीं करती हैं कि वो कैसा रोमांस चाहती हैं और उनकी क्या इच्छा है।
अक्सर महिलाएं किसी न किसी तरह की छोटी या बड़ी बीमारियों से परेशान रहती हैं। लेकिन पत्नी जल्दी अपनी बीमारी के बारे में अपने पति को नहीं बताती हैं। पत्नी को लगता है कि बेवजह पति परेशान होंगे।
आचार्य चाणक्य कहते हैं कि ज्यादातर महिला किसी न किसी को मन ही मन पसंद करती है। लेकिन इस राज को वह किसी के सामने नहीं खोलना चाहती।

डायनिंग एरिया में जरूर करवाएं ये काम

वास्तु शास्त्र में घर की हर चीज का खास ख्याल रखा जाता है। चाहे वह डिजाइन हो, डायनिंग एरिया हो, सीढ़ियों की फ्लोरिंग हो या किसी चीज की दिशा। वास्तु में बेडरूम, किचन, बाथरूम, घर की सीढ़ियों से लेकर खिड़कियों तक के बारे में बताया गया। वास्तु कहता है कि अगर आपने कोई भी चीज वास्तु के हिसाब से नहीं किया तो घर के लोगों पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। वास्तु शास्त्र में डायनिंग एरिया व सीढ़ियों की फ्लोरिंग के बारे में भी जिक्र किया गया है। वास्तु की मानें तो इसका भी हमारे जीवन में गहरा प्रभाव पड़ता है। ऐसे में वास्तु शास्त्र में आज आचार्य इंदु प्रकाश से जानिए डायनिंग एरिया व सीढ़ियों की फ्लोरिंग के बारे में। नुसार डायनिंग एरिया या लाउंज के लिए वुडन फ्लोरिंग सबसे अच्छी मानी जाती है। डायनिंग एरिया में वुडन फ्लोरिंग करवाने से घर-परिवार के लोगों का स्वास्थ्य अच्छा बना रहता है। साथ ही बीमारियों व आलस से दूरी बनी रहती है। डायनिंग एरिया के अलावा घर की सीढ़ियों में भी वुडन फ्लोरिंग करवानी चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार ऐसा करना शुभ माना जाता है। क्योंकि सीढ़ियां दो फ्लोर को कनेक्ट करती हैं इसलिए सीढ़ियों में लकड़ी के इस्तेमाल से घर में सम्पन्नता और समृद्धि आती है. सीढ़ियों के पास फ्लोर का खास ख्याल रखना पड़ता है। टूटा-फूटा फ्लोर घर में खुशहाली और धन आगमन का रास्ता रोकता है। इस तरह के नुकसान से बचने के लिये जल्द ही इसे ठीक करवा लें।

दो पार्ट्स में बनेगी दीपिका-प्रभास की प्रोजेक्ट के!

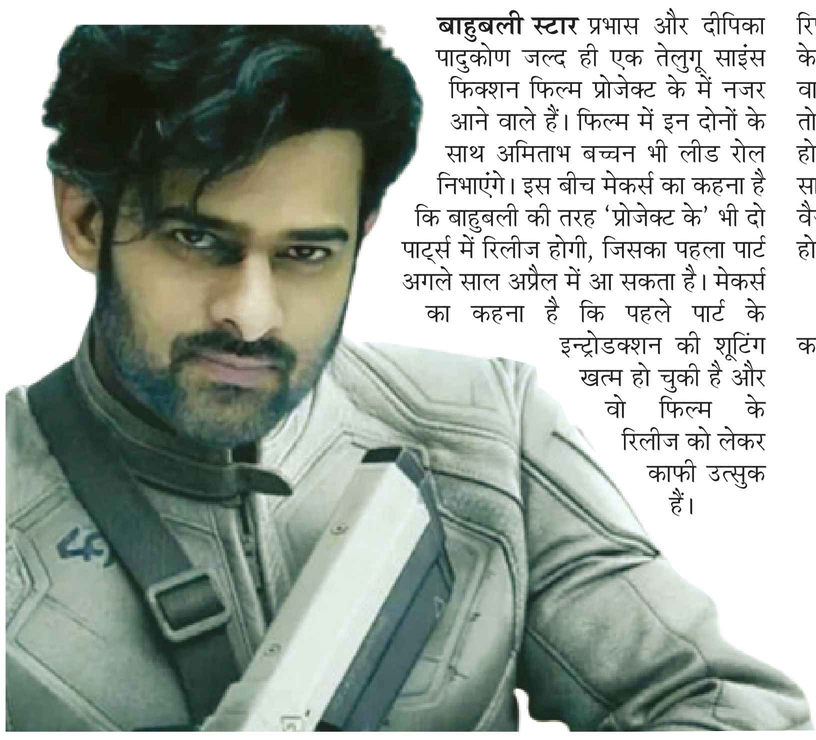

बाहुबली स्टार प्रभास और दीपिका पादुकोण जल्द ही एक तेलुगू साइंस फिक्शन फिल्म प्रोजेक्ट के में नजर आने वाले हैं। फिल्म में इन दोनों के साथ अमिताभ बच्चन भी लीड रोल निभाएंगे। इस बीच मेकर्स का कहना है कि बाहुबली की तरह 'प्रोजेक्ट के' भी दो पार्ट्स में रिलीज होगी, जिसका पहला पार्ट अगले साल अप्रैल में आ सकता है। मेकर्स का कहना है कि पहले पार्ट के इन्ट्रोडक्शन की शूटिंग खत्म हो चुकी है और वो फिल्म के रिलीज को लेकर काफी उत्सुक हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म 'प्रोजेक्ट के'बाहुबली की तरह दो पार्ट में रिलीज होने वाली है। जहां पहला पार्ट सस्पेंस बनाएगा, तो दूसरा पार्ट कहानी का अहम हिस्सा होगा। मेकर्स के अनुसार ये एक बड़ी फिल्म साबित होने वाली है। बता दें कि ये फिल्म वैजयंती मूवी प्रोडक्शन के 50 साल पूरे होने के सेलिब्रेशन में बनाई जा रही है।

फिल्म में दिखेगा प्रभास का कूल लुक

फिल्म के डायरेक्टर नाग अश्विन का कहना है कि फिल्म की पहली पार्ट की शूटिंग शुरू हो चुकी है। इसके अलावा उन्होंने ये भी कहा कि इस सीन में प्रभास कूल अवतार में नजर आएंगे।

प्रभास के साथ दीपिका की पहली फिल्म है प्रोजेक्ट के

सावित्री बायोपिक और फिल्म महानती जैसी फिल्मों का डायरेक्शन कर चुके नाग अश्विन और प्रभास के बीच ये पहली कोलैबोरेशन फिल्म है। साथ ही इस फिल्म में दीपिका भी प्रभास के साथ पहली बार नजर आएंगी। बिग बी की बात करें तो प्रभास के साथ ये उनकी दूसरी फिल्म है। प्रभास ने बिग बी के साथ आदि पुरुष में भी काम किया है।

दीपिका की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर मचा रही धमाल

दीपिका के वर्कफ्रंट की बात करें तो हाल ही में दीपिका कि पठान रिलीज हुई है, जो कि बॉक्स ऑफिस के सारे रिकॉर्ड तोड़ रही है। इसके साथ उन्होंने ओम शांती ओम, तमाशा, पद्मावत, बाजीराव मस्तानी और चेन्नई एक्सप्रेस में काम किया है। वहीं प्रभास साउथ के जाने माने एक्टर हैं। उन्होंने बाहुबली, अधिपुरुष, रेबेल, मिर्ची, साहो और राधे श्याम जैसी फिल्मों में काम किया है।

शिल्पा शेट्टी बहन शमिता की बर्थडे पार्टी में ब्लैक एंड व्हाइट लुक में दिखीं स्टाइलिश

बॉलीवुड एक्ट्रेस शमिता शेट्टी ने 2 फरवरी को अपना 44वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया। उनके जन्मदिन के इस खास मौके पर फैंस से लेकर सितारों तक ने उन्हें ढेर सारी बधाइयां दीं। एक्ट्रेस ने बीती रात शिल्पा शेट्टी, राज कुंद्रा और खास दोस्तों के साथ अपना जन्मदिन मनाया। बर्थडे के मौके पर शिल्पा शेट्टी ग्लैमरस लुक में नजर आई, जिसका एक वीडियो सामने आया है।

ब्लैक एंड व्हाइट ड्रेस में दिखीं शिल्पा

पार्टी में शिल्पा ब्लैक एंड व्हाइट ड्रेस में नजर आईं। इस दौरान उन्होंने पैपराजी को पोज भी दिए। शिल्पा का लुक देख लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'मैम आप और कितनी यंग दिखेंगी'।

तो वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, 'आप तो आज भी वैसे ही हो, सच में ओल्ड इज गोल्ड।' बता दें कि शिल्पा शेट्टी और शमिता शेट्टी की बॉन्डिंग काफी अच्छी है। दोनों बहनों के साथ-साथ एक-दूसरे की बेस्ट फ्रेंड भी हैं। बीते दिन शिल्पा शेट्टी ने शमिता को खास अंदाज में जन्मदिन की बधाइयां भी दी थीं।

विजय देवरकोंडा को छोड़ फैन पर आया रश्मिका का दिल, सरेआम कर दिया प्रपोज

साउथ की खूबसूरत एक्ट्रेस में शुमार रश्मिका मंदाना की फैन फॉलोइंग कई ज्यादा है। अभिनेत्री देशभर में काफी पॉपुलर हैं। वह साउथ इंडस्ट्री के साथ-साथ बॉलीवुड में भी खास पहचान बना चुकी हैं। वह अक्सर अपने फोटोज, वीडियो, फिल्मों और पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं। बीते काफी वक्त से रश्मिका और विजय देवरकोंडा के रिलेशनशिप की खबरें सामने आ रही हैं। इन अटकलों के बीच रश्मिका का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह किसी को प्रपोज करती हुई दिखाई दीं।

अभिनेत्री ने फैन को किया प्रपोज

दरअसल, एयरपोर्ट से अभिनेत्री का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में उनका एक फैन अभिनेत्री से सवाल करता है कि तेलुगू में किसी लड़की प्रपोज कैसे करें? इस सवाल को सुनकर अभिनेत्री मुस्कुराने लगती हैं। इसके बाद वह अपने फैन से पूछती हैं आए हाय...क्या बात है...कोई है? उसके बाद रश्मिका अपने फैन को तेलुगू भाषा में प्रपोज करना सिखाती हैं। वह तेलुगू में कुछ शब्द बोलती हैं। इस पर उनका फैन कहता है सेम टू यू और रश्मिका मुस्कुरा देती हैं।

बता दें कि बीते दिनों विजय देवरकोंडा दुबई में अपने परिवार के साथ छुट्टियां मनाने गए थे। इसी बीच विजय ने कुछ तस्वीरें साझा कीं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थीं। विजय की इन तस्वीरों में उनके कुछ दोस्त और रश्मिका साथ दिखाई दिए थे। इसके अलावा विजय ने अपने माता पिता की भी कुछ तस्वीरें साझा की थीं। ऐसे में लोग अनुमान लगा रहे थे कि रश्मिका विजय के परिवार के साथ दुबई में छुट्टियां मना रही हैं। हालांकि इन तस्वीरों को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। विजय देवरकोंडा और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के रिलेशनशिप में होने की अफवाह काफी समय से उड़ रही हैं। अभिनेत्री के काम को लेकर बात की जाए तो हाल ही में उनकी फिल्म मिशन मजनू रिलीज हुई थी। फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर देखी जा सकती है। मिशन मजनू में अभिनेत्री के साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा मुख्य किरदार में नजर आए थे। फिल्म का निर्देशन शांतनु बागची ने किया है। रश्मिका जल्द ही रणबीर कपूर के साथ फिल्म एनिमल में नजर आने वाली हैं।

तमिल फिल्म से साउथ में कदम रखेंगी जान्हवी!

पिछले कुछ समय से जान्हवी कपूर के साउथ फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने की खबरें आ रही हैं। जान्हवी कपूर पिछले पांच साल से बॉलीवुड में अपनी अदाकारी का जलवा बिखेर रही हैं। हाल ही में यह खबर आई थी कि एक्ट्रेस तमिल फिल्म से साउथ में डेब्यू कर सकती हैं। हालांकि, उनके तमिल फिल्मों में डेब्यू करने की ये सारी खबरें निराधार हैं। दरअसल, हाल ही में जान्हवी के पिता और निर्माता बोनी कपूर ने अभिनेत्री के साउथ डेब्यू की अफवाहों को खारिज कर दिया। निर्माता ने खुलासा किया कि उनकी बेटी ने अभी तक कोई भी तमिल फिल्म साइन नहीं की है।

जान्हवी कपूर करेंगी तमिल में डेब्यू?

बोनी कपूर ने अपनी बेटी जान्हवी कपूर के साउथ डेब्यू की खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर ट्वीट कर लिखा, 'प्रिय मीडिया मित्रों, यह आपको बताना चाहता हूं कि जान्हवी कपूर ने इस समय कोई भी तमिल फिल्म साइन नहीं की है। आपसे अनुरोध है कि झूठी अफवाहें न फैलाएं।'

आपको बता दें, कुछ समय पहले जान्हवी ने एक इवेंट में साउथ फिल्मों में काम करने की इच्छा जताई थी। अभिनेत्री ने कहा था, 'मेरे पास अभी फिल्म बवाल है, जो बहुत जल्द रिलीज होने वाली है। इसके साथ ही मिस्टर एंड मिसेज माही भी है और मैं उम्मीद कर रही हूं कि मैं जल्द ही एक दक्षिण फिल्म भी करूंगी।' इसके बाद से ही जान्हवी के साउथ फिल्मों में डेब्यू के कयास लगाए जा रहे हैं। हालांकि, अब बोनी कपूर के बयान के बाद साफ हो गया है कि सभी खबरें निराधार हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर आपने स्टाइलिश लुक्स के साथ-साथ फिटनेस से भी लोगों को काफी इंस्पायर करती हैं।अब हाल ही में जान्हवी ने इंस्टाग्राम पर आपने एक वर्कआउट वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो इंटेंस वर्कआउट करती हुई दिखाई दें रही हैं। इस वीडियो में जान्हवी के साथ उनके ट्रेनर भी दिखाई दें रहे हैं। इस दौरान जान्हवी आपने जिमवियर आउटफिट में कमाल की लग रही हैं। एक्ट्रेस का ये वर्कआउट वीडियो फैंस को काफी पसंद आया।

इस वीडियो पर फैंस जमकर लाइक्स और कमेंट कर रहे हैं।

आदिल की बेवफाई पर फूट-फूटकर रोईं राखी, बोलीं- तुम मुझे तलाक नहीं दे सकते

'ड्रामा क्वीन' राखी सावंत इन दिनों मीडिया की सुर्खियों में हैं। राखी की मां जया भेड़ा का देहांत हाल ही में हुआ था। उनके अंतिम संस्कार के दौरान राखी के पति आदिल खान दुर्रानी भी मौजूद थे और राखी का हाथ पकड़े नजर आए थे, लेकिन अब एक्ट्रेस के सुर बदले-बदले नजर आ रहे हैं। उन्होंने आदिल पर बेवफाई का आरोप लगाया है। साथ ही, कहा है कि वह जल्द ही सबूतों के साथ कई चौंकाने वाले खुलासे करेंगी।

आदिल खान की लाइफ में दूसरी औरत!

राखी सावंत ने अपने पति पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि आदिल खान की दूसरी गर्लफ्रेंड है, जिसकी वजह से उनकी शादीशुदा जिंदगी बर्बाद हो रही है। इसके अलावा उन्होंने पपाराजी से रिक्वेस्ट भी की है कि वे आदिल खान को बिल्कुल कवर न करें। राखी ने कहा कि आदिल खान की लाइफ में एक लड़की है। हालांकि, उन्होंने लड़की का नाम नहीं बताया। राखी ने कहा कि वक्त आने पर वह इसका जवाब देगी। फोटो और वीडियो भी दिखाएंगी। राखी ने बताया कि उनके पति का आठ महीने से अफेयर चल रहा है।

राखी सावंत ने कहा कि आदिल खान ने उन्हें आठ महीने तक शादी को न बताने के लिए इसलिए कहा, क्योंकि उनका अफेयर है। एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं अल्लाह से दुआ करूंगी। 30 रोजे करूंगी। मैं अपने मुसलमान भाइयों से कहूंगी कि मुझे उमराह कराएं।

मेरा खुदा सच्चा है। मेरा जीजस सच्चा है। मैं एक सच्ची बीबी हूं। आदिल तुम मुझे तलाक नहीं दे सकते। मैं दुनिया की हर अदालत में जाऊंगी। अल्लाह के कोर्ट में जाऊंगी।' उन्होंने आगे कहा कि वक्त आने पर मैं आदिल की बेवफाई के सबूत दूंगी।

राखी सावंत ने आदिल खान से दूसरी शादी की थी। उनकी पहली शादी रितेश नाम के बिजनेसमैन से हुई थी। राखी अपनी पहली शादी को लेकर भी काफी चर्चा में थीं। लोगों ने एक्ट्रेस की पहली शादी को फेक बताया था, लेकिन 'बिग बॉस 15' में राखी ने रितेश को पूरे देश से मिलाया था।

हालांकि, उनकी शादी ज्यादा दिन नहीं टिक पाई थी। इसके बाद बिजनेसमैन आदिल खान के साथ उनका नाम जुड़ने लगा।

सूर्यगढ़ पैलेस ने कन्फर्म की सिद्धार्थ-कियारा की शादी : शाहरुख खान के एक्स बॉडीगार्ड को सौंपा गया शादी की सिक्योरिटी का जिम्मा

बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी रिलेशनशिप की वजह से सुर्खियों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों 6 फरवरी को जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में शादी करने वाले हैं। हालांकि अब इस पैलेस ने भी कन्फर्म कर दिया है कि ये ग्रैंड वेडिंग 4 फरवरी से 6 फरवरी के बीच इसी पैलेस में होने वाली है। इसके साथ ही शाहरुख खान के एक्स बॉडीगार्ड को इस ग्रैंड वेडिंग की सिक्योरिटी का जिम्मा सौंपा गया है।

गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए लिखा था, 'हम कियारा और सिद्धार्थ की शादी को कवर करने के लिए जैसलमेर जा रहे हैं। हम कल लैंड करेंगे और फिर जीप लेकर जैसलमेर जाएंगे। शादी के फंक्शन 4 फरवरी से 6 फरवरी तक चलेंगे। ये शादी सूर्यगढ़ पैलेस में होगी।'

सूर्यगढ़ पैलेस ने इस पोस्ट पर अपने ऑफिशियल अकाउंट से रिएक्ट करते हुए लिखा, 'सी यू सून। जल्दी मिलते हैं।' अब सूर्यगढ़ पैलेस के इस रिएक्शन को देखने के बाद से ये साफ हो गया है कि सिद्धार्थ और कियारा इसी पैलेस में शादी करने वाले हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस पैलेस में शादी करने के लिए हर दिन का किराया 1 से 2 करोड़ रुपए के करीब है। इसके साथ ही मेहमानों को लाने ले जाने के लिए मर्सिडीज-बेंज, जगुआर और BMW सहित लगभग 70 कारों की व्यवस्था की गई है। जैसलमेर में शादी के बाद मुंबई में दोनों का ग्रैंड वेडिंग रिसेप्शन होगा।

रिपोर्ट्स में आगे कहा जा रहा है कि सिद्धार्थ और कियारा की शादी की सिक्योरिटी का जिम्मा शाहरुख खान के एक्स-बॉडीगार्ड यासीन युगल को दिया गया है। कहा जा रहा है कि 3 फरवरी को मुंबई से बॉडीगार्ड्स और सिक्योरिटी गार्ड्स की टीम जैसलमेर के लिए रवाना होगी। इस शादी में अमिताभ बच्चन से लेकर शाहरुख खान, करण जौहर, वरुण धवन, शाहिद कपूर-मीरा राजपूत और ईशा अंबानी समेत कई सेलेब्स को इनवाइट किया गया है। इस वजह से शादी से पहले ही सुरक्षा के सारे इंतजाम किए जा चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सिद्धार्थ अपनी शादी की सारी तैयारियों के फाइनल राउंड को संभाल रहे हैं।

वो हर चीज को अपना पर्सनल टच देना चाहते हैं। इस वजह से वो दिल्ली पहुंच गए हैं। रिपोर्ट्स में ये भी कहा जा रहा है कि सिद्धार्थ अपनी शादी के लिए दिल्ली से अपने पेरेंट्स और क्लोज फैमिली मेंबर्स के साथ कुछ दिनों में राजस्थान पहुंचेंगे। हालांकि इसे लेकर कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं है।

कटरीना के आने के बाद मेरी लाइफ कलरफुल हो गई : विक्की

विक्की कौशल-कटरीना कैफ की शादी को 1 साल पूरे हो गए हैं। दोनों बॉलीवुड के सबसे चहेते कपल में गिने जाते हैं। हालांकि, विक्की खुद को परफेक्ट नहीं मानते हैं।

मीडिया को इंटरव्यू में जब विक्की कौशल ने उनकी मैरिड लाइफ से जुड़ा सवाल किया गया तो इस पर विक्की ने बताया कि वो खुद को कटरीना के लिए परफेक्ट हस्बैंड नहीं मानते हैं और बताते हैं कि उन्हें परफेक्ट बनने के लिए अभी बहुत कुछ करना होगा।

मैं कोशिश करता हूं कि मैं हर मोमेंट में एक अच्छा पति बन सकूं- विक्की

लाइफस्टाइल एशिया को दिए इंटरव्यू में विक्की ने कहा- मैं ये नहीं कह सकता कि मैं एक परफेक्ट हस्बैंड हूं। मैं किसी भी मायने में परफेक्ट नहीं हूं, लेकिन मैं कोशिश करता हूं कि मैं हर मोमेंट में एक अच्छा पति बन सकूं। यह सच है कि मैं कल पहले से बेहतर हो जाऊंगा, मैं हमेशा अपना बेस्ट देने की कोशिश करता हूं। विक्की बताते हैं कि कटरीना के आने के बाद से वो बतौर इंसान काफी कुछ सीख चुके हैं।

विक्की ने आगे कहा- 'अपने कंपैनियन के साथ रहते हुए हम बहुत कुछ सीखते हैं। मुझे ऐसा लगता है कि पिछले सालों में मैं बहुत बेहतर हो चुका हूं।

असल मायने में हम तब सबसे ज्यादा ग्रो करते हैं, जब हम दूसरे का नजरिया भी समझने लगते हैं। हर इंसान कई रंगों से बना है, जब दूसरा व्यक्ति लाइफ में एंट्री करता है तो लाइफ और भी कलरफुल हो जाती है।'

कटरीना और विक्की 9 दिसंबर 2021 को राजस्थान के सिक्स सेंसेस फोर्ट में शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों 2019 से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो कटरीना जल्द ही सलमान खान के साथ फिल्म 'टाइगर 3' में भी दिखाई देने वाली हैं। वहीं विक्की 'सैम बहादुर' और 'द ग्रेट इंडियन फैमिली' में नजर आने वाले हैं।

धोनी के नक्शेकदम पर चलने को तैयार कप्तान हार्दिक पांड्या

बोले- टीम के लिए कुछ भी कर सकता हूं

अपनी कप्तानी में भारत को लगातार चार टी20 सीरीज जिता चुके हार्दिक पांड्या का कहना है कि वह एमएस धोनी के नक्शेकदम पर चलने के लिए तैयार हैं। मैच फिनिशर के रूप में अपनी भूमिका के बारे में बताते हुए हार्दिक ने कहा कि जो रोल धोनी निभाते थे, अब यह उनकी जिम्मेदारी है कि वह उस रोल में फिट बैठें। इसके लिए वह अपने स्ट्राइक रेट को भी कुर्बान करने को तैयार हैं।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में हार्दिक ने कहा कि नए अवसर लेना या नई भूमिकाएं लेनी होंगी। यह कुछ ऐसा है जो वह हमेशा खुद को करते देखना चाहते थे। उन्होंने कहा कि जो रोल माही अदा करते थे, उन्हें वह भूमिका निभाने में कोई आपत्ति नहीं है।

हार्दिक ने कहा- मुझे छक्के मारना पसंद है, लेकिन यही जीवन है, मुझे विकसित होना है। मैंने पार्टनरशिप में विश्वास करना सीख लिया है और मैं अपने बैटिंग पार्टनर और अपनी टीम को आश्वासन देना चाहता हूं कि मैं वहां खड़ा हूं। मैंने इनमें से किसी भी खिलाड़ी से अधिक मैच खेला है। मैंने सीखा है कि कैसे दबाव को स्वीकार करना और उसका सामना करना है। साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि सब कुछ अच्छे से हो जाए। हो सकता है कि इसके लिए मुझे अपना स्ट्राइक रेट कम करना पड़े। नई भूमिकाओं को स्वीकार करना कुछ ऐसा है जिसके लिए मैं हमेशा तत्पर रहता हूं। मैं चाहता हूं कि मैं नई गेंद से गेंदबाजी करने की भूमिका भी लूं। मैं नहीं चाहता कि कोई आए और उस कठिन भूमिका को ले। यदि वे दबाव में होंगे तो हमें मैच को बचाना पड़ेगा। मैं आगे बढ़ना चाहता हूं। मैं नई गेंद से गेंदबाजी पर काम कर रहा हूं।

धोनी को लेकर हार्दिक का बयान

हार्दिक ने यह भी सुझाव दिया कि उनकी भूमिका उस भूमिका के समान है जिसे भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान अपनाया था। हार्दिक ने कहा- मुझे उस भूमिका को निभाने में कोई दिक्कत नहीं है, जो कहीं न कहीं माही निभाते थे। उस समय मैं युवा था और मैदान के चारों ओर बड़े शॉट खेलता था, लेकिन जब से धोनी गए हैं, अचानक से यह जिम्मेदारी मुझ पर आ गई है। मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं है। हमें परिणाम मिल रहे हैं। अगर मुझे थोड़ा धीमा भी खेलना पड़े तो कोई बात नहीं।

टीम इंडिया का अगला असाइनमेंट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फरवरी में चार मैचों की टेस्ट सीरीज है। उसके बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें मार्च में तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी। हार्दिक पांड्या ने अब तक 87 टी20 मैचों में 142.17 की स्ट्राइक रेट से 1271 रन बनाए हैं। ,

हार्दिक ने आखिरी बार अगस्त 2018 में कोई टेस्ट खेला था। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता अब व्हाइट बॉल क्रिकेट है।

हार्दिक ने कहा कि उनकी प्राथमिकता फिलहाल इस साल अक्तूबर-नवंबर में भारत में होने वाला वनडे वर्ल्ड कप और अगले साल कैरेबियाई देशों में होने वाला टी20 विश्व कप है। हार्दिक ने कहा- जब मुझे लगेगा कि यह टेस्ट मैच क्रिकेट खेलने का सही समय है, तो मैं वापसी करूंगा। हार्दिक ने 2019 में पीठ की सर्जरी के बाद से रेड बॉल क्रिकेट नहीं खेला है।

हार्दिक ने कहा- अभी मैं सीमित ओवरों के क्रिकेट पर ध्यान दे रहा हूं। अगर समय सही रहा और शरीर ठीक रहा, तो मैं लंबे फॉर्मेट में वापसी की कोशिश करूंगा। सभी प्रारूपों के खिलाड़ी के रूप में शुभमन गिल के प्रदर्शन से प्रभावित हार्दिक ने कहा- मैंने हमेशा महसूस किया कि उनके पास सभी प्रारूपों में खेलने की शैली और तकनीक है और यह मेरे लिए आश्चर्यजनक नहीं था। यह शुभमन के लिए बहुत मायने रखता है।

एक युवा खिलाड़ी के रूप में सभी प्रारूपों में खेलने से खेल में एक नया आयाम जुड़ जाता है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले की तैयारी में जुटी टीम इंडिया, पुजारा-कोहली और जडेजा ने बहाया पसीना

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार टेस्ट मैचों की सीरीज नौ फरवरी से शुरू हो रही है। भारतीय टीम के लिए यह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी काफी महत्वपूर्ण है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को इस सीरीज में जीत हासिल करनी होगी। अगर वह दो या तीन मैच जीत लेता है तो आसानी से फाइनल में पहुंच जाएगा।

सीरीज की तैयारी के लिए टीम इंडिया मैदान पर उतर चुकी है। भारतीय टीम ने नागपुर में अभ्यास शुरू कर दिया है। दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के साथ अनुभवी चेतेश्वर पुजारा, ओपनर केएल राहुल और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने पसीना बहाया है।

कोहली के लिए यह सीरीज काफी महत्वपूर्ण है। वह बांग्लादेश के खिलाफ पिछली टेस्ट सीरीज में कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। विराट इस समय शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने टी20 के बाद वनडे में जबरदस्त पारियां खेली हैं। अब फैंस को टेस्ट में उनसे बड़ी पारी की उम्मीद है। विराट नवंबर 2019 से टेस्ट में शतक नहीं लगा पाए हैं। वह सीरीज में इस सूखे को समाप्त करना चाहेंगे।

चेतेश्वर पुजारा की बात करें तो वह शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने बांग्लादेश के दौरे पर एक शतक लगाया था और एक 90 रनों की पारी खेली थी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पुजारा का रिकॉर्ड भी शानदार है। उन्होंने कंगारू टीम के खिलाफ 20 मैचों की 37 पारियों में 1893 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 54.08 का रहा। पुजारा ने पांच शतक और 10 अर्धशतक लगाए हैं।

केएल राहुल से टीम इंडिया को बड़ी उम्मीदें हैं। पिछले कुछ समय से उनका प्रदर्शन औसत रहा है। वह बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में टीम के कप्तान थे। तब उन्होंने चार पारियों में 22, 23, 10 और दो रन बनाए थे। राहुल का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्रदर्शन अच्छा रहा है। उन्होंने नौ टेस्ट की 16 पारियों में 580 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 38.66 का रहा है। राहुल ने एक शतक और छह अर्धशतक लगाए हैं।

वर्ल्डकप विजेता सोनिया पहुंची रोहतक, बोलीं- परिवार के संघर्ष की वजह से खेल पाई, ऋषभ पंत है आइडल

साउथ अफ्रीका में 30 जनवरी को ICC अंडर-19 T20 वुमन वर्ल्ड कप के फाइनल में इंग्लैंड को हराकर इतिहास रचने वाली इंडियन टीम की मेंबर सोनिया गुरुवार को रोहतक जिले में पड़ते अपने गांव ब्राह्मणवास पहुंची। दिल्ली एयरपोर्ट से अपने परिवार के साथ गांव के लिए निकली सोनिया के स्वागत के लिए लोग मकडोली टोल प्लाजा पर ही पहुंच गए। यहां सोनिया को फूलमलाएं पहनाने के बाद विजय जुलूस की शक्ल में उसे गांव के मंदिर लाया गया।

रास्ते में कई लोगों ने उसे नोटों की मालाएं पहनाईं। कई लोगों ने दूसरे सम्मान दिए। सोनिया के स्वागत के लिए गांव में खास समारोह रखा गया था। ग्रामीणों ने आतिशबाजी के साथ उसका स्वागत किया। जब विजय जुलूस गांव पहुंचा तो वहां सोनिया की मां सरोज ने आरती की थाली से अपनी बेटी का स्वागत किया। कई दिनों बाद मां को सामने देखकर सोनिया भी भावुक हो गई। दोनों की आंखें खुशी छलक उठीं।

मां के साथ की मजदूरी

सोनिया ने बताया कि उसे इस मुकाम पर पहुंचाने के लिए उसके परिवार ने कड़ी मेहनत की है। उसके पिता का देहांत हो चुका है लेकिन उसके कोच ने कभी पिता की कमी नहीं महसूस होनी दी। यहां तक पहुंचने के लिए उसने अपनी मां सरोज के साथ खेतों में मजदूरी तक की। परिवार के दृढ़ संकल्प की बदौलत ही वह टीम इंडिया का हिस्सा बन पाई।

सीनियर टीम का हिस्सा बनना अगला टारगेट

सोनिया ने बताया कि उसके पिता के निधन के बाद मां सरोज ने ही उसे पाला। मां ने बहुत परेशानियां उठाईं। उसे इस बात की खुशी है कि उसकी मां की मेहनत बेकार नहीं गई। अब उसका अगला टारगेट इंडिया की सीनियर वुमन टीम का हिस्सा बनना है। इसके लिए उसे जितना पसीना बहाना पड़ेगा, वह उसके लिए तैयार है। सोनिया ने बताया कि क्रिकेट में उसके आइडल ऋषभ पंत हैं।

विराट कोहली ने इस खिलाड़ी के लिए किया पोस्ट, बताया भविष्य का स्टार

भारत के स्टार ओपनर शुभमन गिल ने टी20 में भी शतक लगाकर खुद को ऑल फॉर्मेट प्लेयर साबित कर दिया है। इस शतक से पहले कई मौजूदा और पूर्व क्रिकेटरों ने भारत के टी20 टीम में उनकी जगह पर सवाल उठाए थे। हालांकि, अब शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ नाबाद 126 रनों की पारी खेलकर आलोचकों को चुप करा दिया है।

शुभमन गिल भारत के लिए तीनों फॉर्मेट में शतक बनाने वाले केवल पांचवें बल्लेबाज बने। 126 रन के साथ ही शुभमन ने विराट कोहली के टी20 अंतरराष्ट्रीय में एक पारी में भारत के सर्वोच्च स्कोरर बनने के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। अब, कोहली जिन्हें कीवी टीम के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए आराम दिया गया था, न्यूजीलैंड के खिलाफ गिल की मैच विजयी पारी पर प्रतिक्रिया दी है।

इंस्टाग्राम पर कोहली ने स्टोरी पर गिल के साथ एक तस्वीर पोस्ट की और लिखा- सितारा (स्टार)। भारत का भविष्य यहां है। इस शतक के साथ शुभमन गिल ने खुद को एक ऑल-फॉर्मेट खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया और भारत को 168 रन से जीत दिलाने में मदद की। गिल के शतक की बदौलत भारत ने अहमदाबाद में दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम में निर्णायक मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 234 रन बनाए।

जवाब में भारतीय गेंदबाजों ने कीवी टीम को 12.1 ओवर में 66 रन पर ऑलआउट कर सीरीज को 2-1 से अपने नाम किया। मेजबान टीम ने तीन एक दिवसीय मैचों में कीवियों का 3-0 से सफाया किया था। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत की अब तक की सबसे बड़ी जीत और दो टेस्ट खेलने वाले देशों के बीच खेले गए मैच में रनों के अंतर से यह सबसे बड़ी जीत थी। शुभमन गिल ने पिछले महीने श्रीलंका के खिलाफ डेब्यू करने के बाद से अपने पिछले पांच टी20 मैचों में सिर्फ 76 रन बनाए थे। गिल और कोहली अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी चार मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान एक्शन में नजर आएंगे, जिसका पहला मैच नौ फरवरी से शुरू होगा।

42 दिन में भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच होंगे सात मैच

शेड्यूल से लेकर लाइव स्ट्रीमिंग तक, जानें सबकुछ

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट मैचों की सीरीज नौ फरवरी से शुरू होगी। कंगारू टीम 42 दिन में भारतीय जमीन पर दो सीरीज खेलेगी। पहले टेस्ट सीरीज की शुरुआत होगी और फिर वनडे सीरीज खेली जाएगी। आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में पहले स्थान पर काबिज ऑस्ट्रेलिया छह साल बाद भारत में टेस्ट सीरीज खेलेगी। पिछली बार वह 2017 में चार टेस्ट खेलने आया था। हम आपको 10 सवालों के जरिए कंगारू टीम के इस दौरे के बारे में सबकुछ बता रहे हैं...

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच कितने टेस्ट और वनडे खेले जाएंगे?

ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत के दौरे पर चार टेस्ट मैच खेलेगी। इसके बाद तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी।

टेस्ट सीरीज की शुरुआत कब और कहां होगी?

टेस्ट सीरीज की शुरुआत नौ फरवरी को होगी। पहला मुकाबला नागपुर के विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाएगा।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज का शेड्यूल क्या है?

पहला टेस्ट 9-13 फरवरी नागपुर सुबह 9:30 बजे, दूसरा टेस्ट 17-21 फरवरी दिल्ली सुबह 9:30 बजे, तीसरा टेस्ट 1-5 मार्च धर्मशाला सुबह 9:30 बजे, चौथा टेस्ट 9-13 मार्च, अहमदाबाद सुबह 9:30 बजे

टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में कौन-कौन शामिल है?

टेस्ट सीरीज के पहले दो मैचों के लिए टीम इंडिया की घोषणा हो चुकी है।

भारतीय टीमः रोहित शर्मा (कप्तान) शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, अक्षर पटेल, केएल राहुल, एस भरत, ईशान किशन, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, जयदेव उनादकट।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज का रिकॉर्ड क्या है?

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक 27 टेस्ट सीरीज खेली जा चुकी है। ऑस्ट्रेलिया 12 और भारत 10 में जीता है। पांच सीरीज बराबरी पर रही है। भारत में दोनों देशों के बीच 14 सीरीज खेली गई है। इस दौरान टीम इंडिया आठ और ऑस्ट्रेलिया चार सीरीज में जीती है। दो सीरीज में दोनों टीमें बराबरी पर रही हैं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट रिकॉर्ड क्या है?

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक 102 टेस्ट मैच खेले गए हैं। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया ने 43 और भारत ने 30 जीते हैं। 28 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। एक मैच टाई रहा है। भारत में खेले गए टेस्ट मैचों की बात करें तो दोनों टीमों के बीच यहां 50 मैच खेले जा चुके हैं। भारत ने 21 और ऑस्ट्रेलिया ने 13 जीते हैं। 15 मैच ड्रॉ रहे हैं और एक टाई हुआ है।

पिछली पांच में से तीन टेस्ट सीरीज में भारतीयों का रहा दबदबा, अश्विन-जडेजा और पुजारा बने थे हीरो

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नौ फरवरी से चार टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी। इसे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज भी कहते हैं। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) के लिहाज से यह सीरीज टीम इंडिया के लिए काफी महत्वपूर्ण है। भारतीय टीम को अगर WTC के फाइनल में पहुंचना है तो यह सीरीज जीतनी होगी। टीम इंडिया को कम से कम दो टेस्ट जीतने होंगे।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के पॉइंट्स टेबल में भारत फिलहाल दूसरे नंबर पर है। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई टीम शीर्ष पर है। ऑस्ट्रेलिया का फाइनल में पहुंचना लगभग तय माना जा रहा है। वहीं, दूसरे स्थान के लिए भारत समेत दो-तीन टीमों में टक्कर है। शीर्ष दो पर रहने वाली टीमें जून में फाइनल खेलेंगी।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत में 2017 में जीता था पिछला टेस्ट

ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत दौरे के लिए काफी तैयारी कर रही है। टीम स्पिन पिच बनाकर प्रैक्टिस कर रही है। ऑस्ट्रेलिया की टीम पिछले कुछ समय से शानदार फॉर्म में रही है। एक जनवरी 2022 के बाद से ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 12 टेस्ट खेले हैं। इनमें से सात में जीत हासिल की है।

ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका और पाकिस्तान को उनके घर में भी हराया है। वहीं, टीम इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका को भी हरा चुकी है। हालांकि, भारत दौरे पर ऑस्ट्रेलियाई टीम 2017 के बाद कोई टेस्ट नहीं जीत सकी है। 2017 में पुणे में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 333 रन से हराया था।

पिछली पांच सीरीज में भारत का रहा दबदबा

दोनों के बीच खेली गई पिछली पांच टेस्ट सीरीज में से चार सीरीज भारतीय टीम ने जीती है। ऑस्ट्रेलिया ने पिछली बार 2014/15 में टीम इंडिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीती थी। इसके बाद 2017, 2018/19 और 2020/21 में भारत ने टेस्ट सीरीज पर कब्जा जमाया। सिर्फ टीम इंडिया ही नहीं भारतीय खिलाड़ियों का भी इन सीरीज में जलवा रहा है। पिछली पांच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में से तीन बार भारतीय खिलाड़ियों ने प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीता है।

2013 में ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे पर (4 टेस्ट) रविचंद्रन अश्विन प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे। उन्होंने इस सीरीज में गेंद से कहर बरपाते हुए चार मैचों में 29 विकेट झटके थे। भारत ने यह सीरीज 4-0 से अपने नाम की थी। इसके बाद 2014/15 में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर गई थी। यह वही सीरीज है जिसमें महेंद्र सिंह धोनी ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। ऑस्ट्रेलिया ने इस बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत को 2-0 से हराया था। स्टीव स्मिथ को प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड दिया गया था। वह चार मैचों में 769 रन के साथ सीरीज के टॉप स्कोरर रहे थे।

2017 में ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत दौरे पर आई थी। चार टेस्ट की इस सीरीज को भारत ने 2-1 से अपने नाम किया था। रवींद्र जडेजा को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था। उन्होंने सीरीज में सबसे ज्यादा 25 विकेट लेने के अलावा 127 रन भी बनाए थे। 2018/19 में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चेतेश्वर पुजारा प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे।

इस दौरान सीरीज को टीम इंडिया ने 2-1 से अपने नाम किया था। पुजारा 521 रन के साथ सीरीज के टॉप स्कोरर रहे थे। इनमें तीन शतक शामिल है। 2020/21 में भी भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई थी।

नौ फरवरी से नागपुर में खेला जाएगा पहला टेस्ट

इस सीरीज का पहला टेस्ट हारने के बाद टीम इंडिया ने जबरदस्त वापसी की थी। भारत ने सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी। हालांकि, प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड आश्चर्यजनक रूप से तेज गेंदबाज पैट कमिंस को दिया गया था।

कमिंस ने इस सीरीज में चार मैचों में सबसे ज्यादा 21 विकेट लिए थे। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि इस साल कौन प्लेयर ऑफ द सीरीज बनता है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट नागपुर, दूसरा दिल्ली, तीसरा धर्मशाला और चौथा टेस्ट अहमदाबाद में खेला जाएगा।

महंगाई से बड़ी राहत! 29.50 रुपये प्रति किलो मिलेगा आटा, 6 फरवरी से शुरू होगी बिक्री

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। उच्च कीमत पर आटा खरीदने वाले ग्राहकों के लिए सरकार ने बड़ी राहत दी है। सरकार सस्ते आटे की सप्लाई जल्द शुरू करने जा रही है। ग्राहक 29.50 रुपये प्रति किलो कीमत पर आटा ओपन मार्केट सेल स्कीम के तहत खरीद सकते हैं। सरकार इसे 'भारत आटा' के नाम से बेचेगी। 6 फरवरी से से इसकी बिक्री शुरू होगी। उपभोक्ता मामले के मंत्रालय की ओर से एक बयान में कहा गया है कि सरकारी आउटलेट्स से 29.50 रुपये प्रति किलोग्राम में आटा खरीदा जा सकता है। बयान में जानकारी दी गई है कि नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया और नेशनल फाउंडेशन फॉर क्रेडिट काउंसलिंग 6 फरवरी से इसकी बिक्री शुरू करेंगे। देश में अभी आटे की कीमत 38 रुपये प्रति किलोग्राम से भी ज्यादा है। ऐसे में सरकार की ये स्कीम लोगों को सस्ती दर पर आटा उपलब्ध कराएगी। खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव संजीव चोपड़ा ने एक बैठक में ओपन मार्केट सेल स्कीम की समीक्षा की है। बैठक में फैसला लिया गया है कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) डिपो से केंद्रीय भंडार, एनएफेड और एनसीसीएफ संस्थान 3 एलएमटी तक गेहूं उठाएंगे। इसके बाद इस गेहूं को आटा में बदलने के बाद कई खुदरा दुकानों और सरकारी आउटलेट के माध्यम से ग्राहकों तक 29.50 रुपये में आटा दिया जाएगा।

गडकरी बोले- 2024 तक अमेरिका जैसी होंगी भारत की सड़कें

कहा- ये बजट हमें ग्रीन एनर्जी की ओर ले जाएगा

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बजट की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि ये पहला बजट है जो हमें ग्रीन एनर्जी की ओर लेकर जाएगा। इस दौरान गडकरी ने फिर 2024 खत्म होने से पहले भारत का रोड इंफ्रास्ट्रक्चर अमेरिका जैसा करने की बात दोहराई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दिल्ली से देहरादून और चंडीगढ़, जयपुर जाना इतना आसान और सुगम बना देंगे कि लोग फ्लाइट लेना बंद कर देंगे। 2023-24 के बजट में सड़क परिवहन मंत्रालय को 2.70 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। गडकरी ने कहा कि देश के इंफ्रास्ट्रक्चर को बदलने के लिए पिछड़े इलाकों में ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। हमारी प्राथमिकता इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट है।

बजट आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को गति देगा

केंद्रीय राजमार्ग मंत्री ने कहा कि इस बजट से पीएम के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को गति मिलेगी। जल्द ही हम दुनिया की सुपर इकोनॉमी बनेंगे, हमारा मुकाबला सिर्फ खुद से है। देश का विकास सड़क से जुड़ा है, सड़क बनने पर ही विकास होता है। सड़क अच्छी होगी तो इलाके में इंडस्ट्री आएगी, जिससे लोगों को रोजगार मिलेगा और लोगों की बेरोजगारी दूर होगी।

गडकरी बोले- विपक्ष का काम ही है अलोचना करना

बजट की विपक्षी नेताओं की ओर से हो रही आलोचना पर नितिन गडकरी ने कहा कि कुछ लोग समझकर भी नासमझ होते हैं, उन्हें क्या कहेंगे? विपक्ष का काम ही आलोचना करना है, वो तो बजट पर सवाल उठाएगा ही। वहीं, राजधानी दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर गडकरी ने कहा कि यहां आते ही मेरी तबीयत बिगड़ने लगती है। प्रदूषण से निपटने के लिए हमें हाइड्रो पॉवर, सोलर पॉवर और ग्रीन एनर्जी को बढ़ाना होगा। ये पहला बजट है जो हमें ग्रीन एनर्जी की ओर लेकर जाएगा। यह पहला मौका नहीं है जब नितिन गडकरी ने भारत की रोड अमेरिका जैसी बनाने की बात कही है।

29 दिसंबर 2022 को गोवा में जुआरी नदी पर पुल का उद्घाटन करने के दौरान भी उन्होंने भारत का रोड़ इंफ्रास्ट्रक्चर अमेरिका जैसा करने का वादा किया था।

लगातार 5वें दिन बाजार में तेजी:सेंसेक्स 909 अंक बढ़कर 60,841 पर बंद, निफ्टी 243 अंक चढ़ा

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में हफ्ते के पांचवें और आखिरी कारोबारी दिन, यानी शुक्रवार को तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 909 अंकों की तेजी के साथ 60,841 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 243 अंकों की तेजी के साथ 17,854 के स्तर पर पहुंच गया है। बाजार में लगातार पांचवें दिन यह तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 में तेजी रही। वहीं 10 शेयरों में गिरावट देखने को मिली। मार्केट में इस तेजी के बीच अडाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में लगातार गिरावट जारी है। अडाणी ट्रांसमिशन में 10% और अडाणी एंटरप्राइजेज में 2.19% की गिरावट देखने को मिली। इसके अलावा अडाणी पोर्ट्स में 5.61%, टोटल गैस, विल्मर और पावर में करीब 5-5% की गिरावट रही। अडाणी ग्रुप द्वारा हाल ही में खरीदी गई कंपनी एनडीटीवी में भी 5% की गिरावट देखने को मिली। वहीं अंबुजा सीमेंट में 5.56% और एसीसी में 4.28% से ज्यादा की तेजी आई। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट सामने आने के बाद से अडाणी ग्रुप के शेयरों में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। टाइटन, अडाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और एचडीएफसी समेत निफ्टी-50 के 36 शेयरों में तेजी देखने को मिली। वहीं डिविस लैब, अडाणी एंटरप्राइजेज, बीपीसीएल, टाटा कंज्यूमर, हिंडाल्को,एचडीएफसी और विप्रो समेत निफ्टी के 14 शेयरों में गिरावट नजर आई। एनएसई के 11 सेक्टोरल इंडेक्स में से 7 में तेजी देखने को मिली। पीएसयू बैंक सेक्टर में सबसे ज्यादा 3.07% की तेजी रही। फाइनेंशियल सर्विसेज में 2.36%, बैंक में 2.04%, प्राइवेट बैंक में 1.64% और ऑटो सेक्टर में 1.25% तेजी देखने को मिली। एफएमसीजी और आईटी सेक्टर में मामूली तेजी रही। वहीं मीडिया, मेटल, फार्मा और रियल्टी सेक्टर में गिरावट रही। इससे पहले शेयर बाजार में हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन, यानी गुरुवार (2 फरवरी) को भी तेजी रही थी। सेंसेक्स 224 अंकों की तेजी के साथ 59,932 के स्तर पर बंद हुआ था। हालांकि, निफ्टी में मामूली गिरावट देखने को मिली थी। निफ्टी 6 अंकों की गिरावट के साथ 17,610 के स्तर पर आ गया था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय
सूर्य-	मकर	में	मकर- 05-33 बजे
चंद्र-	कर्क	में	कुंभ - 07-23 बजे
मंगल	वृष	में	मीन... 09-02 बजे
बुध-	धनु	में	मेष-- 10-38 बजे
गुरु-	मीन	में	वृष-- 12-22 बजे
शुक्र-	कुंभ	में	मिथुन..14-22 बजे
शनि-	कुंभ	में	कर्क... 16-35 बजे
राहु-	मेष	में	सिंह... 18-47 बजे
केतु-	तुला	में	कन्या..20-52 बजे
			तुला 22-59 बजे
			वृश्चिक.01-09 बजे
			धनु.....03-22 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944, कलियुग अवधि-432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549**,हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-शिशिरदिशाशूल-पूर्व • अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी- **21 -30** तक उपरान्त पूर्णिमा
मास - माघ शुक्ल पक्ष , शनिवार **Feb 04**
नक्षत्र - पुनर्वसु - **09 -16** तक उपरान्त पुष्य
योग - प्रीति- **13 - 51** - तक उप आयुष्मान
करण- गर - **08 - 14** - तक उप- वणिज
विशेष:-
व्रत -त्योहार - रामचरण रामस्नेही जं.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
09:39 से
11:05 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	**06:51 - 08:14**	अशुभ	लाभ.	**18:09 - 19:46**	शुभ
शुभ.	**08:14 - 09:39**	शुभ	उत्पात	**19:46 - 21:21**	अशुभ
रोग	**09:39 - 11:05**	अशुभ	शुभ	**21:21 - 22:55**	शुभ
उत्पात	**11:05 - 12:30**	अशुभ	अमृत	**22:55 - 00:30**	शुभ
चंचल	**12:30 - 13:55**	शुभ	चंचल	**00:30 - 02:05**	शुभ
लाभ	**13:55 - 15:21**	शुभ	रोग	**02:05 - 03:39**	अशुभ
अमृत	**15:21 - 16:46**	शुभ	काल	**03:39 - 05:14**	अशुभ
काल	**16:46 - 18:09**	अशुभ	लाभ	**05:14 - 06:51**	शुभ

अपने उच्च स्तर से नीचे फिसलने के बाद भी सोने में तेजी बरकरार

जानिए क्या है 10 ग्राम सोने का भाव?

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। 1 फरवरी को वित्त मंत्री द्वारा बजट पेश (बजट 2023) करने के बाद से ही सोने के भाव में लगातार बढ़त देख जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में गुरुवार को सोने ने अपनी ऑल टाइम हाई भाव यानी 58,800 के लेवल को छुआ। आज सोना कल के मुकाबले सोना 57,800 रुपये पर खुला है। ऐसे में कल से आज सोना 1,000 रुपये तक सस्ता हो गया है। वहीं अगर सर्राफा मार्केट की बात की जाए तो गोल्ड के भाव में कल खूब तेजी दर्ज की गई है। सोने के बढ़ते भाव को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि सोना 60,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव को पार कर सकता है। अगर आज के सोने के ओपनिंग भाव की बात करें तो यह कल के मुकाबले 0.43 फीसदी की गिरावट यानी 246 रुपये सस्ता होकर खुला था। सुबह 11:30 बजे तक सोना 57,810 रुपये पर कारोबार कर रहा है। सोना कल 58,114 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की बात करें तो यह आज हरे निशान के साथ मार्केट में खुली है। चांदी शुरुआती दौर में 143 रुपये यानी 0।2 फीसदी की तेजी के साथ 70,347 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रही थी। सुबह 11:30 मिनट पर इसके प्राइस में गिरावट दर्ज की गई है और यह 70,099 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा है। वहीं गुरुवार के दिन चांदी 70,204 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।शुक्रवार सुबह तक इंटरनेशनल मार्केट में सोने के भाव में गिरावट दर्ज की जा रही थी और यह 1,930 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी की बात करें तो इसके भाव बढ़त दर्ज की गई है और यह 23.615 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। ग्लोबल राजनीतिक और आर्थिक हालात के चलते सोने के दामों में आने वाले दिनों में तेजी जारी रहने की उम्मीद है। मंदी की चिंता, महंगाई और क्रिप्टो एसेट्स की मांग में कमी के चलते भी सोने की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। कई जानकारों का मानना है कि आने वाले दिनों में सोना 62,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के लेवल को भी छू सकता है।

भारत में टैक्स चुकाने वाले 2 करोड़ से कम

कुल आबादी में सिर्फ 6% ही टैक्सपेयर, अमेरिका में 60% लोग करदाता

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। हमारे देश में महज 6% टैक्सपेयर हैं, जिनमें भी 5.5% पर शून्य टैक्स है। 2020-21 में आखिरी बार सार्वजनिक हुए आंकड़ों के मुताबिक, देश की कुल 132 करोड़ की आबादी में 8.22 करोड़ टैक्सपेयर थे। इनमें 7.5 करोड़ शून्य टैक्स के दायरे में थे। वहीं, एक बड़ी आबादी मोटी कमाई करने के बावजूद कोई टैक्स नहीं चुका रही। न सिर्फ सरकार बल्कि कई अर्थशास्त्री भी इस पर चिंता जता चुके हैं। ऐसे में लगभग 1.5 करोड़ टैक्सपेयर्स के दम पर ही केंद्र सरकार को इनकम टैक्स कलेक्शन करना पड़ रहा है। अमेरिका में 60% आबादी इनकम टैक्स भरती है। देश के इनकम टैक्स कलेक्शन में 48% हिस्सेदारी यूपी-बिहार और एमपी समेत 5 राज्यों की है। 1 लाख रु. से ज्यादा टैक्स भरने वालों की संख्या : 30,08,033 1-10 लाख रुपए के बीच टैक्स चुकाने वाले करदाता : 27,93,463 10-50 लाख रु. तक टैक्स चुकाने वालों की तादाद : 1,96,535 50 लाख से 1 करोड़ रुपए टैक्स देने वालों का आंकड़ा : 12,963 1 करोड़ रुपए से ज्यादा टैक्स चुकाने वालों की संख्या : 5,072 केंद्र द्वारा कुल टैक्स कलेक्शन में राज्यों के हिस्से 10.21 लाख करोड़ रु. आते हैं, जिसमें यूपी 1.8 लाख करोड़ रु. यानी 18% की हिस्सेदारी के साथ पहले पर है। बिहार की 10%, मध्यप्रदेश की 8% और महाराष्ट्र-राजस्थान की 6-6% है। वित्त मंत्री द्वारा राज्यसभा में दिए जवाब के मुताबिक, साल 2021-22 में 10 लाख से एक करोड़ रु. कुल इनकम वाले लोग 77 लाख हो गए।

वेल्थ हुरुन इंडिया-2021 की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में एक साल के अंदर 7 करोड़ से ज्यादा संपत्ति वाले 11% बढ़कर 4.58 लाख हो गए।

चुनौतियों से जूझ रहे अदाणी समूह को फिच से मिली अच्छी खबर, रेटिंग एजेंसी ने कही बड़ी बात

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। अदाणी समूह के शेयरों में गिरावट के बीच ग्लोबल रेटिंग एजेंसी फिच से अदाणी समूह को एक राहतभरी खबर मिली है। फिच के अनुसार समूह के संपत्तियों की रेटिंग पर रिपोर्ट के बाद फिलहाल कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। रेटिंग एजेंसी ने साफ किया है कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से अदाणी समूह के क्रेडिट प्रोफाइल पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। बता दें कि अदाणी हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद अदाणी समूह ने अपने एफपीओ को वापस ले लिया था। उसके बाद समूह के शेयरों में बड़ी गिरावट दिखी थी।

फिच ने कहा है कि हम लगातार हालात की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। हालिया घटनाक्रम का ग्रुप के कैश फ्लो पर किसी भी तरह का कोई असर नहीं पड़ा है। हम समूह की वित्तीय स्थिति और अन्य गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं। फिच को उम्मीद है कि अदाणी समूह के नकदी प्रवाह के पूर्वानुमान में कोई बड़ा बदलाव फिलहाल नहीं दिख रहा है। दूसरी ओर मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विसेज ने भी शुक्रवार को कहा है कि वह अदाणी समूह की लिक्विडिटी पोजिशन और वित्तीय उतार-चढ़ाव पर नजर बनाए हुए है। मूडीज ने कहा है कि वह हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद अदाणी समूह के शेयरों में जारी गिरावट पर नजर रख रही है। मूडीज के अनुसार हालिया घटनाक्रम समूह पर नकारात्मक असर डाल रहे हैं और इससे आने वाले एक-दो वर्षों में समूह की कर्ज लेने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।

अडाणी के शेयर में 35% गिरावट, फिर 50% रिकवरी

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से पहले एक शेयर 3400 रुपए का था, अब कीमत 1531 बची

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। अडाणी ग्रुप पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर गुरुवार को संसद से बाजार तक हंगामा मचा रहा। अमेरिकी स्टॉक एक्सचेंज डाउ जोंस ने अडाणी एंटरप्राइजेज को सस्टेनबिलिटी इंडेक्स से बाहर कर दिया। इसके बाद कंपनी के शेयर 35% तक गिर गए। हालांकि इसके बाद शेयर में रिकवरी आई और यह केवल 2.19% की गिरावट के साथ 1,531 रुपए पर बंद हुए। निचले स्तर से शेयर में 50% की रिकवरी देखने को मिली इधर, अडाणी ग्रुप में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और एलआईसी का पैसा लगाने के मुद्दे पर लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही लगातार दूसरे दिन स्थगित करनी पड़ी। विपक्ष इसकी जांच जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) या सुप्रीम कोर्ट के पैनल से कराने की मांग कर रहा है। इस वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि देश का शेयर मार्केट नियमों के मुताबिक चल रहा है। अडाणी के बिजनेस विवाद की वजह से निवेशकों का भरोसा डगमगाने की आशंका नहीं है। 24 जनवरी की शाम को हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने से पहले अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर की कीमत 3400 रुपए के करीब थी। गुरुवार को यह करीब एक हजार रुपए तक नीचे आ गया। फिर रिकवर होकर 1,531 रुपए पर बंद हुआसरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने अडाणी ग्रुप को 21.38 हजार करोड़ रुपए का लोन दिया है। वहीं, फाइनेंस और इंश्योरेंस कंपनी एलआईसी ने पिछले कुछ साल में अडाणी ग्रुप में 30,127 करोड़ रुपए का इन्वेस्टमेंट किया है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने से पहले एलआईसी का ग्रुप के शेयरों से प्रॉफिट 81,000 करोड़ रुपए था, जो 2 फरवरी को 43,000 करोड़ रुपए रह गया। विपक्षी नेताओं का कहना है कि शेयर बाजार का यह अमृतकाल का सबसे बड़ा महाघोटाला है। एसीई इक्विटी के पास अवेलेबल डेटा के मुताबिक, 31 दिसंबर 2022 तक एलआईसी के पास अडाणी ग्रुप में करीब 1% (0.975%) हिस्सेदारी है। बीते 6 ट्रेडिंग सेशन में एलआईसी का अडाणी ग्रुप में इन्वेस्टमेंट लगभग आधा रह गया है। विपक्ष का कहना है कि लोगों की मेहनत का पैसा बर्बाद हो रहा है। लोगों का विश्वास स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और एलआईसी से उठ जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संसद परिसर में इस मामले को लेकर विपक्षी पार्टियों की मीटिंग बुलाई। इसमें कांग्रेस, टीएमसी, आम आदमी पार्टी (एएपी), सपा, डीएमके, जनता दल और लेफ्ट समेत 13 पार्टियां शामिल हुईं। इसके बाद कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता 6 फरवरी को देशभर के जिलों में स्थित एलआईसी और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया कार्यालयों के सामने विरोध-प्रदर्शन करेंगे।

अदाणी विवाद से ग्रीन एनर्जी सेक्टर पर संकट

विभिन्न राज्यों में हरित ऊर्जा निवेश पर पड़ सकता है असर

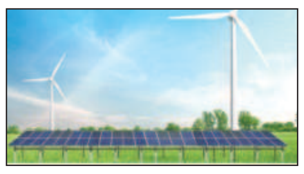

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। अदाणी ग्रुप विवाद से देश के हरित ऊर्जा क्षेत्र पर संकट मंडरा सकता है। अदाणी ग्रुप ने विभिन्न राज्यों के साथ मिलकर हरित ऊर्जा क्षेत्र में निवेश की बड़ी योजनाएं तैयार की थी, लेकिन हिंडनबर्ग रिपोर्ट में हरित ऊर्जा क्षेत्र में काम कर रही अदाणी ग्रुप की कंपनियों पर भी सवाल उठाए गए हैं और इनका बाजार भाव लगातार टूट रहा है। लिहाजा अनुमान लगाया जा रहा है कि पूंजी के अभाव में कंपनी का हरित ऊर्जा क्षेत्र में होने वाला निवेश प्रभावित हो सकता है। इससे देश के हरित ऊर्जा क्षेत्र में तय किए गए लक्ष्य को हासिल करने में भी मुश्किलें आ सकती हैं। अदाणी रिन्यूएबल एनर्जी होल्डिंग फॉर लिमिटेड अदाणी ग्रुप की बड़ी कंपनी है, जो अपनी विभिन्न आनुषंगिक कंपनियों के माध्यम से हरित ऊर्जा क्षेत्र में निवेश करती है। अदाणी ग्रुप हरित ऊर्जा क्षेत्र में विभिन्न कंपनियों के माध्यम से लगभग 20 गीगावाट हरित ऊर्जा उत्पादन की क्षमता हासिल कर चुका है। ग्रुप का देश के अनेक बंदरगाहों पर अधिकार है। स्वयं गौतम अदाणी ने गत वर्ष के सितंबर माह में घोषणा की थी कि उनकी कंपनी बंदरगारों पर स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन करने के लिए 70 अरब डॉलर का निवेश करेगी। समूह ने 2030 तक 30 लाख टन हाइड्रोजन ऊर्जा क्षमता को भी अपने हरित ऊर्जा बेड़े में शामिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। हाल ही में इस कंपनी ने राजस्थान सरकार के संयुक्त उद्यम में 150 अरब डॉलर के निवेश से हरित ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया था।

डाउ जोंस से बाहर होंगे अदाणी के शेयर

इंडेक्स ने हिंडनबर्ग प्रकरण के बाद लिया फैसला

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। अदाणी समूह के तीन शेयरों अदाणी एंटरप्राइजेस, अदाणी पोर्ट्स व स्पेशल इकोनॉमिक जोन और अंबुजा सीमेंट के एएसएम (अतिरिक्त निगरानी उपायों) की लिस्ट में शामिल होने के बाद अमेरिकी बाजार से भी समूह को बड़ा झटका लगा है।

अब डाउ जोंस ने अपने स्थिरता सूचकांक से शेयरों को हटाने का फैसला किया है। अमेरिकी बाजार के इंडेक्स अनाउंसमेंट में कहा गया है कि 7 फरवरी 2023 से कंपनी के शेयर डाउ जोंस स्थिरता सूचकांक से हटा दिए जाएंगे। इंडेक्स की ओर से घोषणा करते हुए कहा गया है कि अदाणी समूह के स्टाक्स में गड़बड़ी की खबरों के बाद यह फैसला लिया गया है। कंपनी के शेयरों को 7 फरवरी 2023 यानी आगामी मंगलवार से इंडेक्स से बाहर कर दिया जाएगा। डाउ जोंस की ओर से यह फैसला हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद अदाणी समूह के शेयरों में आई बड़ी गिरावट के बाद लिया गया है। इस बीच अदाणी समूह ने अपने एफपीओ को वापस लेने का फैसला किया है। इस घटनाक्रम के कारण अदाणी एंटरप्राइजेस के शेयर जो 3442 रुपये प्रति शेयर के भाव पर करोबार कर रहे थे वे 1565 रुपये प्रति शेयर के भाव तक लुढ़क गए हैं। कंपनी के शेयरों में 55 प्रतिशत तक की गिरावट आ गई है।

आपका राशिफल

मेष (धू धे धो ला ली लू ले लो ञा): अपने मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखें- जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। मन जीवन का प्रवेश द्वार है क्योंकि सब कुछ चाहे वह अच्छा हो या बुरा मन के माध्यम से आता है। यह जीवन की समस्याओं को हल करने में मदद करता है और व्यक्ति को अपेक्षित प्रकाश प्रदान करता है।

वृष (ई उ ए जो वा वी वू वे वो): सेहत के मामले में ख़ुद को नज़रअंदाज़ न करें, सावधान रहें। आज आपको पैसे अटकने में समस्या होगी- आप ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च कर सकते हैं या अपना बटुआ खो सकते हैं- लापरवाही से कुछ नुकसान होना तय है। आज आपको जो खाली समय मिलता है उसका लाभ उठाएं और परिजनों के साथ प्यार भरे पल बिताएं।

मिथुन (का की कू घ ड झ के को हा): अपनी बीमारी के बारे में चर्चा करने से बचें। बीमारी से अपना ध्यान हटाने के लिए किसी काम में खुद को व्यस्त रखें क्योंकि जितना अधिक आप अपनी बीमारी के बारे में बात करते हैं वह उतनी ही खराब होती जाती है। आज धन हानि होने की संभावना है इसलिए लेन-देन या किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करते समय आपको सतर्क रहने की आवश्यकता है।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): रचनात्मक शौक आपको तनावमुक्त रखेंगे। अपने अतिरिक्त पैसे को एक सुरक्षित स्थान पर रखें जो आने वाले समय में आपको रिटर्न देने का वादा करेगा। संतान के साथ वाद-विवाद निराशाजनक रहेगा। प्यार का सफ़र अच्छा लेकिन छोटा रहेगा। आज काम के सिलसिले में आपको बहुत गुस्सा आ सकता है।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपनी घृणा को मारने के लिए एक सामंजस्यपूर्ण स्वभाव विकसित करें क्योंकि यह प्रेम से अधिक शक्तिशाली है और आपके शरीर को घातक रूप से प्रभावित करता है। याद रखें बुराई की जीत अच्छाई से जल्दी होती है। जैसे-जैसे आपके माता-पिता समर्थन देंगे, वित्तीय परेशानियाँ खत्म होती नज़र आएंगी।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ट पे पो): आज यात्रा करने से बचें- क्योंकि इससे सिर्फ़ तनाव और चिंता ही होगी। सभी निवेश सोच-समझकर और उचित सलाह-मशविरे से करने की ज़रूरत है ताकि बेवजह के नुकसान से बचा जा सके। पारिवारिक ज़िम्मेदारियाँ बढ़ेंगी- आपके दिमाग़ में तनाव रहेगा। आपकी लव लाइफ आज एक खूबसूरत मोड़ लेगी।

तुला (र री रु रे रो ता तू ते): आपका मन अच्छी बातों के प्रति ग्रहणशील रहेगा। लंबित मुद्दे अस्पष्ट हो जाते हैं और ख़र्चे आपके दिमाग़ पर छा जाते हैं। आपके माता-पिता का स्वास्थ्य चिंता और चिंता का कारण बनता है। अपने प्रिय की वफादारी पर शक न करें। इस राशि के जातकों को कार्यस्थल पर आवश्यकता से अधिक बोलने से बचना चाहिए।

वृश्चिक (तो मा मी मू मे मो य यी यू): छोटी-छोटी बातों को अपने दिमाग पर हावी न होने दें। आपको समय और धन की कद्र करनी चाहिए नहीं तो आने वाला समय परेशानियों और चुनौतियों से भरा होगा। आपके परिवार के सदस्य आपके प्रयास और समर्पण की सराहना करते हैं। आज के दिन इस राशि के कुछ जातक अपने पार्टनर से रिश्ता तोड़ सकते हैं।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): क्षणिक आवेग में आकर निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें, इससे आपके बच्चों के हित को नुकसान पहुंच सकता है। हालाँकि आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा लेकिन धन का बहिर्गमन आपकी परियोजनाओं को पूरा करने में बाधा उत्पन्न करेगा। आपको आराम करने और करीबी दोस्तों और परिवार के सदस्यों के बीच खुशी खोजने की कोशिश करने की ज़रूरत है।

मकर (भे जे जी खी खू खो मा मी): चिंता के विचार आपकी खुशियों को बर्बाद कर सकते हैं। अनुमति न दें क्योंकि यह केवल विनाशकारी शक्ति का पालन करता है और बुद्धि में निराशाजनक बीज बोता है। अपने आप को हमेशा सर्वश्रेष्ठ की उम्मीद करने के लिए प्रोत्साहित करें और दुर्घटनाओं में भी बेहूदा देखने की कोशिश करें। दिन के उत्तरार्ध में आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आपको अपना अतिरिक्त समय अपने शौक को पूरा करने या उन चीजों को करने में लगाना चाहिए जिन्हें आप सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। खर्च करने की इच्छा न करें अन्यथा आप खाली जेब घर आएंगे। संबंधों के बंधनों और संबंधों के नवीनीकरण का दिन। अगर आप अपने प्रेमी से शादी करना चाहते हैं।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो च ची): बेवजह का तनाव और चिंता आपके जीवन का रस चूस सकती है और आपको रूखा बना सकती है। बेहतर होगा कि आप इनसे छुटकारा पा लें अन्यथा ये आपकी समस्या को और बढ़ा देंगे। सभी प्रतिबद्धताओं और वित्तीय लेन-देन को सावधानीपूर्वक संभालने की आवश्यकता है। आपको विवादास्पद मुद्दों से बचना चाहिए।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

श्राप से शालिग्राम बने थे विष्णु

6 करोड़ साल पहले पेड़-पौधों के दबने से बने पत्थर : इसी से अयोध्या में बनेगी रामलला की मूर्ति

अयोध्या, 3 फरवरी **(एक्सक्लूसिव डेस्क)।** नेपाल के जनकपुर से 40 टन वजनी शालिग्राम की 2 शिलाएं 7 दिन के सफर के बाद अयोध्या पहुंचीं हैं। इन्हीं शिलाओं से भगवान राम और माता सीता की भव्य मूर्तियां बनाई जाएंगी। माना जा रहा है कि ये मूर्तियां अयोध्या में बने भव्य राम मंदिर के गर्भगृह में स्थापित की जाएंगी।

आज जानेंगे कि भारत में इतने पत्थर होने के बावजूद भगवान राम की मूर्ति बनाने के लिए नेपाल से क्यों लाया गया पत्थर? शालिग्राम शिलाओं का धार्मिक महत्व और वैज्ञानिक खासियत क्या है?

साइंस की भाषा में शालिग्राम डेवोनियन-क्रिटेशियस पीरियड का एक काले रंग का एमोनोइड शेल फॉसिल्स है। डेवोनियन-क्रिटेशियस पीरियड 40 से 6.6 करोड़ साल पहले था। ये वो पीरियड था जब धरती के 85% हिस्से पर समुद्र होता था। जीवाश्म शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है, 'जीव' तथा 'अश्म'। अश्म का अर्थ होता है- पत्थर। इस प्रकार जीवाश्म का अर्थ हुआ वह जीव जो पत्थर बन गया। अंग्रेजी में जीवाश्म को फॉसिल कहा जाता है।

जीवाश्म करोड़ों सालों तक पृथ्वी की सतह में गहरे दबे हुए जंतुओं एवं वनस्पति अवशेषों से बने हैं। जीव अवशेष धीरे-धीरे तलछट के नीचे दबकर एकत्रित हो जाते हैं जिससे उन्हें ऑक्सीजन उपलब्ध नहीं हो पाती। तलछट के आवरण के कारण न तो जीव अवशेषों का ऑक्सीकरण हो पाता है और न ही विघटन। इसी के चलते ये जीवाश्म मजबूत और कठोर चट्टान में बदल जाते हैं।

प्राचीनकाल की मूर्तिकला में इस पत्थर का इस्तेमाल किया जाता रहा है। शालिग्राम पत्थर बेहद मजबूत होते हैं। इसलिए शिल्पकार बारीक से बारीक आकृति उकेर लेते हैं। अयोध्या में भगवान राम की सांवली प्रतिमा इसी तरह की शिला पर बनी है।

जीवाश्मों को हिंदू पवित्र मानते हैं क्योंकि माधवाचार्य ने उन्हें अष्टमूर्ति से प्राप्त किया था। माधवाचार्य को व्यासदेव के नाम से भी जाना जाता है। यह विष्णु के प्रतीक यानी शंख जैसा होता है। शालिग्राम अलग-अलग रूपों में मिलते हैं। कुछ अंडाकार होते हैं तो कुछ में एक छेद होता है। इस पत्थर में शंख, चक्र, गदा या पद्म की तरह निशान बने होते हैं।

धार्मिक मान्यताः भगवान विष्णु ने तुलसी के पति को छल से मारा, श्राप के चलते पत्थर बने

देवी भागवत पुराण के अध्याय 24, शिव पुराण के अध्याय 41 के अलावा ब्रह्मवैवर्त पुराण में शालिग्राम शिला की उत्पत्ति के बारे में विस्तार से बताया गया है। वृषध्वज नाम का एक राजा था। वह शिव के अलावा किसी और देवता की पूजा नहीं करता था। इसी के चलते सूर्य ने उसे श्राप दिया कि वह और उसकी पीढ़ियां गरीब ही रहेंगी।

अपनी खोई हुई समृद्धि को पाने के लिए वृषध्वज के पोते धर्मध्वज और कुशध्वज देवी लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए तपस्या करते हैं। देवी लक्ष्मी तपस्या से प्रसन्न होती हैं और उनकी समृद्धि लौटा देती हैं। साथ ही दोनों की पुत्रियों के रूप में जन्म लेने का वरदान देती हैं।

इसके बाद देवी लक्ष्मी कुशध्वज की बेटी वेदवती और धर्मध्वज की बेटी तुलसी के रूप में अवतार लेती हैं। तुलसी अपने पति के रूप में भगवान विष्णु को पाने के लिए बद्रिकाश्रम में तपस्या करने चली जाती हैं। ब्रह्मा उन्हें बताते हैं कि इस जीवन में पति के रूप में विष्णु उन्हें नहीं मिलेंगे और उन्हें शंखचूड़ नामक दानव से विवाह करना होगा। अपने पिछले जन्म में शंखचूड़ ही सुदामा थे। दरअसल, राधा ने सुदामा को श्राप दिया था कि वह अगले जन्म में दानव बनेंगे। इसी वजह से शंखचूड़ स्वभाव से सदाचारी और पवित्र था और विष्णु का भक्त था। उन्होंने ब्रह्मा की आज्ञा पर तुलसी से विवाह किया।

विवाह के बाद शंखचूड़ के नेतृत्व में दानवों ने अपने प्रमुख शत्रुओं, देवताओं के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया। शंखचूड़ के गुणों की वजह से यह युद्ध दानव जीत गए। इसके बाद दानवों ने स्वर्ग से देवताओं को बाहर निकाल दिया। पराजय से हतोत्साहित देवता भगवान विष्णु के पास पहुंचे। उन्होंने बताया कि शंखचूड़ की मौत भगवान शिव के हाथों होनी तय है। देवताओं के अनुरोध पर शिव शंखचूड़ के खिलाफ युद्ध छेड़ देते हैं। हालांकि कोई भी पक्ष एक दूसरे पर हावी नहीं हो पाता। ऐसे में ब्रह्मा जी शिव को बताते हैं कि शंखचूड़ को तब तक नहीं हराया जा सकता, जब तक कि वह अपना कवच पहने हुए है और उसकी पत्नी की पवित्रता भंग न हो जाए।

इसके बाद भगवान विष्णु एक बूढ़े ब्राह्मण का वेश धारण कर शंखचूड़ के पास पहुंचते हैं और भिक्षा कवच मांगते हैं। शंखचूड़ उन्हें अपना कवच दे देता है। इसके बाद वह शिव के साथ युद्ध में व्यस्त हो जाता है। इसी बीच विष्णु कवच पहन कर शंखचूड़ का रूप धारण करते हैं और तुलसी के साथ सहवास करते हैं। इस प्रकार तुलसी की पवित्रता भंग हो जाती है और शिव के त्रिशूल द्वारा शंखचूड़ को मार दिया जाता है।

शंखचूड़ की मृत्यु के क्षण तुलसी को संदेह हो गया कि जो पुरुष उस वक्त उनके साथ था वह शंखचूड़ नहीं था। जब उन्हें पता चला कि विष्णु ने उनके साथ छल किया है तो उन्होंने भगवान विष्णु को पत्थर बनने का श्राप दिया। तुलसी का मानना था कि वह अपने भक्त शंखचूड़ को मारने के लिए और उसकी पवित्रता चुराने के दौरान पत्थर की तरह भावहीन थे।

इसके बाद विष्णु ने तुलसी को यह कहकर सांत्वना दी कि यह उन्हें पति के रूप में पाने के लिए की गई तपस्या का फल था। साथ ही वह अपनी देह त्यागने के बाद फिर से उनकी पत्नी बन जाएंगी। इसके बाद लक्ष्मी ने तुलसी के शरीर को त्याग दिया और एक नया रूप धारण किया जिसे तुलसी के नाम से जाना जाने लगा। तुलसी का परित्यक्त शरीर गंडकी नदी में बदल गया और उसके बालों से तुलसी की झाड़ी निकली।

तुलसी से शापित होने के कारण विष्णु ने गंडकी नदी के तट पर शालिग्राम के नाम से जाने जाने वाले एक बड़े चट्टानी पर्वत का रूप धारण कर लिया। वज्र के समान मजबूत दांतों वाले कीड़े वज्रकिता ने इन चट्टानों पर कई चिह्नों को उकेरा। वज्रकिता द्वारा उकेरे गए पत्थर जो उस पर्वत की सतह से गंडकी नदी में गिरते हैं, शालिग्राम शिला के रूप में जाने जाते हैं।

आदि शंकराचार्य के कई लेखों में इसका जिक्र

आदि शंकराचार्य के कई लेखों में भी शालिग्राम शिला का जिक्र है। वह विष्णु की पूजा में शालिग्राम शिला के उपयोग की सलाह देते हैं। तैत्तिरीय उपनिषद के श्लोक 1, 6, 1 और ब्रह्म सूत्र के 1, 3, 14 में भी शालिग्राम शिला का जिक्र है।

इन 4 बड़े मंदिरों की मूर्तियां भी शालिग्राम शिला

1. उडुपी का कृष्ण मठ

कृष्ण मठ की स्थापना 13वीं शताब्दी में वैष्णव संत जगद्गुरु श्री माधवाचार्य ने की थी।

2. वृंदावन का राधा रमण मंदिर

राधा रमण मंदिर की स्थापना 500 साल पहले गोपाल भट्ट गोस्वामी ने की थी।

3. तिरुवनंतपुरम का पद्मनाभस्वामी मंदिर

श्री पद्मनाभ मंदिर को छठी शताब्दी में त्रावणकोर के राजाओं ने बनवाया था। भगवान विष्णु की मूर्ति शालिग्राम शिला से बनाई गई है।

4. बद्रीनाथ मंदिर

आदि शंकराचार्य ने नौवीं शताब्दी में बद्रीनाथ को एक तीर्थ स्थल के रूप में स्थापित किया था। भगवान बद्रीनाथ की मूर्ति शालिग्राम शिला से बनी हुई है

नेपाल से 26 जनवरी को भेजा गया

नेपाल से इस पत्थर को भिजवाने में नेपाली कांग्रेस नेता और पूर्व डिप्टी पीएम बिमलेंद्र निधि का अहम योगदान है। उन्होंने बताया कि काली गंडकी नदी में पाए जाने वाले ये पत्थर बहुत कीमती हैं। यह व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है कि ये पत्थर भगवान विष्णु के प्रतीक हैं। राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने कहा था कि यदि यह पत्थर मिल जाए तो अयोध्या में राम लला की मूर्ति इसी से बनाई जाएगी। इस अनुरोध के बाद मैं एक्टिव हुआ और पत्थर को अयोध्या पहुंचाने के लिए काम करने लगा।

नेपाल में पोखरा स्थित शालिग्रामी नदी (काली गंडक) से यह दोनों शिलाएं जियोलॉजिकल और आर्किलॉजिकल विशेषज्ञों की देखरेख में निकाली गई हैं। 26 जनवरी को इन्हें ट्रक में लोड किया गया। पूजा-अर्चना के बाद दोनों शिलाओं को ट्रक के जरिए सड़क मार्ग से अयोध्या भेजा गया।

राम मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी कामेश्वर चौपाल ने बताया कि नदी के किनारे से इन विशाल शिलाखंड को निकालने से पहले धार्मिक अनुष्ठान किए गए। नदी से क्षमा याचना की गई। विशेष पूजा की गई। एक शिला का वजन 26 टन जबकि दूसरे का 14 टन है। यानी दोनों शिलाओं का वजन 40 टन है।

त्रिपुरा स्टेट रायफल्स के जवानों पर लगा कुत्तों को मारकर खाने का आरोप

कोरबा, 3 फरवरी (एजेंसियां)। एसईसीएल कुसमुंडा खदान की सुरक्षा में तैनात त्रिपुरा रायफल्स के जवानों पर क्षेत्र के कुत्तों को मारकर खाने का आरोप लगा है। वार्ड पार्षद के नेतृत्व में क्षेत्र के लोगों ने कुसमुंडा पुलिस को ज्ञापन सौंपकर जवानों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। लोगों का यह भी आरोप है,कि जवानों के द्वारा पशुओं के अवशेष को कॉलोनी के बीच फेंक दिया जा रहा है, जिससे उठने वाली दुर्गंध से पूरा इलाका परेशान है।

बड़ी संख्या में आदर्श नगर के

लोगों ने पुलिस से की शिकायत

लोग कुसमुंडा थाना पहुंचे और जवानों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। लोगों का आरोप है कि बीते दिनों त्रिपुरा स्टेट रायफल के कुछ जवान कुत्ते के एक बच्चे को मारने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन कुछ लोगों ने उसे बचा लिया। क्षेत्रीय पार्षद शाहिद कुजूर ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से इलाके में कुत्तों की संख्या में भी कमी आई है। इतना ही नहीं सामुदायिक भवन में रुके जवानों के द्वारा जानवरों के अवशेषों को इधर-उधर फेंका जा रहा है। जिससे उठने वाली दुर्गंध से वे काफी परेशान हैं।

लोगों ने पुलिस को शिकायत पत्र देकर स्पष्ट रूप से कहा कि अगर जवानों के खिलाफ अगर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो उनके द्वारा सामुदायिक भवन में तालाबंदी कर दी जाएगी। कुसमुंडा थाना प्रभारी राजेश जांगड़े ने बताया कि आवेदन दिया गया। जिसके आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है कि वास्तविकता क्या है उसके बाद ही कुछ स्पष्ट हो सकेगा।

हाईकोर्ट ने सरकार को राज्य में अग्नि सुरक्षा ऑडिट कराने का दिया निर्देश

रांची, 3 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड उच्च न्यायालय ने गुरुवार को राज्य सरकार से सभी भवनों का राज्यव्यापी अग्नि सुरक्षा ऑडिट करने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि वह आग लगने की घटनाओं में लोगों की मौत होने के मामले में मूक दर्शक नहीं बनी रह सकती। हाईकोर्ट ने बुधवार को धनबाद बहुमंजिला इमारत में लगी आग का स्वतः संज्ञान लिया, जिसमें 14 लोगों की मौत हो गई और 18 अन्य घायल हो गए।

झारखंड उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह और न्यायमूर्ति दीपक रोशन की खंडपीठ ने अग्नि सुरक्षा पर एक जनहित याचिका को लेकर अग्नि सुरक्षा के महानिदेशक और शहरी विकास विभाग के सचिव को नोटिस जारी कर जवाब मांगा।

पीठ ने सभी जिलों में नगर निकायों और संबंधित उपायुक्तों को यह सुनिश्चित करने के लिए भी नोटिस जारी किया कि अग्नि सुरक्षा मानदंडों का कड़ाई से पालन किया जाए। महाधिवक्ता राजीव रंजन ने अदालत को बताया कि धनबाद और अन्य जिलों में हाल की घटनाओं की जांच करने और रिपोर्ट देने के लिए दो समितियां गठित की गई हैं।

7 करोड़ से ज्यादा की मिलावटी दवा जब्त

रायपुर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में औषधि एवं खाद्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने करोड़ों का माल जब्त किया है। औषधि एवं खाद्य विभाग ने चार जगहों पर छापा मारा। इस दौरान 7 करोड़ से ज्यादा की मिलावटी दवाइयां जब्त की गई हैं। विभाग के पास पहले से ही दवाइयों का मिश्रण कर बेचने की शिकायत मिली थी।

स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देशानुसार, छत्तीसगढ़ खाद्य एवं औषधि विभाग ने 4 जगहों पर छापेमारी की। इनमें बजरंग आयुर्वेदिक एजेंसी (रायपुर) से लगभग 12 लाख 66 हजार गोलियां जब्त की है, जिसकी कीमत लगभग 2 करोड़ 95 लाख बताई जा रही है। विभाग ने याशिका ट्रेडिंग एवं मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड से 3 हजार 960 गोलियां जिसकी कीमत लगभग 92 हजार रुपए, याशिका ट्रेडिंग वेयर हाउस (रायपुर) 3 हजार 973 बोतल की कीमत लगभग 28 लाख रुपए और शारदा मेडिकल स्टोर (सिमगा) से कुल 5 करोड़ रुपए नकली या मिश्रण की हुई दवाइयां जब्त की हैं।

खाद्य एवं औषधि विभाग ने रायपुर और बलौदाबाजार जिले में छापा मारी। इसके लिए खाद्य और औषधि विभाग ने 11 औषधि निरीक्षकों की कुल 4 टीमें गठित की थी। उनको निर्देश दिया गया था कि छत्तीसगढ़ के बाजार में आयुर्वेदिक औषधियों के नाम पर एलोपैथिक औषधियों का मिश्रण कर बेचा जा रहा है।

खाद्य एवं औषधि विभाग की 4 टीमों ने जांच पड़ताल की है। उन्होंने जब्त की गई दवाइयों का पहले शासकीय विश्लेषक की ओर से परीक्षण करवाया है। जिसमें विभाग को आयुर्वेदिक औषधियों में एलोपैथिक औषधियों का मिश्रण मिला है। खाद्य एवं औषधि विभाग का कहना है कि जो दवाइयां जब्त की गई हैं। वह स्वास्थ्य के लिए बहुत ज्यादा हानिकारक है। मिलावटी दवाइयों को खाद्य एवं औषधि विभाग ने जब्त कर लिया है।

आसाराम की गिरफ्तारी की फिल्मी कहानी

9 घंटे छकाने के बाद कहा खुदकुशी कर लूंगा, एसीपी चंचल बोलीं- गेट खोलो नहीं तो तोड़ दूंगी

(एक्सक्लूसिव डेस्क), 3 फरवरी। 81 साल के आसाराम को गुजरात के गांधीनगर सेशन कोर्ट ने एक और महिला से रेप के आरोप में दोषी करार दिया है। इस मामले में कोर्ट ने उसे उम्रकैद की सजा सुनाई। 4 साल पहले भी जोधपुर कोर्ट ने यूपी की एक नाबालिग से रेप के मामले में आसाराम को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। तब से वह जोधपुर की जेल में बंद है। आसाराम को गिरफ्तार करना बेहद मुश्किल टास्क था। गिरफ्तारी के बाद ही आसाराम की तमाम करतूतों से पर्दा उठना शुरू हुआ।

हम आसाराम की पहली गिरफ्तारी का पूरा फिल्मी किस्सा बता रहे हैं। इसके लिए हमने उस केस की इन्वेस्टिगेटिव ऑफिसर और गिरफ्तार करने गई 5 लोगों की कोर टीम का हिस्सा रहीं तब की एसीपी जोधपुर वेस्ट और इस वक्त भीलवाड़ा की एडिशनल एसपी चंचल मिश्रा से विस्तार से बात की

21 अगस्त 2013 से शुरू हुआ सिलसिला

21 अगस्त 2013 की बात है। जोधपुर वेस्ट के डिप्टी कमिश्नर अजय लांबा के ऑफिस में दिल्ली पुलिस की एक टीम दाखिल हुई। टीम के साथ एक नाबालिग लड़की थी, जो आसाराम पर रेप करने का आरोप लगा रही थी। लड़की ने बताया कि मनई गांव स्थित आश्रम में 15 अगस्त की रात उसका रेप हुआ है।

शुरुआत में अधिकारियों को भरोसा नहीं हुआ, लेकिन लड़की आश्रम के हर हिस्से के बारे में बताने लगी तो लांबा के सामने क्राइम सीन क्रिएट हो गया। उनके मन में सवाल उठा कि

जोधपुर से 38 किलोमीटर दूर स्थित आश्रम पर गए बिना कोई कैसे उसके बारे में इतने अच्छे से जान सकता है?

इसके बाद जोधपुर पुलिस आसाराम के खिलाफ सीआरपीसी की धारा 342, 376, 354 (ए), 506, 509 व 134 के तहत पोक्सो की धारा 8 व जेजेए की धारा 23, 26 में केस दर्ज करती है। आईपीएस अजय लांबा ने जोधपुर वेस्ट की एसीपी चंचल मिश्रा को कॉल किया और उन्हें इस केस का इन्वेस्टिगेटिव ऑफिसर बना दिया।

इसके बाद केस की जांच शुरू हुई। लड़की का मेडिकल कराया गया, उसके बयान दर्ज किए गए। आखिर में बयानों को वेरिफाई किया गया। जब ये पूरी तरह से साफ हो गया कि आसाराम ने लड़की का रेप किया है तब पूछताछ के लिए आसाराम को अरेस्ट करने का फैसला लिया गया। 27 अगस्त को समन भेजकर उसे 30 अगस्त को जोधपुर में गिरफ्तारी देने के लिए कहा गया था, लेकिन तय तारीख को आसाराम वहां नहीं पहुंचा।

31 अगस्त 2013, आसाराम की गिरफ्तारी का दिन

चंचल के मुताबिक आसाराम बार-बार लोकेशन चेंज कर रहा था। अचानक पुलिस को उसके इंदौर में होने की जानकारी मिली। चंचल मिश्रा के साथ 5 अधिकारियों की टीम फौरन राजस्थान से इंदौर के लिए रवाना हो गई। वहां क्या-क्या हुआ, अब आगे की कहानी आईपीएस चंचल के ही शब्दों में।

जब हम इंदौर पहुंचे तो एमपी पुलिस आश्रम के चारों तरफ तैनात थी। आसाराम की गिरफ्तारी की जिम्मेदारी हम पांच लोगों पर थी। अंदर पहुंचे तो वहां आसाराम का प्रवचन चल रहा था। सामने करीब 4 हजार भक्त बैठे थे।

'देखो ये लोग आ गए हैं। ये लोग हमें अरेस्ट करके ले जाना चाहते हैं। क्या आप मुझे ले जाने दोगे?'

इस सवाल के जवाब में भीड़ चिल्ला कर कह रही थी कि नहीं बाबा नहीं ले जाने देंगे। भक्तों की ये भीड़ पुलिस के खिलाफ नारेबाजी कर रही थी। आसाराम के नाम का जयघोष हो रहा था। आसाराम का बेटा भी भीड़ को मंच से उकसा रहा था।

भीड़ लगातार बढ़ती जा रही थी। प्राइवेट प्लेस होने की वजह से पुलिस आश्रम में आने वाले

भक्तों को कानूनी तौर पर रोक नहीं सकती थी। सुबह से शाम हो गई, लेकिन अब तक आसाराम पुलिस अधिकारियों से नहीं मिला था। आखिरकार शाम को उसका बेटा नारायण साईं पुलिस अधिकारियों से मिलने के लिए तैयार हुआ। हमने नारायण साईं को समझाया कि उसके पिता को हर हाल में गिरफ्तारी देनी ही होगी, लेकिन वह नहीं माना।

रात होते ही आसाराम अपनी कुटिया में चला गया, जहां वह आराम करता था। यहां कई कमरे एक जैसे थे। बड़ी मुश्किल से हम उस कमरे को खोज पाए, जहां वह मौजूद था। भक्तों ने इस कमरे को भी चारों ओर से घेर रखा था। कमरे के अंदर सिंधी भाषा में आसाराम अपने बेटे से कुछ बोल कर उस पर चिल्ला रहा था। खिड़की के पास खड़े राजस्थान पुलिस के एक अधिकारी को सिंधी भाषा आती थी। ऐसे में बाप-बेटे की बातचीत को वह समझ गया। आसाराम सिंधी भाषा में अपने बेटे से कह रहा था कि और लोगों को बुलाओ जल्दी बुलाओ।

मुझे जैसे ही ये बात पता चली, मैं आसाराम की चाल समझ गई। मैंने घड़ी देखी तो रात के डेढ़ बज चुके थे। आसाराम चाहता था कि किसी तरह सुबह हो जाए। फिर वह देशभर में भक्तों का उग्र प्रदर्शन कराकर गिरफ्तारी से बच जाएगा।

आसाराम पुलिस के गुस्से को शायद भांप गया था। बाकी अधिकारी भी अपने तरीके से गेट खुलवाने का प्रयास कर रहे थे। सुबह से नखरे करने वाला आसाराम अब पुलिस अधिकारियों के सामने पस्त हो गया था। आखिरकार वह डरकर दरवाजा खोल देता है। बिना देर किए हमने आसाराम को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी के बाद भक्तों ने घेर ली पुलिस की गाड़ी

गिरफ्तार होने के बाद भी आसाराम पुलिस के साथ चलने को तैयार नहीं था। वह हमें अपनी ताकत बताकर डराने की कोशिश करने लगा। बाहर उग्र भीड़ पुलिस की गाड़ी को घेर लेती है। वहां मौजूद पुलिस भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग करती है। सभी गेटों के सामने हजारों भक्त जमीन पर लेटे होते हैं। फाइनली हम लोग एक दीवार तोड़कर बाहर निकले। इसके बाद किसी तरह हम लोग आसाराम को लेकर इंदौर एयरपोर्ट पहुंचे और वहां से उसे जोधपुर लेकर गए।

बिना हिंसा के शांति से आसाराम की गिरफ्तारी हमारी टीम के लिए एक बड़ी सफलता की बात थी। संत रामपाल हो या राम रहीम इन सभी की गिरफ्तारी के दौरान भारी हिंसा हुई थी। कई जगहों पर तो केंद्रीय पुलिस तक को बुलाना पड़ा था। हमारी टीम की तैयारी इतनी मजबूत थी कि हमने आसानी से मिशन को अंजाम दिया।

पेंट गोदाम में आग

केमिकल के बक्सों में लगी आग तो उठने लगी बड़ी-बड़ी लपटें, एक महिला कर्मचारी झुलसी

रायपुर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। रायपुर के भनपुरी इलाके में गुरुवार की रात एक गोदाम में अचानक आग लग गई। बड़ी-बड़ी लपटें उठने लगीं। और दूर तक इलाके में धुआं फैल गया। आस-पास कुछ लोगों के घर और दूसरे कर्मशियल गोदाम थे वहां से भी भागकर लोगों ने अपनी जान बचाई और पुलिस एवं फायर टीम को खबर दी।

ये हादसा उरकुरा इलाके में हुआ। जिस जगह आग लगी थी वो पेंट गोदाम था। मैजिक पेंट हाउस में लगी आग की लपटें इतनी भयावह थी कि दो किलो मीटर दूर से ही लपटे दिखाई दे रही थी। फायर ब्रिगेड की टीमें देर रात तक आग पर काबू पाने की कोशिश करती रही। करीब 4 से 5 घंटे तक यहां राहत बचाव का काम किया गया। देर रात तक फायर सेफ्टी कूलिंग का काम भी करती रही ताकि आग और न बढ़े। मौके पर 4 दमकल वाहनों को काम पर लगाया गया था।

इस हादसे में एक महिला के झुलसने की भी खबर है। हालांकि पुलिस के मुताबिक उसे ज्यादा चोट नहीं आई। महिला को फौरन बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल भेज दिया गया था। फिलहाल आग लगने वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। पेंट गोदाम की इस आग को अधी रात बुझा लिया गया था। खमतराई पुलिस थाना प्रभारी सोनल ग्वाला ने बताया कि उरकुरा के एक मैजिक पेंट हाउस में आग लगने की खबर मिलते ही पर मौके पर पहुंची दमकल की 6 से अधिक गाड़ियां आग बुझाने में जुटी रही। देर रात आग को बुझा लिया गया। आग कैसे लगी,यह जांच के बाद ही साफ होगा। इसके बाद ही कुछ कह पाएंगे। आग में मामूली रूप से जली महिला मजदूर का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पिछले सप्ताह रायपुर के शारदा चौक स्थित तीन दुकानों इस साल की सबसे भयावह आगजनी की घटना हो चुकी है। करीब 24 घंटे तक बड़ी-बड़ी तीन दुकानें जलती ही रहीं। दिन भर फायर डिपार्टमेंट के लोग आग बुझाने में लगे।

पूरी इमारत जलकर खाक हो चुकी है। इस हादसे में करोड़ों का नुकसान भी हुआ है। यहां शादी कार्ड, किचन गैजेट और इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकानें थीं।

यूक्रेन-जर्मनी टैंक डील पर भड़के पुतिन

वर्ल्ड वॉर-2 से की जंग की तुलना, कहा- रूस से मॉर्डन वॉर पूरी तरह से अलग होगा

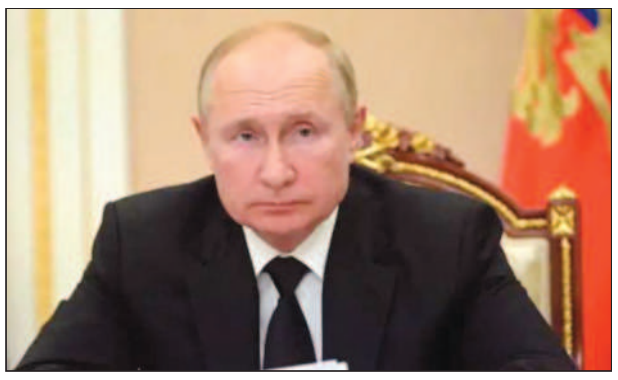

मॉस्को, 3 फरवरी (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने गुरुवार को रूस को धमकाने वाले किसी भी देश के खिलाफ सख्त कदम उठाने की बात कही है। साथ ही उन्होंने जर्मनी के यूक्रेन को टैंक देने के वादे पर भी नाराजगी जताई। पुतिन ने कहा- हमें फिर से जर्मन लेपर्ड टैंक से खतरा है, लेकिन रूस के साथ एक मॉर्डन वॉर पूरी तरह से अलग होगा। उन्होंने ये बात स्टेलिनग्रैड में 80 साल पहले नाजी सैनिकों के खिलाफ रेड आर्मी की जीत को लेकर आयोजित एक समारोह में कही।

न्यूक्लियर वॉर की धमकी देता रहा है रूस

पुतिन ने कहा- हम पश्चिमी देशों की सीमाओं पर टैंक नहीं भेज रहे हैं, लेकिन उन्हें जवाब दे सकते हैं और ये सिर्फ बख्तरबंद गाड़ियों के इस्तेमाल तक सीमित नहीं होगा। पिछले साल फरवरी में यूक्रेन के खिलाफ जंग की शुरुआत के साथ ही पुतिन ने बार-बार धमकी दी है कि अगर संघर्ष बढ़ता है तो वो पश्चिम के खिलाफ परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेंगे।

'नए हमले की तैयारी कर रहा रूस'

इससे पहले यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने आशंका जताई थी कि रूस एक नए हमले के लिए सेना को तैयार कर रहा है। इस दौरान उनके साथ ईयू चीफ उर्सुला वॉन डेर लेयेन भी मौजूद थीं। लेयेन ने कहा कि 24 फरवरी को दोनों देशों के बीच जंग को 1 साल हो जाएगा। ये देखते हुए ईयू जल्द ही रूस पर नए प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा है।

ईयू के प्रतिबंध रूस की इकोनॉमी के लिए खतरा

लेयेन के मुताबिक ये प्रतिबंध रूस की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इनके जरिए रूस एक जेनेरेशन पीछे चला जाएगा। इसी महीने अमेरिका और जर्मनी ने यूक्रेन को आधुनिक टैंक देने का वादा किया है। जिसके बाद यूक्रेन ने लंबी दूरी की मिसाइलों और लड़ाकू विमान की मांग की है।

यूक्रेन के डिफेंस मिनिस्टर ओलेक्सी रेजनिकोव ने दावा किया है कि 24 फरवरी को जंग का एक साल पूरा होने पर रूस बड़ा हमला प्लान कर रहा है। इसके लिए लाखों सैनिकों को इकट्ठा किया जा चुका है। रेजनिकोव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा है कि हमलों को केवल टैंक, फाइटर जेट्स और लंबी दूरी की मिसाइलों से रोका जा सकता है। रूस से लड़ने के लिए अमेरिका अपने एफ-16 फाइटर जेट्स यूक्रेन को नहीं देगा। सोमवार यानी 30 जनवरी को एक प्रेस कांफ्रेंस में बाइडेन ने यूक्रेन की मांग को खारिज कर दिया है। एक रिपोर्टर ने बाइडेन से पूछा था कि क्या वो यूक्रेन को एफ-16 जेट्स देंगे, जिसके जवाब में उन्होंने सीधे ना कह दिया।

अमेरिका ने यूक्रेन को टैंक भेजने का फैसला किया है। इसपर नॉर्थ कोरिया ने विरोध जताया है। नॉर्थ कोरिया के विदेश मंत्रालय में अमेरिकी मामलों के डायरेक्टर क्वोन चुंग-क्यून ने कहा कि अमेरिका का मकसद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनस्टेबिलिटी को बनाए रखना है।

चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी हिसार में बवाल

दुर्व्यवहार से भड़के छात्र, रात भर प्रदर्शन

हिसार सिटी, 3 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार की चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के चीफ सिक्योरिटी अफसर पर कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। यूनिवर्सिटी के 100 स्टूडेंट कड़ाके की ठंड में रात भर कुलपति के कार्यालय के बाहर बैठे हुए हैं। छात्रों की मांग है कि जब तक चीफ सिक्योरिटी अफसर के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, उनका धरना जारी रहेगा।

छात्रों ने आरोप लगाया कि वीसी कार्यालय पर धरना दे रहे छात्रों के लिए जब हॉस्टल मैस से खाना लाने गए तो उन्हें खाना नही दिया गया। इसके बाद छात्रों के विरोध जताया तो मैस इंचार्ज ने धरने पर बैठे छात्रों के लिए खाना भिजवाया।

छात्रों को नहीं मना सका प्रशासन

देर रात तक विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों को मनाने के प्रयास में लगा रहा। हालांकि छात्र चीफ सिक्योरिटी आफिसर सुखबीर पर कार्रवाई से कम पर मानने को तैयार नहीं हैं। यूनिवर्सिटी के डीन डायरेक्टर डॉ. अतुल धींगड़ा और डॉ. एसके पाहुजा सहित यूनिवर्सिटी के प्रोफेसरों ने कोशिश की। जिसके बाद छात्र चीफ सिक्योरिटी अफसर से माफी मंगवाने की मांग पर अड़ गए।

गाली गलौच करते हुए चीफ सिक्योरिटी का वीडियो वायरल

छात्रों का कहना है कि उनके पास चीफ सिक्योरिटी आफिसर की वीडियो भी है, जिसमें वह गाली गलौच कर रहा है। वीडियो में अफसर छात्रों के साथ दुर्व्यवहार करता है। यह सब हॉस्टल में लगे सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हो गया है। वही चीफ सिक्योरिटी अफसर सुखबीर ने मीडिया को दिए बयान में छात्रों के आरोपों को निराधार बताया है।

छात्रों के अनुसार बुधवार को एग्रीकल्चर कॉलेज में फ्रेशर पार्टी रखी गई थी। जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति, कालेज के डीन, डायरेक्टर व वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इस दौरान हरियाणवी स्किट के दौरान सुक्खी शब्द का प्रयोग किया गया। इसे चीफ सिक्योरिटी अफसर सुखबीर सिंह ने अपने ऊपर व्यक्तिगत कटाक्ष माना। जिसके बाद हॉस्टल में आकर छात्रों से दुर्व्यवहार किया। जब छात्रों ने सुबह माफी मांगने के लिए कहा तो उन्होंने मना कर दिया।

अमेरिकी एयरबेस के ऊपर दिखा चीनी बैलून

पेंटागन का दावा- जासूसी के लिए भेजा, पहले भी मोबाइल टावर के जरिए सूचनाएं चुराई थीं

वॉशिंगटन, 3 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के मोंटाना शहर में चीन का संदिग्ध जासूसी बैलून देखा गया है। मोंटाना में अमेरिकी एयरफोर्स का स्पेशल बेस है, जहां से इंटरकॉन्टिनेंटल मिसाइल ऑपरेट की जाती है। पूरे अमेरिका में ऐसे तीन ही एयरबेस हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन के प्रेस सेक्रेटरी पैट राइडर ने कहा- चीन का जासूसी बैलून नॉर्थ वेस्टर्न सिटी मोंटाना में देखा गया है। पेंटागन ने दावा किया है कि इसे अमेरिका में निगरानी के लिए भेजा गया है।

अधिकारियों ने ये नहीं बताया कि बैलून कितनी ऊंचाई पर उड़ रहा था, लेकिन उन्होंने कहा कि बैलून सिविलियन एयर ट्रैफिक के ऊपर और आउटर स्पेस के नीचे उड़ रहा था। खास बात यह है कि अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की चीन यात्रा से एक दिन पहले यह बैलून देखा गया है। ब्लिंकन 5 और 6 फरवरी को चीन का दौरा करेंगे।

चीन ने मोबाइल टॉवर पर डिवाइस लगाकर जासूसी की

चीन ने मोबाइल टॉवर्स पर हुवावे के जासूसी डिवाइस लगाने की साजिश रची थी। इनसे मिडवेस्ट के सैन्य ठिकानों की जासूसी की जा सकती थी। ये डिवाइस ओबामा के दौर में लगने शुरू हो गए थे।

चीन ने अमेरिका के ग्रामीण इलाकों को टारगेट बनाते हुए वहां अपने डिवाइस लगाए थे। जैसे ही चीन इन्हें सैन्य ठिकानों की ओर बढ़ाने लगा, खुफिया एजेंसियों की इस पर नजर गई। उन्होंने इस पर तुरंत कार्रवाई की। अमेरिकी संसद ने ग्रामीण इलाकों से उपकरण हटाने के लिए 2020 में 15 हजार करोड़ रुपए मंजूर किए थे।

कनाडा से होते हुए अमेरिका आया बैलून

पेंटागन के अधिकारियों ने कहा कि बैलून पिछले कुछ दिन पहले चीन से अलास्का के पास अलेउतियन आईलैंड आया था। यहां से नॉर्थ वेस्ट कनाडा होते हुए ये मोंटाना शहर पहुंचा।

बैलून से मिलिट्री या फिजिकल खतरा नहीं

डिफेंस मिनिस्ट्री के एक अधिकारी ने कहा कि ये बैलून ज्यादा समय तक देश में रह सकता है। हालांकि, इससे किसी तरह का मिलिट्री या फिजिकल खतरा नहीं है। इसका एक्सेस भी लिमिटिड है, तो इससे खुफिया जानकारी भी इकट्ठा नहीं की जा सकेगी। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि पेंटागन को नहीं लगता कि चीन सैटेलाइट इमेजरी के जरिए जो कुछ हासिल कर सकता है, उसकी तुलना में इस बैलून से उसे कुछ भी हासिल होगा।

अमेरिका ने फिलहाल बैलून को तबाह नहीं किया है

पेंटागन के एक अधिकारी ने कहा- बैलून सिविलियन एयर ट्रैफिक के ऊपर है इसलिए फिलहाल हमने बैलून को तबाह करने या इसे नीचे गिराने का फैसला नहीं लिया है। ऐसा करने से लोगों को नुकसान पहुंच सकता है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, विदेश मंत्री ब्लिंकन की विजिट के पहले इस खबर को पब्लिक किया गया है। अमेरिका के इस कदम को चीन को दी गई चेतावनी के तौर पर देखा जा रहा है। ये 6 साल में पहली बार जब कोई अमेरिकी विदेश मंत्री चीन के दौरे पर जा रहा है। ब्लिंकन इस दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी मुलाकात कर सकते हैं।

अडाणी विवाद में हरियाणा के आईएएस खेमका की एंट्री

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर बोले- इसका नुकसान पब्लिक को ही उठाना होगा

गौतम अडाणी, उद्योगपति, भारत | अशोक खेमका, IAS, हरियाणा

चंडीगढ़, 3 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के जाने माने उद्योगपति गौतम अडाणी विवाद में हरियाणा के एक वरिष्ठ आईएएस अशोक खेमका की एंट्री हो गई है। खेमका ने इस विवाद पर लेट नाइट ट्वीट कर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा है कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट बताती है कि कुछ ऑडिटर, रेगुलेटर, क्रेडिट रेटिंग एजेंसी अपना काम ठीक से नहीं कर रही हैं। यही कारण है कि अभी तक इस पूरे मामले में जो भी नुकसान हुआ है वह देश की जनता का ही हुआ है। मशहूर भारतीय उद्योगपति गौतम अडाणी को अमेरिकी रिसर्च एजेंसी हिंडनबर्ग की एक रिपोर्ट से बहुत अधिक नुकसान हुआ है। रिपोर्ट के आने के बाद से ही अडाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयर में भारी गिरावट का सिलसिला जारी है। अडाणी ग्रुप को मजबूरी में अपना 20 हजार करोड़ का फुल सब्सक्राइब फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर भी वापस लेना पड़ा है। हरियाणा के चर्चित आईएएस अशोक खेमका हरियाणा सतर्कता विभाग में नियुक्ति की मांग कर चुके हैं। इसके लिए वह 23 जनवरी को मुख्यमंत्री मनोहर लाल को चिट्ठी लिखकर अपनी यह इच्छा बता चुके हैं। चिट्ठी में उन्होंने कहा है कि वह अपने इस कार्यकाल में भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म कर देंगे। साथ ही लिखा कि काम का एकतरफा बंटवारा जनहित में नहीं होता। हरियाणा के आईएएस अशोक खेमका अपने तबादलों को लेकर खासे चर्चा में रहते हैं। हाल ही में हरियाणा सरकार ने 9 जनवरी को उनका तबादला कर अभिलेखागार का मुखिया नियुक्त किया है। इससे पहले वह विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर तैनात थे। 31 साल की नौकरी में उनका 56 बार ट्रांसफर हो चुका है। ट्रांसफर के बाद आईएएस अशोक खेमका ने अपने ट्वीट में लिखा था कि 'एक बार फिर अभिलेखागार विभाग मिला है। एक सरकारी अधिकारी को एक सप्ताह में कम से कम 40 घंटे का काम सौंपा जाता है, लेकिन अब ईमानदार और अपने काम के प्रति अडिग लोगों से निपटने की एक नई ट्रिक सोची गई है, जिसमें सिविल सेवा बोर्ड के नियमों को नजरअंदाज करते हुए कम से कम काम सौंपा जाए।

संकट में साथ आईं राजनीतिक पार्टियां

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इमरान खान को भेजा न्योता

इस्लामाबाद, 3 फरवरी (एजेंसियां)। गंभीर आर्थिक संकट और आतंकवाद से जूझ रहे पाकिस्तान में सरकार ने सभी पार्टियों की बैठक बुलाई है। खास बात ये है कि इस बैठक में शामिल होने के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को भी न्योता भेजा है। यह बैठक आगामी 7 फरवरी को इस्लामाबाद में होनी है। यह न्योता ऐसे समय भेजा गया है, जब पाकिस्तान के सत्ताधारी गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट और पीटीआई में ठनी हुई है। हाल के दिनों में पूर्व की पीटीआई सरकार के कई नेताओं की गिरफ्तारियां हुई हैं। जिनमें पूर्व मंत्री फवाद चौधरी और शेख रशीद भी शामिल हैं।

पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, इस बैठक में आर्थिक चुनौतियों और राजनीतिक संकट से उबरने पर चर्चा हो सकती है। पाकिस्तान सरकार की सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री ने सभी राजनीतिक पार्टियों को बैठक में बुलाया है ताकि सभी लोग मिलकर राष्ट्रहित के मुद्दों और चुनौतियों का हल निकाल सकें। पाकिस्तान में आज एपेक्स कमेटी की बैठक भी होनी है, जिसमें भी शामिल होने के लिए पीटीआई के वरिष्ठ नेताओं और नेशनल असेंबली के पूर्व स्पीकर असर कैसर और पूर्व रक्षा मंत्री परवेज खट्टक को भी न्योता भेजा गया है। इस एपेक्स कमेटी की बैठक में पुलिस, रेंजर्स, खूफिया विभाग के साथ ही कई अन्य विभागों और राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

आज की बैठक में पेशावर बम विस्फोट और देश के आतंकवाद को खत्म करने, पुलिस और काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट को अपग्रेड करने पर भी चर्चा हो सकती है। बता दें कि बीते दिनों पेशावर में एक मस्जिद में हुए आत्मघाती हमले में 101 लोगों की मौत हो गई थी और 200 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। हाल के सालों में यह पाकिस्तान में हुआ सबसे घातक हमलों में से एक था। वहीं पाकिस्तान को आईएमएफ से भी लोन नहीं मिल पा रहा है। दोनों के बीच समझौते को लेकर समहति नहीं बन पा रही है। इससे पहले ही गंभीर आर्थिक संकट में घिरे पाकिस्तान में हालात और खराब हो रहे हैं।

अहमदी मस्जिद पर हमला

टीएलपी समर्थकों की भीड़ ने की तोड़फोड़

कराची, 3 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान इन दिनों गंभीर आर्थिक संकट से घिरा हुआ है। इसके बावजूद हमारे पड़ोसी देश में धार्मिक कट्टरता अपने चरम पर है। बता दें कि एक वीडियो सामने आया है, जिसमें कुछ लोग पाकिस्तान के कराची शहर में एक मस्जिद की मीनारों को सरेआम तोड़ते नजर आ रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तोड़फोड़ करने वाले लोग तहरीक ए लब्बैक पाकिस्तान के सदस्य हैं और जिस मस्जिद की मीनारों को तोड़ा जा रहा है, वह एक अहमदी मस्जिद है।

बता दें कि अहमदिया मुस्लिम, पाकिस्तान का एक अल्पसंख्यक समाज है और पाकिस्तान में उन्हें दूसरे दर्जे का नागरिक माना जाता है। बहुत से अहमदिया मुसलमानों को ईशनिंदा के झूठे आरोपों में मौत की सजा भी दी जा चुकी है। पाकिस्तान का धार्मिक संगठन तहरीक ए लब्बैक पाकिस्तान खास तौर पर अहमदिया मुसलमानों के खिलाफ मुखर रहता है। बीते साल अक्टूबर में तहरीक ए लब्बैक पाकिस्तान के एक मौलवी के बयान ने खूब सुर्खियां बटोरी थी। अपने बयान में मौलवी ने अहमदिया समुदाय की गर्भवती महिलाओं पर हमला करने का निर्देश दिया था। मौलवी ने ऐसा इसलिए कहा था ताकि कोई अहमदिया पैदा ही ना हो सके। टीएलपी के मौललवी मोहम्मद नईम चट्ठा का यह वीडियो खूब वायरल हुआ था।

आईएमएफ ने मरहम लगाया

पर अपनी मुश्किलों का हल खुद ढूंढना होगा बांग्लादेश को

ढाका, 3 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश को इस हफ्ते एक बड़ी राहत मिली, जब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के बोर्ड ने उसे 4.7 बिलियन डॉलर का कर्ज भुगतान करने को मंजूरी दे दी। लेकिन विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इस राहत से बांग्लादेश की आर्थिक मुश्किलें हल नहीं होंगी। ये समस्याएं अब काफी गंभीर रूप ले चुकी हैं।

बांग्लादेश के वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने उम्मीद जताई है कि मंजूर हुए कर्ज की रकम दस फरवरी तक उन्हें मिल जाएगी। आईएमएफ के इस फैसले पर खुशी जताते हुए बांग्लादेश के वित्त मंत्री एएचएम मुस्तफा कमाल ने कहा- 'आईएमएफ के इस फैसले से यह साबित हो गया है कि बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था मजबूत आधार पर खड़ी है, यह कई अन्य देशों से अधिक मजबूत है।' उनका इशारा संभवतः पाकिस्तान और श्रीलंका की तरफ था, जिनके लिए मंजूर कर्ज की रकम दिए जाने पर फिलहाल आईएमएफ ने रोक रखी है। लेकिन अर्थशास्त्री इस घटनाक्रम पर वित्त मंत्री जितने उत्साहित नहीं हैं। उन्होंने ध्यान दिलाया है कि बांग्लादेश को कर्ज की पहली किस्त के रूप में 47 करोड़ 60 लाख रुपये मिलेंगे, जबकि देश को हर महीने 1.5 बिलियन डॉलर आयात बिल के रूप में चुकाने पड़ रहे हैं। थिंक टैंक पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ बांग्लादेश के कार्यकारी निदेशक एच मंसूर ने कहा है- 'आईएमएफ से मिली मदद फ़ौरी तौर पर समस्या का आंशिक समाधान है। लेकिन वास्तिवक समाधान तो नीतियों में बदलाव लाकर ही हो सकता है।'

बांग्लादेश के आर्थिक संकेतक (इंडिकेटर) एक मिली-जुली तस्वीर पेश करते हैं। कुछ संकेतक स्थिति में सुधार की झलक दे रहे हैं। मसलन, पिछले नवंबर और दिसंबर में बांग्लादेश को कुल निर्यात से होने वाली आमदनी में तेजी से सुधार हुआ। लेकिन वस्त्र के मुख्य निर्यात की स्थिति अच्छी नहीं है। बांग्लादेश गारमेंट मैनुफैक्चरर्स एंड एक्सोपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष फारूक हसन के मुताबिक पिछले वस्त्र निर्यात के ऑर्डर में 30 फीसदी गिरावट आने का संकेत मिला है। देश में विदेशी मुद्रा आने का एक और प्रमुख स्रोत विदेशों में रहने वाले बांग्लादेशियों की तरफ से भेजी जाने वाली रकम है। इसमें भी हाल के महीनों में सुधार हुआ है।

लेकिन कई मोर्चों पर सरकार के सामने ऐसे फैसले लेने की चुनौती बनी हुई है, जिससे सत्ताधारी पार्टी लोगों में अलोकप्रिय हो सकती है। इस चुनावी साल में ऐसे निर्णय लेना प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद की सरकार के लिए आसान नहीं होगा। पहले ही सब्सिडी में लगातार कटौती से गैस, केरोसीन, बिजली और पानी के शुल्कों में काफी बढ़ोतरी हो चुकी है।

बदमाश घर से उठा ले गए युवक को

बचाने आई पत्नी पर तानी पिस्तौल कहा- चुप रहो नहीं तो गोली मार देंगे

भरतपुर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में बंदूक की नोक पर दिनदहाड़े एक युवक के अपहरण का मामला सामने आया है। युवक गुरुवार की दोपहर अपने घर पर था, इसी दौरान वाहन में सवार होकर 7-8 बदमाश आए और उसे जबरदस्ती गाड़ी में बैठाने लगे। ये देख उसकी पत्नी बदमाशों से भिड़ गई, तो उसे बंदूक निकालकर दिखाई और कहा कि विरोध करने पर गोली मार देंगे। मामला जनकपुर थाना क्षेत्र का है।

इसके बाद बदमाश महाजन कुशवाहा को वाहन में बैठाकर ले गए। रास्ते में अपहृत युवक ने सरपंच वीरेंद्र सिंह से मदद मांगी, तो बदमाशों ने उसे भी गोली मारने की धमकी दी। रिपोर्ट पर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। मामला रुपए के पुराने लेनदेन का बताया जा रहा है।

मनेंद्रगढ-चिरमिरी-भरतपुर जिले के जनकपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिंगरौली निवासी महाजन कुशवाहा (38 वर्ष) गुरुवार की दोपहर करीब 3.30 बजे अपने घर पर था। इसी दौरान गाड़ी में सवार होकर 7-8 लोग आए। उन्होंने युवक को अपने साथ चलने के लिए कहा।

पेशावर विस्फोट के बाद डरी पाकिस्तानी पुलिस!

कहा- हमारे हाथ बांधकर जानवरों के सामने फेंक दिया

पेशावर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पेशावर शहर में मस्जिद में हुए बम विस्फोट के बाद वहां की पुलिस भी घबराहट और असमंजस की शिकार है। पेशावर पुलिस के जवानों और अधिकारियों ने बुधवार को विरोध प्रदर्शन भी किया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सरकार ने उनके हाथ बांधकर उन्हें जानवरों के सामने फेंक दिया है। उनका कहना है कि हर दिन हमारे साथी मारे जा रहे हैं। हम सदमे से उबर नहीं पा रहे हैं। पेशावर पुलिस के जवानों का कहना है कि जब रखवाले ही सुरक्षित नहीं हैं तो फिर इस देश में कौन सुरक्षित है?

पेशावर पुलिस के एक जूनियर अधिकारी ने पहचान गुप्त रखने की शर्त पर बताया कि 'इस लड़ाई में हम मोर्चे पर हैं। हम स्कूल, ऑफिस और सार्वजनिक जगहों पर रक्षा करते हैं लेकिन आज हमे ही बेसहारा की तरह महसूस हो रहा है। सरकार ने हमारे हाथ बांधकर हमें जानवरों के सामने फेंक दिया है।' बता दें कि पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा राज्य की सीमा अफगानिस्तान से लगती है और पेशावर इसकी राजधानी है। सीमा से लगे होने के चलते पेशावर में आए दिन आतंकी हमले हो रहे हैं। यही वजह है कि तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान के आतंकियों के साथ लड़ाई में आए दिन पेशावर पुलिस के जवान मारे जा रहे हैं।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सरकार के फैसलों से असमंजस की स्थिति पैदा हो रही है। एक अधिकारी ने बताया कि 'एक दिन हमें बताया जाता है कि सीजफायर हो गया है और शांति हो गई है। अगले दिन हमें पता चलता है कि सीजफायर नहीं हुआ है और हमें लड़ाई के लिए तैयार रहना है। यह हैरान करने वाला है।'

आतंकी घटनाओं को लेकर पुलिसकर्मियों में कितना गुस्सा और डर है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक पुलिसकर्मी ने बताया कि 'जब हम अपने घरों से निकलते हैं तो हमें नहीं पता कि हम कब निशाना बन जाएंगे। आज उनकी जान गई है और हो सकता है कि कल हम निशाना बन जाएं। एक अन्य पुलिसकर्मी ने बताया कि हम घर से निकलते हुए अपने घरवालों को गले लगकर निकलते हैं क्योंकि हमें नहीं पता कि हम जिंदा वापस आएंगे भी या नहीं!'

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को दिखाया आईना

पेशावर हमले को लेकर तालिबान ने बुधवार को पाकिस्तान को आईना दिखाया। अफगानिस्तान के कार्यकारी विदेश मंत्री आमिर मुत्तकी ने पाकिस्तान को सलाह देते हुए कहा कि अपनी असफलताओं का ठीकरा दूसरों पर मत फोड़ों और पेशावर हमले की जांच पर ध्यान दो। उन्होंने कहा कि अगर अफगानिस्तान आतंकवाद का केंद्र है तो फिर यह चीन, मध्य एशिया और ईरान में भी होना चाहिए था। मुत्तकी ने कहा कि 'हमारे इलाके में युद्ध और बम ब्लास्ट हुए हैं लेकिन बीते 20 सालों में हमने कोई आत्मघाती हमलावर नहीं देखा, जो खुद को उड़ाकर मस्जिद की छत को गिरा दें और सौ से ज्यादा लोगों की हत्या कर दे।'

बता दें कि बीते दिनों पेशावर के पुलिस लाइंस इलाके में स्थित एक मस्जिद में आत्मघाती हमले में 101 लोगों की मौत हो गई थी और 200 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। मृतकों में अधिकतर पुलिसकर्मी थे। जांच में पता चला है कि आतंकी पुलिस की वर्दी में आया था और मस्जिद में नमाज के दौरान उसने खुद को बम से उड़ा लिया था। विस्फोट में 10-12 किलो टीएनटी का इस्तेमाल किया गया था, जिसकी वजह से धमाका इतना तेज था मस्जिद की दीवारें और छत भी गिर गई, जिसकी वजह से जान-माल का बहुत नुकसान हुआ।

केन्द्र के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जा सकती है राजस्थान सरकार

40 हजार करोड़ के लिए लड़ेगी कानूनी लड़ाई, ओपीएस पर केन्द्रीय सचिव ने चेताया

जयपुर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ओल्ड पेंशन स्कीम के तहत केन्द्र सरकार से अपने 40 हजार करोड़ रुपए मांगने के लिए कानूनी लड़ाई की तैयारी में है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस संबंध में उच्चाधिकारियों के समक्ष अपनी मंशा प्रकट कर दी है।

जल्द ही वित्त व विधि विभाग के स्तर पर इसका प्रकरण (केस) तैयार किया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि बजट सत्र खत्म होते ही इस मुद्दे को लेकर सरकार सुप्रीम कोर्ट जाएगी।

केंद्रीय वित्त सचिव का बड़ा बयान

इसी बीच केन्द्र सरकार के वित्त सचिव टी. वी. सोमनाथन ने गुरुवार को दिल्ली में राजस्थान सहित छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, झारखंड व पंजाब सरकार को स्पष्ट कर दिया है कि ओपीएस की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है। उन्होंने ही इसे लागू किया है, तो उन्हें ही खर्चा वहन करना पड़ेगा।

आने वाले दिनों में ओपीएस राज्य सरकारों के लिए भारी मुसीबत बनेगी। राज्य सरकारों को सावचेत रहने की जरूरत है। ऐसे में राज्य सरकारों को अपना वित्तीय इंतजाम अभी से करना चाहिए। सोमनाथन के कार्यालय की ओर से इस संबंध में जल्द ही एक विस्तृत लिखित जानकारी भी राज्यों को भेजी जाएगी।

बजट में केंद्र ने ओपीएस को लेकर नहीं की घोषणा

एक फरवरी को जब केन्द्र का बजट आया था, तो राजस्थान के सीएम गहलोत सहित हिमाचल, पंजाब, छत्तीसगढ़ व झारखंड की सरकारों को भी इंतजार था कि शायद ओपीएस को लेकर कोई घोषणा केन्द्र सरकार कर दे, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया।

इससे पहले राजस्थान सरकार केन्द्र को ओपीएस के लिए पत्र भी लिख चुकी और सीएम गहलोत पीएम नरेंद्र मोदी से मांग भी कर चुके हैं। मांग मंजूर ना होते देख अब सीएम सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर रहे हैं।

केन्द्र सरकार मानी तो राजस्थान को मिल सकते हैं 40 हजार करोड़

राजस्थान सरकार को ओपीएस के तहत केन्द्र सरकार से करीब 40,000 करोड़ रुपए मिल सकते हैं अगर केन्द्र सरकार उसकी मांग मान ले तो। यह वो पैसा है, जो केन्द्र व तमाम राज्य सरकारों के बीच 2003 में हुए समझौते के तहत केन्द्र सरकार ने शेयर मार्केट में लगाया है।

हालांकि उस वक्त जो समझौता हुआ था, उस पर तत्कालीन सीएम के रूप में खुद गहलोत की रजामंदी थी। केन्द्र में उस वक्त भाजपा की एनडीए सरकार थी और प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी थे। जब यह समझौता लागू हुआ तब अप्रेल-2004 के बाद राजस्थान में भाजपा की सरकार हो गई और केन्द्र में प्रधानमंत्री बने कांग्रेस के मनमोहन सिंह।

करीब डेढ़ महीने पहले मौजूदा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी ओपीएस लागू करने वाले सभी राज्यों को पत्र लिखकर एनपीएस के तहत जमा पैसा लौटाने से मना कर दिया है। सीतारमण के अनुसार यह पैसा निवेश में लगाया जा चुका है। वापस निकालकर राज्य सरकारों को नहीं

वित्त सचिव बोले- OPS राज्य सरकारों की जिम्मेदारी

दिया जा सकता। समझौता पूरे देश में लागू हुआ था। ऐसे में कोई राज्य सरकार चाहे तो ओपीएस दे सकती है, लेकिन इसकी व्यवस्था उसे खुद ही करनी होगी।

सीएम गहलोत ने बजट भाषण मार्च-2022 में जताई थी आशंका

मुख्यमंत्री गहलोत ने पिछले बजट में कहा था कि केन्द्र सरकार एनपीएस (न्यू पेंशन स्कीम) जो एक अप्रेल 2004 से पूरे देश में लागू हुई है, उसके तहत कर्मचारियों की भविष्य निधि का पैसा शेयर बाजार में निवेश करती है। हम अपने कर्मचारियों का भविष्य शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव के भरोसे नहीं छोड़ सकते।

सीएम गहलोत ने राज्यपाल के अभिभाषण के जवाब में (बजट सत्र) 2 फरवरी-2023 में विधानसभा में बोला मेरी आशंका सही साबित हुई

सीएम गहलोत ने 2 फरवरी को विधानसभा में बोला कि जैसा मैंने अपने बजट भाषण (2022) में कहा था कि कर्मचारियों का भविष्य शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। आज देख लीजिए शेयर बाजार की क्या स्थिति है। सब धड़ाम से नीचे गिर गया है। ऐसे में केन्द्र सरकार को हमारे कर्मचारियों का पैसा (एनपीएस वाला) लौटा देना चाहिए, ताकि हम आसानी से कमर्चारियों को ओपीएस का लाभ दे सकें।

देश के अर्थ-वित्त विशेषज्ञ बता चुके हैं ओपीएस को खतरनाक

वित्त मंत्रालय के सचिव टी. वी. सोमनाथन से पहले बीते दो महीनों में नीति आयोग के वाइस चैयरमेन सुमन बेरी (वर्तमान), केन्द्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष एन. के. सिंह (वर्तमान), रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर एन. रघुराम (कांग्रेस सरकार), योजना आयोग के पूर्व वाइस चैयरमेन मोंटेक सिंह आहलुवालिया (कांग्रेस सरकार), कैग के पूर्व महानिदेशक राजीव महर्षि (भाजपा सरकार) ओल्ड पेंशन स्कीम को देश की आर्थिक-वित्तीय स्थिति के लिए अपने बयानों, साक्षात्कारों, लेखों में खतरनाक बता चुके हैं।

रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर एन. रघुराम ने तो राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा के तहत राहुल गांधी के साथ एक एक्सक्लूसिव वीडियो टॉक भी विभिन्न आर्थिक-वित्तीय मुद्दों पर की थी। उस टॉक के 3-4 दिन बाद ही रघुराम ने मीडिया को दिए साक्षात्कार में ओपीएस को लागू करना खतरनाक वित्तीय कदम बताया था।

4 लाख 50 हजार कर्मचारी हो रहे हैं सीधे प्रभावित

राज्य सरकार के विभागों में करीब सात लाख 50 हजार कर्मचारी कार्यरत हैं। जिनमें से लगभग तीन लाख कर्मचारी एक अप्रेल-2004 से पहले नियुक्ति पाए हुए हैं। इनके लिए पहले से ही ओपीएस ही लागू है। एक अप्रेल 2004 के बाद से नियुक्ति पाए हुए लगभग 4 लाख 50 हजार कर्मचारी हैं, जिनके लिए एनपीएस (न्यू पेंशन स्कीम) लागू है। इन्हीं 4 लाख 50 हजार कर्मचारियों के लिए सीएम गहलोत ने मार्च-2022 के बजट में ओपीएस (ओल्ड पेंशन स्कीम) लागू करने की घोषणा की थी।

इनके अलावा सरकार के विभिन्न बोर्ड, निगम, कॉर्पोरेशन, मंडल आदि में करीब एक लाख कर्मचारी कार्यरत हैं, जो फिलहाल ओपीएस से वंचित हैं। इन्हें ओपीएस देने की मांग को लेकर गत दिनों कर्मचारी संगठनों ने मांग पत्र सीएम गहलोत को सौंपे हैं।

राहुल गांधी कर चुके हैं ओपीएस के लिए सीएम गहलोत की तारीफ

विभिन्न वित्त अर्थ विशेषज्ञों की राय के बावजूद सीएम गहलोत कई बार कई मंचों पर से पीएम मोदी से पूरे देश में ओपीएस लागू करने की मांग कर चुके हैं। गहलोत का दावा है कि आज नहीं तो कल पीएम मोदी को देश भर में ओपीएस लागू करनी ही पड़ेगी। उधर राहुल गांधी भी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कई बार ओपीएस को लेकर गहलोत सरकार की तारीफ कर चुके हैं।

कांग्रेस ने 2022 में सम्पन्न गुजरात, यूपी, उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल प्रदेश के चुनावों में ओपीएस लागू करने का वादा भी किया था।

इस्तीफे विवाद पर पायलट समर्थक विधायकों ने उठाए सवाल

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ने कहा- 25 सितंबर जैसी घटना, 50 साल में नहीं देखी

जयपुर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। सीएम अशोक गहलोत समर्थक विधायकों के इस्तीफों पर विवाद गहराता जा रहा है। विधानसभा सचिव की तरफ से हाईकोर्ट में पेश जवाब में मर्जी से इस्तीफे नहीं देने का जिक्र करने पर कांग्रेस की अंदरूनी सियासत फिर गरमाने लगी है।

अब सचिन पायलट समर्थक कांग्रेस विधायक और पूर्व स्पीकर दीपेंद्र सिंह शेखावत ने दबाव में दिए गए इस्तीफों की घटना पर सवाल उठाते हुए हाईकमान से जांच करवाने की मांग की है।

दबाव में इस्तीफों के सवाल पर शेखावत ने कहा, 'मैं नहीं जानता कि किसका दबाव था, लेकिन एफिडेविएट दिया है कि दबाव था तो यह जांच का विषय है और इसकी जांच होनी चाहिए।

जिस तरह की बातें उठ रही हैं, वो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण हैं। मैं हाईकमान में विश्वास रखता हूं और मुझे कांग्रेस के बड़े नेताओं पर भरोसा है कि वे सब देखकर आगे कदम उठाएंगे।'

उन्होंने कहा कि विधायकों के इस्तीफे के प्रकरण को लेकर जो घटनाक्रम चला है, वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। जिन विधायकों ने इस्तीफे दिए थे, अब कहा जा रहा है कि मर्जी से नहीं दिए।

जिस तरह का घटनाक्रम चला, उससे सबको तकलीफ हुई है। हाईकमान इसका संज्ञान लेगा, जांच की बात हो रही है। जो हुआ ऐसा, मैंने पहले कभी नहीं देखा।

पिछले 50 साल से मैं भी राजनीति कर रहा हूं, ऐसा कभी नहीं देखा। कांग्रेस की यह परंपरा नहीं रही है।

25 सितंबर को यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के बंगले पर गहलोत समर्थक विधायक जुटे थे। उस बैठक में धारीवाल ने कहा था कि बगावत करने वालों में से किसी को सीएम बनाना हम स्वीकार नहीं करेंगे। इसके बाद विधायक स्पीकर के पास पहुंचे और इस्तीफे सौंप दिए थे।

इस्तीफा मामले में पायलट गुट फिर एक्टिव

25 सितंबर को UDH मंत्री शांति धारीवाल के बंगले पर गहलोत समर्थक विधायक जुटे थे। उस बैठक में धारीवाल ने कहा था कि बगावत करने वालों में से किसी को सीएम बनाना हम स्वीकार नहीं करेंगे। इसके बाद विधायक स्पीकर के पास पहुंचे और इस्तीफे सौंप दिए थे।

विधानसभा स्पीकर को मर्जी से ही इस्तीफे दिए जाते हैं

शेखावत ने कहा, विधानसभा अध्यक्ष को इस्तीफे तो मर्जी से दिए जाते हैं। दूसरी बात इस्तीफे पर फैसला करना स्पीकर के विवेक पर निर्भर है, स्पीकर जो फैसला करे, वह फाइनल होता है।

अब तक इस तरह के मामले कोर्ट में नहीं गए। कोर्ट और विधानसभा दोनों की अपनी-अपनी मर्यादा है। अपने दायरे में रहकर बात होती है। जहां तक दबाव का सवाल है, किसका दबाव था, कहा गया है कि दबाव था तो यह जांच से ही पता लग सकता है।

बीजेपी का षड्यंत्र कामयाब नहीं होगा, बीजेपी का तो एक विधायक इस्तीफा देने वालों में

शेखावत ने कहा, बीजेपी का तो खुद का एक सदस्य कांग्रेस विधायकों के साथ इस्तीफा दे रहा हैं। बीजेपी तो राजनीतिक षड्यंत्र करके कामयाब नहीं हो सकेगी। अब पार्टी को नुकसान वाली चीज इसलिए नहीं रही कि सब सेटल हो गया।

इस्तीफे होते तो सरकार गिर जाती

पार्टी को होने वाले नुकसान के सवाल पर शेखावत ने कहा कि अब जो होना था, वह सब होकर सेटल हो गया। अब सरकार कैसे बने, इस पर काम करने की जरूरत है। मैं यह मानता हूं कि सदन में जो चुनकर आता है वह खुद के विवेक से काम करता है। नियमों में यह प्रावधान है कि दबाव या प्रलोभन कोई दे तो उसके लिए अलग प्रावधान है।

हाईकोर्ट में विधानसभा सचिव के जवाब से कांग्रेस में विवाद

उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने गहलोत समर्थक विधायकों के इस्तीफों पर फैसला नहीं होने पर हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने जब जवाब मांगा तो स्पीकर के जवाब से पहले ही 30 दिसंबर से लेकर 10 जनवरी के बीच 81 विधायकों ने इस्तीफे वापस ले लिए। विधायकों के इस्तीफे वापस लेने के बाद हाईकोर्ट में विधानसभा सचिव ने जवाब दिया। इस जवाब में लिखा गया कि विधायकों ने अपनी मर्जी से इस्तीफा नहीं दिया था, इसलिए इन्हें मंजूर नहीं किया।

इसे दबाव में इस्तीफे देने का नरेटिव बना। विधानसभा सचिव के जवाब में यह खुलासा भी हुआ था कि 81 विधायकों में से 5 विधायकों ने इस्तीफों की फोटोकॉपी स्पीकर को दी थी। बीजेपी से निष्कासित विधायक शोभारानी कुशवाह का नाम भी इस्तीफा देने वालों में था।

पायलट खेमे ने चुप्पी तोड़ी

विधानसभा सचिव के हाईकोर्ट में दिए गए जवाब के बाद सचिन पायलट खेमे ने पहली बार चुप्पी तोड़ी है। दीपेंद्र सिंह शेखावत इस पूरे एपिसोड में पहली बार बोले हैं।

पायलट खेमे के विधायकों ने इस बार हाईकोर्ट के जवाब में हुए खुलासे पर कुछ नहीं कहा था, लेकिन अब दीपेंद्र सिंह शेखावत के बयान को इसकी शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। आगे अब यह विवाद ओर गहराने के आसार बन गए हैं।

जैसलमेर डेजर्ट फेस्टिवल में विदेशियों ने बांधा साफा

जैसलमेर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। जैसलमेर डेजर्ट फेस्टिवल का आज सुबह शोभा यात्रा के साथ आगाज हो गया। सोनार किले से शोभायात्रा को कलेक्टर टीना डाबी ने हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया। सजे-धजे ऊंटों और गाजे-बाजे के साथ देसी-विदेशी मेहमान डांस करते हुए चले। आगे-आगे कलश लेकर लड़कियां चली। इसके बाद देसी और विदेशी साफा बांधो, मूंछ और मिस मूमल प्रतियोगता हुई।

सोनार दुर्ग से शोभायात्रा सुबह 9.30 बजे से रवाना हुई थी। इसमें कालबेलिया डांसर,लोक कलाकार, BSF के ऊंट, BSF का कैमल टैटू बैंड और सजे-धजे ऊंटों पर सवार मिस्टर डेजर्ट के प्रतिभागी शामिल हुए। राजस्थानी रंगों से सजे कलाकारों के साथ विदेशी टूरिस्ट भी खूब थिरके। हर चौराहों पर फूल बरसाकर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। सोनार दुर्ग से शोभायात्रा शहीद पूनम सिंह स्टेडियम में पहुंची। कलेक्टर टीना डाबी और अन्य अतिथियों ने पूनम सिंह स्टेडियम में आसमान में गुब्बारे उड़ाकर मरू महोत्सव का विधिवत उद्घाटन किया। इसके बाद प्रतियोगताओं का दौर शुरू हुआ।

राजस्थान में बीजेपी अपने पुराने नेताओं को क्यों ढूंढ रही?

50 सीटों के लिए बनाई नई रणनीति, गहलोत-डोटासरा बने चुनौती

जयपुर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव की तैयारियों को बीजेपी अब रणनीतिक रूप से मजबूत करने जा रही है। चुनाव में महज 10 माह का समय बचा है।

इस लिहाज से बीजेपी ने उन सीटों को फोकस करके अपनी तैयारी शुरू कर दी है जहां वह पिछले तीन चुनावों में ज्यादा सफल नहीं हुई है। राजस्थान में बीजेपी ने ऐसी लगभग 50 सीटें तय की हैं।

इन सीटों को अपने कब्जे में करने के लिए बीजेपी ने तीन अलग-अलग मापदंड रखे हैं। इन मापदंडों के आधार पर ही बीजेपी इन सीटों के लिए अपनी रणनीति तैयार करेगी।

ये सीटें लगातार बीजेपी के लिए बनी हुई है चुनौती

यहां कभी नहीं जीती BJP

राजस्थान में कुछ सीटें ऐसी भी हैं जिन पर बीजेपी कभी जीत नहीं सकी है। इनमें नवलगढ़, दांता-रामगढ़ जैसी सीटें हैं।

नवलगढ़ से लगातार डॉ. राजकुमार शर्मा निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव जीतते हैं। इसके अलावा कांग्रेस भी यहां से चुनाव जीती है।

इसी तरह दातां-रामगढ़ सीट पर भी बीजेपी कभी चुनाव नहीं जीती है। हालांकि, जनसंघ के दौरान जरूर जनसंघ के प्रत्याशी यहां से चुनाव जीत चुके हैं।

ये वो सीटें हैं जहां पिछले तीन में से कम से कम दो चुनाव बीजेपी हारी है। इनमें नवलगढ़, दातां-रामगढ़, सादुलपुर, खेतड़ी, लालसोट, सिकराय, राजगढ़, गंगानगर, फतेहपुर, बस्सी, खींवसर, वल्लभनगर, रायसिंह नगर, लूणकरनसर, नोखा, सूरजगढ़, मंडावा, आमेर, नसीराबाद, मांडलगढ़, बागीदौरा, सांचोर, बाड़मेर, सरदारपुरा, सापोटरा, करौली, टोडाभीम, राजाखेड़ा, बाड़ी, डीग-कुम्हेर, बानसूर, कोटपूतली, लक्ष्मणगढ़, झुंझुनु, सरदारशहर, कोलायत और हिंडौली सीटें बीजेपी के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई हैं।

इसके अलावा भी कुछ सीटें हैं जहां बीजेपी कमजोर रही है या बेहद कम मार्जिन से जीतती है। ऐसी सीटों को भी पार्टी ने ज्यादा फोकस वाली सीटों में शामिल किया है। इस तरह से लगभग 50 सीटों के लिए बीजेपी खुद को मजबूत करने की तैयारी में है।

राजस्थान में कई सीटें ऐसी हैं जहां कांग्रेस की पकड़ बेहद मजबूत है। इनमें सीएम अशोक गहलोत सहित कई मंत्रियों की सीटें हैं जो बीजेपी के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। इनमें सीएम अशोक गहलोत की सरदारपुरा सीट बड़ी चुनौती है।

मंत्री गुढ़ा पर वार्ड पंच को किडनैप करने की केस

पीड़ित बोला : सरकारी गाड़ी में फार्म हाउस ले गए, जान से मारने की धमकी दी

नीमकाथाना, 3 फरवरी (एजेंसियां)। मंत्री गुढ़ा के खिलाफ सीकर के नीमकाथाना के कोतवाली थाने में मामला दर्ज किया गया है। विवादित बयानों के लिए सुर्खियों में रहने वाले राज्य मंत्री और उदयपुरवाटी (झुंझुनूं) विधायक राजेंद्र सिंह गुढ़ा की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं।

अब उनके खिलाफ किडनैपिंग का मामला दर्ज हुआ है। मामला दर्ज करवाने वाला वार्ड पंच है और किडनैपिंग की रिपोर्ट नीमकाथाना (सीकर) में दर्ज कराई गई है।

नीमकाथाना के वार्ड नंबर 31 निवासी दुर्गा सिंह ककराना पंचायत का वार्ड पंच है। थाने में रिपोर्ट देकर उसने आरोप लगाया है कि वह उदयपुरवाटी में भी कई राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल होता रहता है। इसी बात को लेकर मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा उनसे रंजिश रखते हैं।

करीब 15 दिन पहले मंत्री ने फोन कर धमकाया था और कहा- तेरे को रा ज नी ति करना सिखाऊंगा। ऐसे में जब जवाब दिया तो फोन काट दिया।

जब कहा कि वह नीमकाथाना है तो इसके आधे घंटे बाद राजेंद्र गुढ़ा अपने ड्राइवर और पीए कृष्ण कुमार के साथ अपनी सरकारी गाड़ी में आए। इसके अलावा एक अन्य लाल रंग की गाड़ी और एक पुलिस की गाड़ी भी थी। गुढ़ा के अलावा करीब 10 लोग और एक म हि ला विमला कंवर भी उनके साथ थी।

वार्ड पंच ने आरोप लगाया कि गुढ़ा ने कॉलर और गर्दन पकड़ कर मुझे अपनी सरकारी गाड़ी में बैठा दिया। इसके बाद फॉर्म हाउस पर ले जाने लगे।

रास्ते में उन्होंने उदयपुरवाटी थाना अधिकारी को फोन कर कहा कि दुर्गा सिंह को लेकर आया हूं यह मान जाता है तो ठीक, नहीं तो उस पर ऐसा मुकदमा लगाना कि एक 2 साल तक बाहर नहीं आ पाए। यही बात गुढा ने किसी जीतू बन्ना वकील को भी कही।

खाली चेक पर साइन करवाने का आरोप

वार्ड पंच ने रिपोर्ट में गुढा पर खाली चेक करवाने का भी आरोप लगाया है। रिपोर्ट में दुर्गा सिंह ने बताया कि मुझे गिरावड़ी फार्म हाउस ले जाते ही गुढ़ा ने धमकाया और कहा कि बड़ा नेता बन गया है, तू यहां से जिन्दा जाना चाहता है तो मेरा विरोध करना बंद कर दे। तेरे खाली चेक साइन करके दे।

फिर कहा की तेरे खाते में रुपए ही नहीं है, तेरे भाई को बुला। फोन नहीं होने की बात कही तो गुढ़ा ने खुद के फोन से मेरे छोटे भाई विक्रम सिंह को फोन किया।

इधर, इस मामले में जब मंत्री गुढ़ा से बातचीत करने का प्रयास किया गया तो वे इस मामले में कुछ भी बोलने से बच रहे हैं।

कोटा में छठी मंजिल से गिरकर स्टूडेंट की मौत

कोटा, 3 फरवरी (एजेंसियां)। कोटा में छठी मंजिल से गिरने से एक कोचिंग स्टूडेंट की मौत हो गई। गुरुवार रात को 11:15 बजे वह अपने तीन दोस्तों के साथ बालकनी में बैठा था। कुछ देर बाद चारों दोस्त उठकर जाने लगे। इसी दौरान छात्र उठकर चप्पल पहनने लगा तो उसका बैलेंस बिगड़ गया। पास ही बालकनी में लगी जाली को तोड़ते हुए वह सीधा नीचे जा गिरा।

डीएसपी अमर सिंह ने बताया कि मृतक इशांशु भट्टाचार्य (20) धुपगुरी, जलपाईगुड़ी (पश्चिम बंगाल) का रहना वाला था। वह कोटा के जवाहर नगर इलाके में रहकर नीट की तैयारी कर रहा था। शव को महाराव भीमसिंह अस्पताल के पोस्टमॉर्टम रूम में रखवाया गया है। अमर सिंह के मुताबिक इशांशु वात्सल्य रेजीडेंसी हॉस्टल की छठी मंजिल पर रहता था। वह यहां पिछले साल अगस्त में आया था।

डीएसपी ने बताया- हादसे की जानकारी लगते ही दूसरे स्टूडेंट भी मौके पर पहुंच गए। छात्र को तलवंडी स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया, लेकिन उसे मृत घोषित कर दिया गया।

सूने मकानों में चोरी करने वाला गिरफ्तार

बदमाश से चोरी के जेवर और नगदी बरामद

चाकसू, 3 फरवरी (एजेंसियां)। चाकसू पुलिस ने सूने मकानों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। चाकसू एसएचओ भूरीसिंह ने बताया कि बुधवार रात को चाकसू कस्बे में खातियों के मोहल्ले में स्थित एक मकान से जेवर सहित नकदी चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी मामले पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आज गुरुवार को चोरी के आरोपी जगदीश सिंह राजपूत निवासी रामनिवासपुरा को गिरफ्तार कर चोरी किये गए जेवर सहित नकदी को बरामद किया गया है।

ठेहट मर्डर की प्लानिंग सबसे हाई सिक्योरिटी जेल में हुई

गार्ड्स ने अंदर फेंके थे मोबाइल; आनंदपाल गैंग की थी हर मूवमेंट पर नजर

अजमेर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के सीकर जिले में हुए गैंगस्टर राजू ठेहट की हत्या के मामले के तार प्रदेश की सबसे सुरक्षित कही जाने वाली जेल हाई सिक्योरिटी जेल से जुड़ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, हाई सिक्योरिटी जेल में बैठकर गैंगस्टर राजू ठेहट की हत्या के लिए शूटर्स तैयार किए गए।

जेल के दो गार्ड ने हार्डकोर अपराधी और आनंदपाल गैंग के कुलदीप तक जेल में मोबाइल पहुंचाए गए। दोनों ने मोबाइल पहुंचाने के लिए 70 हजार रुपए लिए। जेल की सबसे ऊंची 30 फीट की दीवार के ऊपर से मोबाइल अंदर फेंकने की जानकारी सामने आई है। सीकर पुलिस अधीक्षक कुंवर राष्ट्रदीप ने बताया- कोतवाली थाना पुलिस ने 1 फरवरी को अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल में बंद हार्डकोर अपराधी कुलदीप उर्फ टिंकू और जेल गार्ड योगेश वर्मा को गिरफ्तार किया था।

'जनसंचार माध्यमों में भारतीय भाषाओं का योगदान' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शासकीय स्नातक महाविद्यालय, सीताफलमंडी, उस्मानिया विश्वविद्यालय तथा गुरु विद्यापीठ के संयुक्त तत्वावधान में "जनसंचार माध्यमों में भारतीय भाषाओं का योगदान" द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में प्रो. सी.गणेश, प्राचार्य आर्टस कॉलेज. उस्मानिया वि.वि. और जी. स्वामीनाथन ने द्वीप प्रज्वलन करके संगोष्ठी का उद्घाटन किया। उद्घाटन सत्र में डॉ. मायादेवी वाघमारे (अध्यक्ष हिंदी विभाग, उ.वि.वि.), डॉ. जी.एस.आर राजेंद्र सिंह (जेडी, सीसीई) विकास शर्मा (गुरू विद्यापीठ अध्यक्ष, हरियाणा) और सुलोक्षणा शर्मा (हरियाणा) आदि गणमान्य उपस्थित थे। संगोष्ठी की संयोजिका डॉ. अनुपमा ने संगोष्ठी की प्रस्तावना प्रस्तुत की। संगोष्ठी के बीज व्याख्यान में प्रो. डॉ. ऋषभदेव शर्मा ने वर्तमान युग में जनसंचार की प्रासंगिकता और हिंदी शब्दावली, हिंदी शब्दों के सूक्ष्म अर्थ गायब होते जाने पर प्रकाश डालते हुए भारतीय भाषाओं के योगदान पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। संगोष्ठी प्रथम सत्र में पाँच पप्रत्र पढे गए। दूसरे सत्र में विभिन्न महाविद्यालयों के स्नातक के छात्र, विभिन्न विश्वविद्यालयों के शोधार्थी एवं शासकीय महाविद्यालय के अध्यापक जिसमें डॉ. अर्पना, डॉ. चतुर्वेदी, डॉ. सीताराम राठोड, डॉ. हरदा राजेश, डॉ. सुधा और डॉ. श्यामसुंदर आदि ने जनसंचार एवं मीडिया पर शोध प्रपत्र का वाचन किया। इस सत्र के अध्यक्षणीय भाषण में डॉ. शामराव राठोड ने सभी छात्रों, शोधार्थीयों एवं अध्यापकों को सराहते हुए जनसंचार एवं भारतीय भाषाओं पर कार्य करने के बारे में अपने विचार प्रकट किए। संगोष्ठी के दूसरे दिन के पहले सत्र की अध्यक्षता प्रो. डॉ. करण सिंह ऊटवाल ने की। भोजन अवकाश के बाद छात्रों ने तेलंगाना की संस्कृति जैसे बतकम्मा, बोनालु के गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किया। एवं हरियाणा कला परिषद के कलाकार महाबीर गुड्डु एवं उनके टीम ने हरियाणा के लोक संगीत और नृत्य की प्रस्तुति में ने सभी श्रोताओं का मन मोह लिया। संगोष्ठी के समापन समारोह में प्रो. डॉ. रेखा शर्मा, डॉ. गंगाधर वानोडे और हरियाणा कला परिषद के निदेशक डॉ. संजय भसीन जी ने उपस्थित थे। संगोष्ठी की संयोजिका डॉ. अनुपमा जी ने संगोष्ठी का सार प्रस्तुत किया और डॉ. एम. रामचंद्रम जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

जमीन कब्जा मामले में कांग्रेस पार्षद गिरफ्तार

हनामकोंडा, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। काजीपेट पुलिस ने शुक्रवार को काजीपेट थाना क्षेत्र के सोमिदी गांव में पांच गुंटा जमीन पर कब्जा करने के आरोप में 62वें डिवीजन के पार्षद जक्कुला रविंदर को गिरफ्तार कर लिया है। जैसा कि उन्हें एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया है, उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया और परकल उप-जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। पुलिस ने कई दिन पहले कांग्रेस पार्टीके रविंदर के खिलाफ मामला दर्ज किया और घटना की जांच की। पता चला है कि पुलिस ने उसके खिलाफ लगाए गए आरोपों को सही पाया और शुक्रवार को उसे गिरफ्तार कर लिया।

राज्यपाल का भाषण सरकार के दावों का प्रतिबिंब : इटेला

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक इटेला राजेंदर ने आज उपहास उड़ाया कि तेलंगाना विधानमंडल के संयुक्त सत्र में राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन का संबोधन और कुछ नहीं, बल्कि सत्ताधारी पार्टी के नेताओं के दावों का प्रतिबिंब था। राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विधानसभा मीडिया प्वाइंट में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए राजेंद्र ने राज्य सरकार से पूछा कि वह अपनी बिजली उत्पादन क्षमता में वृद्धि के बाद भी किसानों को बिजली क्यों नहीं दे रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बिजली की कमी या अन्य कारणों से किसानों को बिजली उपलब्ध नहीं करा पा रही है। उन्होंने कहा कि कई किसान अपनी कृषि भूमि बेचने की योजना बना रहे हैं क्योंकि उन्हें रैतु बंधु लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि धरणी ऑनलाइन पोर्टल में किसानों को हो रही समस्याओं का जिक्र है।

सुख में नाम स्मरण करने से नहीं होता है कष्ट : सुखेन्द्रजी शास्त्री

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बांगारू महिषम्मा मन्दिर इमलीबन पार्क बेगम बाजार श्री लक्ष्मीनारायण महा यज्ञ एवं श्रीमद भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन की कथा में श्री सुखेन्द्र शास्त्री जी महाराज ने सुकदेव जी महाराज एवं परिक्षित जी महाराज की जन्म कथा के बारे में बताया। इसमें भक्त और भगवान के बारे में बताते हुये कुन्ती चरित्र चित्रित किया। सुखेन्द्र शास्त्री जी महाराज ने कहा कि सभभ दुख के समय में सभी भगवान का स्मरण करते हैं, सुख के समय में कोई नहीं करता है। जो व्यक्ति सुख में स्मरण करते हैं, उन्हें कभी दु:ख नहीं आता है। इस अवसर पर सर्वश्री यज्ञाचार्य राम नरेश पाण्डेय महाराज, पुजारी अनिल पाण्डेय महाराज, एनके. सिंह दंपत्ति, एस.के. वर्मा, श्रीनिवास दंपत्ति, रितेश अग्रवाल, रवींद्र यादव, नरसिंह राव, नरसिंहभान यादव, गजेन्द्र शुक्ला, रमेश कांवरा, देवेन्द्र पुनिया, महेश गिडवानी, राजेश शर्मा, प्रकाश शुक्ला, यतिराज झंवर, रविकुमार अग्रवाल, विनय अग्रवाल आदि ने भाग लिया।

ब्रह्मर्षि सेवा समाज का वार्षिकोत्सव आज

उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही मुख्य अतिथि होंगे

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के एनआई-एमएसएमई के ऑडिटॉरीयम, युसुफ़गुडा चेक पोस्ट में कल 4 फ़रवरी को होने वाले ब्रह्मर्षि सेवा समाज के वार्षिकोत्सव की तैयारियां लगभग पूरी हो गई हैं। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही एवं विशेष अतिथि के तौर पर मुनीन्द्र आईएफ़एस, पूर्व प्रधान वन संरक्षक तेलंगाना होंगे। ब्रह्मर्षि सेवा समाज के अध्यक्ष इंदिरा रॉय ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इस दौरान ब्रह्मर्षि समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि और पुरस्कार प्रदान की जाएगी। समारोह की शुरुआत भगवान परशुराम और स्वामी सहजानंद सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और स्वस्तिवाचन से होगी। समाज के अध्यक्ष और महासचिव अपने कार्यकाल का ब्यौरा प्रस्तुत करेंगे। अतिथियों का स्वागत महिला मनोरमा शर्मा करेंगीं।

प्रो. मधु दण्डवते और मधु लिमये की जन्मशती पर होगी संगोष्ठी

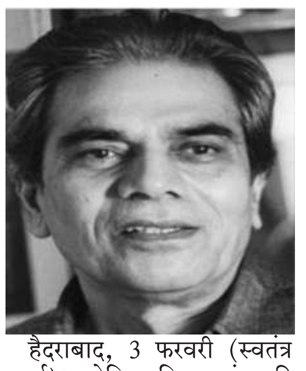

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लोहिया विचार मंच की ओर से आगामी 5 फरवरी को सुबह 10 बजे आबिद स्थित तेलंगाना ड्रगिस्ट एंड केमिस्ट एसोसिएशन बिल्डिंग में समाजवादी नेता एवं चिंतक प्रो. मधु दण्डवते एवं मधु लिमये की जन्म शताब्दी के अवसर पर परिसंवाद का आयोजन किया जाएगा। इसकी जानकारी लोहिया विचार मंच, हैदराबाद के अध्यक्ष एवं पूर्व न्यायाधीश टी.गोपाल सिंह और संयोजक पी. दामोदर रेड्डी (एडवोकेट) ने दी. कार्यक्रम में राष्ट्र सेवा दल के पूर्व अध्यक्ष डॉ. सुरेश खैरनार (नागपुर), वरिष्ठ समाजवादी नेता अरुण श्रीवास्तव (दिल्ली) एवं डॉ. राममनोहर लोहिया रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली के अध्यक्ष अभिषेक रंजन सिंह शिरकत करेंगे। इस अवसर पर डॉ. लोहिया के उत्तर-पूर्व में नागरिक स्वतंत्रता के अभियान पर केंद्रित लघु फिल्म "उर्वशीयम" भी प्रदर्शित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि डॉ. लोहिया के उर्वशीयम अभियान के 65 वर्ष पूरे होने पर डॉ. राममनोहर लोहिया रिसर्च फाउंडेशन द्वारा गुवाहाटी में पिछले वर्ष नवंबर में दो दिवसीय राष्ट्रीय विचार मंथन का आयोजन किया गया था।

कीसरगुट्टा ब्रह्मोत्सवम के मौके पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम : चौहान

सीपी ने घटकेसर व कीसरा थाने का दौरा किया

पुलिस ऑयुक्त ने हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कीसरगुट्टा ब्रह्मोत्सवम को लेकर राचकोंडा पुलिस आयुक्त डी.एस.चौहान ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। ब्रह्मोत्सवम के दौरान श्रद्धालुओं की अधिक संख्या को देखते हुए अधिकारियों को सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं। आम श्रद्धालुओं को अवगत करा दिया गया है कि वे इस बार बिना किसी परेशानी के पूजा-अर्चना कर सकते है। महिला श्रद्धालुओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए विशेष सावधानी बरती जा रही है। आपात स्थिति में लोगों की सुविधा के लिए डॉक्टरों की टीम के साथ एंबुलेंस उपलब्ध कराई जाएगी। अधिकारियों को बड़ी संख्या में वाहनों की नियमित पार्किंग की समुचित व्यवस्था करने की सलाह दी गई है। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए शी टीम की टीमें भी तैनात रहेंगी। इस दौरान मलकाजगिरी डीसीपी डी. जानकी, वाई वेंकट रेड्डी एसीपी कुशाईगुड़ा, कीसरा इंस्पेक्टर, अन्य अधिकारी और मंदिर के अधिकारी मौजूद थे। इसी क्रम में पुलिस आयुक्त डीएस चौहान ने घटकेसर व कीसरा थाने का दौरा किया। इसके बाद संबंधित स्टेशनों के कर्मचारियों के प्रदर्शन की जांच की गई। कर्मचारियों को सलाह दी गई है कि वे शिकायत करने आने वाले पीड़ितों के साथ मित्रवत व्यवहार करें और यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएं कि उन्हें शीघ्र न्याय मिले।

केंद्र सरकार ने जीएचएमसी के साथ एससीबी के विलय पर गठित समिति को स्वीकार किया

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र सरकार ने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के साथ सिकंदराबाद छावनी के नागरिक क्षेत्रों के छांटने के लिए प्रस्तावित तौर-तरीकों के विवरण की जांच के लिए एक समिति का गठन किया गया है। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने लोकसभा में कांग्रेस सांसद ए रेवंत रेड्डी को बताया कि सिकंदराबाद छावनीके नागरिक क्षेत्रों के छांटने और आसपास की नगरपालिका के साथ उनके विलय के बारे में कोई भी निर्णय सभी हितधारकों के साथ परामर्श के बाद लिया जाएगा। सुमित बोस समिति का उल्लेख करते हुए, मंत्री ने कहा कि समिति ने सूचित किया कि छावनियों ने अक्सर शहरीकरण के लाभों को पड़ोसी शहर क्षेत्रों की सीमा तक नहीं देखा है। समिति ने इन क्षेत्रों के विकास की आवश्यकता को उनके विकास और आर्थिक कल्याण के लिए एक प्रमुख साधन के रूप में मान्यता दी, ताकि वे आवास, संसाधन विकास, स्मार्ट नगरपालिका समाधान आदि के क्षेत्रों में आस-पास की नगर पालिकाओं के साथ तालमेल बिठा सकें। समिति ने छावनी क्षेत्रों के विकास के लिए विभिन्न कदमों की भी सिफारिश की। तेलंगाना सरकार सिकंदराबाद छावनी बोर्ड (एससीबी) का जीएचएमसी में विलय की मांग कर रही है। हम लंबे समय से सिकंदराबाद छावनी के जीएचएमसी में विलय की मांग कर रहे हैं।

इससे तेलंगाना सरकार को एसआरडीपी और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। केटी रामाराव ने पिछले महीने ट्वीट किया था कि यह केंद्र सरकार का 7 साल से अधिक समय से प्रस्तावित स्काईवे को जमीन देने से इंकार करने का अडिग इनकार है।

सीरवी समाज कोरेमुला द्वारा श्री सोनाणा खेतलाजी भेरुजी जागरण एवं बोलियाँ आज

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीरवी समाज (तेलंगाना) कोरेमुला, घटकेसर, मेडचल, हैदराबाद द्वारा शनिवार 4 फरवरी को श्री सोनाणा खेतलाजी भैरुजी का सुमधुर जागरण एवं श्री आई माताजी मन्दिर (बडेर) निर्माण हेतु शिला (नीव) पूजन हेतु 11 बोलियों का आयोजन रात्रि 8:15 बजे किया जायेगा। उक्त जानकारी यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में सचिव डायाराम लचेटा द्वारा दी गई। अध्यक्ष कालुराम काग के अनुसार श्री सोनाणा खेतलाजी भेरुजी जागरण के अन्तर्गत रात्रि 9:15 बजे से अमराराम देवड़ा एण्ड पार्टी द्वारा सुमधुर भजन प्रस्तुत किए जायेंगे। रात्रि 8:15 बजे से सभी स्वजातीय भाइयों एवं बहनों के लिए भोजन प्रसादी रहेगी। रात्रि 11 बजे से श्री आई माताजी मन्दिर (बडेर) कोरेमुला की शिला (नीव) पूजा के लिए 11 बोलियों का आयोजन किया जायेगा। शनिवार 11 फरवरी को बोली लेने वाला महानुभाव समाज बन्धुओं के करकमलों द्वारा शिला (नीव) पूजन दोपहर 12:11 बजे से सायं 4:21 बजे तक सम्पन्न किया जायेगा। विज्ञप्ति में अध्यक्ष कालुराम काग एवं सचिव डायाराम लचेटा ने सभी स्वजातीय भाइयों एवं बहनों को उपरोक्त कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में पधार कर कार्यक्रम की शोभा बढाने का आग्रह किया है ।

अगले साल तेलगाना में भाजपा की सरकार बनेगी : अरुणा तारा

मदनूर, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी कामारेड्डी जिलाध्यक्ष जुक्कल विस क्षेत्र के पूर्व विधायक अरुणा तारा ने भाजपा कार्यकर्ता के साथ मिलर शुक्रवार के दिन घर घर भाजपा कार्यक्रम के तहत मदनूर मंडल के छोटा शकरगा गांव में घर-घर जाकर देश में चलने वाले भाजपा योजना के बारे में बताया। उन्होंने भारत राष्ट समिति पर आरोप लगाते हुए बताया कि 8 वर्ष के शासन काल में गरीब व दलित जनता को तीन एकड़ जमीन, दलित बंधु, डबल बेड रूम नहीं दिया। उन्होंने कहा कि लोग बीआरएस सरकार से तंग आ चुके हैं। आगे 2024 में तेलंगाना में भाजपा की सरकार स्थापित होगी। इस समय जिला एससी मोर्चा के महासचिव वेंकट काले और मदनूर मंडल के महासचिव वीरेशम हनुमान, मल्लिकार्जुन देसाई, गद्दीवारू तुकाराम और भारतीय जनता पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं और नेताओं ने अभियान में बड़ी संख्या में भाग लिया।

गांजा तस्करों को पकड़ने में पत्रकार ने की पुलिस की मदद

कोत्तागुडेम, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक पत्रकार ने तीन गांजा तस्करों को पकड़ने में पुलिस की मदद की है, जो शुक्रवार को जिले के येल्लंदु में एक कार में 21 लाख रुपये का सूखा गांजा ले जा रहे थे। यह कहा गया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर कि तस्कर एक कार में भद्राचलम से हैदराबाद गांजा ले जा रहे थे, खम्मम आबकारी प्रवर्तन कर्मियों ने भद्राचलम में निरीक्षण किया।

जब उन्होंने कार को देखा तो उसके चालक ने कार नहीं रोकी, बैरिकेड्स को टक्कर मार दी और भाग गया। फिर प्रवर्तन कर्मियों ने कोत्तागुडेम, येल्लंदु और तेकुलापल्ली में आबकारी कर्मियों और पुलिस को सतर्क किया। यह जानने पर कि तस्कर हैदराबाद जाने के लिए येलंदूशहर की ओर बढ़ रहे हैं, आबकारी कर्मियों ने शहर के बाहरी इलाके में कार को रोकने की कोशिश की, लेकिन कार चालक ने एक आबकारी कांस्टेबल बाबा को टक्कर मार दी और उसे घायल कर कस्बे में ले गया। बाद में तेज गति से आ रही कार नियंत्रण से बाहर हो गई और एलबीएस नगर में बिजली के खंभे से जा टकराई। एक स्थानीय मुंशी शेख सलीम, जिन्होंने कार में रहने वालों को देखा, घटना के बाद भागना शुरू कर दिया, उन्हें कुछ गड़बड़ होने का शक हुआ, उन्होंने उन्हें पकड़ लिया और स्थानीय पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस को 350 किलो गांजा मिला, तस्करों को गिरफ्तार किया, नशीला पदार्थ व कार जब्त की. डीएसपी रमन मूर्ति के मुताबिक कार चालक सागर, महाराष्ट्र के सोलापुर के शिवाजी और रामबाबू ने ओडिशा में गांजा खरीदा और तस्करी कर महाराष्ट्र ले गए।

टीपीसीसी प्रमुख ने सीएम को लिखा पत्र

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के अध्यक्ष और मलकजगिरी के सांसद ए. रेवंत रेड्डी ने आज राज्य के बजट में धन के आवंटन पर मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को एक खुला पत्र लिखा।

रेवंत रेड्डी ने आज मुख्यमंत्री को लिखे अपने खुले पत्र में कहा कि मुख्यमंत्री ने किसानों, बेरोजगार युवाओं, बीसी, दलित और अल्पसंख्यक समुदायों जैसे लोगों से कई वादे किए, लेकिन एक भी वादा पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि बजट में कुछ वादों के लिए धन आवंटित नहीं किया जाता है। उन्होंने कहा कि किसान अपने द्वारा लिए गए कर्ज का ब्याज नहीं चुका पा रहे हैं।

राज्यपाल व केसीआर ने किया गुप्त समझौता : जग्गारेड्डी

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस विधायक टी. जयप्रकाश रेड्डी ने आज आरोप लगाया कि तेलंगाना राज्य विधानसभा के बजट सत्र से पहले राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन और मुख्यमंत्री केसीआर के बीच एक गुप्त समझौता हुआ है। राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण पर टिप्पणी करते हुए रेड्डी ने इसे कायरतापूर्ण अभिभाषण करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यपाल ने विधायिका को संबोधित किया क्योंकि उनके पास ऐसा करने का कोई विकल्प नहीं है। राज्यपाल के अभिभाषण के बाद पत्रकारों से बात करते हुए रेड्डी ने कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण में कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यपाल अब सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी और विपक्षी भाजपा की बी-टीम बन गए हैं। यह स्पष्ट करते हुए कि राज्य विधानसभा चुनाव वर्ष से गुजर रहा है, उन्होंने कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण में बात करने के लिए बहुत सारी सार्वजनिक समस्याएं हैं।

रेड्डी ने कहा कि वह अपने विधानसभा क्षेत्र संगारेड्डी की समस्याओं और राज्य की समस्याओं को उठाएंगे। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार पाटनचेरु से संगारेड्डी, सदाशिवपेटा और यादगिरिगुट्टा तक हैदराबाद मेट्रो रेल सेवाओं का विस्तार करे। उन्होंने यह भी मांग की कि राज्य सरकार राज्य के सभी गरीब लोगों को भूमि के पट्टे आवंटित करे और आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने तेलंगाना राज्य के गठन के बाद भूमि के पट्टे के आवंटन से संबंधित शासनादेश को रद्द कर दिया है। उन्होंने कहा कि वे आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आईकेपी कर्मचारियों और गांव के सरपंचों की समस्याओं से संबंधित समस्याओं पर राज्य सरकार को घेरेंगे। उन्होंने आरएमपी डॉक्टरों का मुद्दा उठाते हुए मांग की कि राज्य सरकार राज्य के गांवों में सभी आरएमपी डॉक्टरों को पहचान पत्र जारी करे।

श्री सालासर हनुमान मंदिर का स्थापना दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री सालासर हनुमान मंदिर के बारहवें स्थापना दिवस के अवसर पर कुंभाभिषेक पुष्करम महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। उक्त जानकारी देते हुए कोषाध्यक्ष पवन सोंथलिया ने बताया कि कलश यात्रा के साथ मंडल पूजा एवं स्थापना पूजा की गई। 31 जनवरी को प्रात: मंडल पूजा की गयी एवं गणपति हवन किया गया एवं मध्याह्न में विद्वान पंडितो द्वारा मन्दिर में स्थापित देयताओं का माला जप किया गाया। 1 फरवरी को प्रात सभी मंडल में स्थापित देवताओं की पूजा की गई। पूजा के पश्चात मंदिर के शिखर कलश का अभिषेक किया गया एवं स्थापित सभी भगवान के विग्रहों का अभिषेक किया गया। तत्पश्चात भगवान को वस्त्र अलंकार एवं पुष्पालंकार किया गया। शाम को भगवान कि उत्सव मूर्तियों को सुन्दर सुसज्जित पालकी में बिराज कर नगर भ्रमण भी बड़ी भक्ति भाव से किया गया एवं विशाल भंडारे प्रसाद का आयोजन किया गया ओर बडी संख्या मे लोगो ने भंडारे प्रसाद का लाभ उठाया। पंकज ओझा के द्वारा भजन संध्या में भी सभी भक्तों ने आनंद उठाया। सुबह से ही मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहा। इस शुभ अवसर पर अध्यक्ष प्रह्लाद गोयल, मंत्री नवीन तुलस्यान, सह मंत्री किसन अग्रवाल, नवनीत मदान, उपाध्यक्ष अरुण तुलस्यान, जगदीश सोंथलिया, अजय सोंथलिया, श्याम गोयल, अनिल बंसल, सुरेंद्र गर्ग, सुभाष जिंदल, राम किशोर, कैलाश चौधरी, कृष्णम राजू, विजय सोंथलिया, अजय सोंथलिया, सिद्धार्थ अग्रवाल, रमेश व्यास, हृदय नारायण त्रिपाठी, सुनील पंसारी, माखनलाल बबलू व अन्य उपस्थित थे।

बोइनपल्ली न्यू सिटी कॉलोनी में श्री वेंकटेश्वर स्वामी देवस्थानम का ब्रह्मोत्सवम में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेते हुए छावनी बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पना प्रताप, मंदिर समिति के सदस्य नारायण, जगन्नाधम, लक्ष्मण व अन्य।

आईएएस अधिकारी नवीन मित्तल को प्रिंसिपल सेक्रेट्री लैंड रिवेन्यू एंड रजिस्ट्रेशन तेलंगाना के नियुक्ति पर उनका सम्मान करते हुए अंजनी कुमार अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सूर्य कमल गुप्ता, अभिषेक अग्रवाल, अनिरुद्ध गुप्ता, नितिन अग्रवाल, संजय अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, पुरुषोत्तम अग्रवाल, संजय गुप्ता, राजेंद्र जालान व अन्य।

टेस्ट क्रिकेट में अभी वापसी नहीं करेंगे पंड्या

कहा – इस समय मेरा फोकस वाइट बॉल क्रिकेट पर

खेल डेस्क, 3 फरवरी (एजेंसियां)। बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज जीतने के बाद भारत के स्टार ऑलराउंडर कप्तान हार्दिक पंड्या ने रेड बॉल क्रिकेट में नहीं आने के संकेत दिए। सीरीज के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने बोला कि अभी वे वाइट बॉल क्रिकेट पर फोकस कर रहे हैं।

2018 में आखिरी बार खेले थे टेस्ट

2018 में आखिरी बार हार्दिक पंड्या टेस्ट खेले थे। इसके बाद उन्होंने सिर्फ वाइट बॉल क्रिकेट ही खेला है।

पंड्या ने आखिरी मैच में चार विकेट लिए

तीसरे टी-20 में पंड्या ने चार अहम विकेट लेकर न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी को तहस-नहस कर दिया। भारतीय कप्तान ने चार विकेट हासिल किए और केवल 16 रन दिए, जिससे न्यूजीलैंड 12.1 ओवर में 66 रन पर ढेर हो गया।

ऑस्ट्रेलिया से 4 टेस्ट खेलेगा भारत

टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 4 टेस्ट की सीरीज खेलनी है।

9 फरवरी को नागपुर में पहले टेस्ट के बाद 17 फरवरी से दिल्ली में दूसरा टेस्ट होगा। 1 मार्च से धर्मशाला में तीसरा टेस्ट और 9 मार्च से अहमदाबाद में चौथा टेस्ट खेला जाएगा।

जोगिंदर शर्मा ने इंटरनेशनल क्रिकेट से लिया रिटायरमेंट

टी-20 वर्ल्ड कप 2007 में फेंका था फाइनल ओवर, 39 साल की उम्र में गेम को कहा अलविदा

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के 2007 के टी20 वर्ल्ड कप विजेता जोगिंदर शर्मा ने शुक्रवार को इंटरनेशनल और डोमेस्टिक क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से रिटायरमेंट ले लिया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के सचिव को लिखे पत्र में, क्रिकेटर बने पुलिस अधिकारी जोगिंदर ने बोर्ड, हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन, चेन्नई सुपर किंग्स और हरियाणा सरकार को शुक्रिया किया। जोगिंदर ने इंस्टाग्राम पर चिट्ठी का फोटो शेयर किया। जोगिंदर ने लिखा - आज में इंटरनेशनल और डोमेस्टिक क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा करता हूं।

हरियाणा पुलिस में DSP हैं जोगिंदर

2007 के बाद टीम में मौका नहीं मिला

टी-20 वर्ल्ड कप के खिताबी मुकाबले का आखिरी ओवर डालने वाले जोगिंदर शर्मा महज 4 गेंदों में देश के हीरो बन गए थे। यह अफसोस की बात रही कि जोगिंदर को उस फाइनल मुकाबले के बाद कभी कोई इंटरनेशनल मैच खेलने का मौका नहीं मिला। हालांकि उन्होंने डोमेस्टिक क्रिकेट खेलना जारी रखा।

2017 में खेला था आखिरी मैच

जोगिंदर ने 2017 में आखिरी बार डोमेस्टिक मैच खेला था। उन्होंने, पंजाब के खिलाफ हरियाणा से विजय हजारे ट्रॉफी में मैच खेला था। इसमें उन्होंने 7 ओवर फेंके थे। इसके बाद जोगिंदर ने एक भी मैच नहीं खेला।

खेल से जुड़े रहेंगे

जोगिन्दर ने चिट्ठी में यह भी लिखा कि मुझे खुशी हो रही है कि मुझे भारत से क्रिकेट खेलने का मौका मिला। आगे चलकर दूसरे व्यवसाय में नए अवसरों की तलाश करूंगा। मैं इस खेल में दूसरे तरीकों से भाग लेना जारी रखूंगा। मेरा मानना है कि एक क्रिकेटर के रूप में अब मेरा अगला पड़ाव यही है। मैं लाइफ के नए चैप्टर की ओर बढ़ रहा हूं।

अजेय भारत को मिली पहली हार

सा. अफ्रीका ने ट्राई सीरीज फाइनल में 5 विकेट से हराया; दीप्ति बनीं प्लेयर ऑफ द सीरीज

खेल डेस्क, 3 फरवरी (एजेंसियां)। नसाउथ अफ्रीका ने भारत को टी-20 ट्राई सीरीज के फाइनल में 5 विकेट से हरा दिया है। दक्षिण अफ्रीका की दाएं हाथ की बल्लेबाज क्लो ट्राईऑन ने नाबाद 57 रन की पारी खेली और अपनी टीम को जीत दिलाई। उन्हें इस पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

109 रन ही बना सका भारत

भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। भारतीय टीम पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 109 रन ही बना सकी। भारत की ओर से हरलीन देओल ने सबसे ज्यादा 46 रन बनाए। उनके बाद दूसरी टॉप स्कोरर हरमनप्रीत कौर रहीं, जिन्होंने 21 रन की पारी खेली।

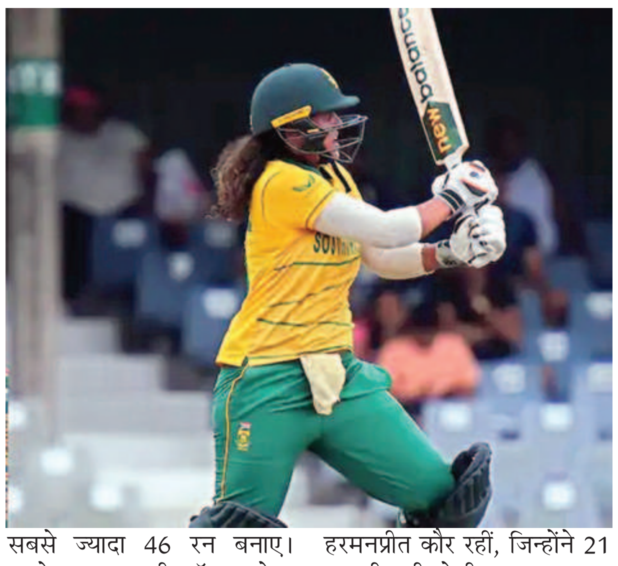

इन दोनों के अलावा भारत की कोई अन्य बल्लेबाज 20 का आंकड़ा पार नहीं कर सकीं। भारत की पारी में केवल दीप्ति शर्मा ने 100+ की स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

द. अफ्रीका की गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी की। उनकी ओर से नॉनकुलुलेकू म्लाबा ने 4 ओवर में 16 रन देकर सबसे ज्यादा 2 विकेट अपने नाम किए। म्लाबा के आलावा आयाबोंगा और सुने लूस को 1-1 विकेट मिला।

अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही

द. अफ्रीका की बल्लेबाजी की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। टीम ने अपने 3 विकेट 21 रन के स्कोर पर ही गंवा दिए। 66 पर पांच विकेट गंवाने के बावजूद द. अफ्रीका ने 5 विकेट से मैच जीत लिया। अफ्रीका की ओर सबसे ज्यादा 57 रन क्लो ट्राईऑन ने बनाए।

भारत की गेंदबाजी भी कलात्मक रही। भारतीय स्पिन गेंदबाज स्नेह राणा ने 4 ओवर में 2 विकेट लिए। दीप्ति शर्मा, राजेश्वरी गायकवाड़ और रेणुका सिंह को 1-1 विकेट मिला। भारत इस सीरीज में अभी तक अजेय था। लेकिन, फाइनल में ही टीम को हार का सामना करना पड़ा। दीप्ति शर्मा को सीरीज में 9 विकेट लेने और 49 रन बनाने के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड दिया गया।

17 साल के पहलवान अमन ने जगरेब ओपन में जीता कांस्य पदक

अमेरिकी खिलाड़ी को दी शिकस्त

खेल डेस्क, 3 फरवरी (एजेंसियां)। अमन ने अमेरिका के रेय रोड्स रिचड्र्स को 10-4 से हराया। अजरबैजान के अली अब्बास राजादे ने जापान के निशियूची को 2-0 से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया।

भारत के 17 साल के अमन सहरावत ने यहां आयोजित कुश्ती रैंकिंग टूर्नामेंट में 57 भारवर्ग में कांस्य पदक पर कब्जा किया। अमन ने अमेरिका के रेय रोड्स रिचड्र्स को 10-4 से हराया। अजरबैजान के अली अब्बास राजादे ने जापान के निशियूची को 2-0 से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया।

57 भारवर्ग में अन्य कांस्य जार्जिया के बेका बूजाशिवली ने जीता, जिन्होंने अजरबैजान के बाजारगानोव को पराजित किया। अमन ने क्वार्टर फाइनल में जार्जिया के रोबर्टी को हराया था लेकिन सेमीफाइनल में जापान के निशियूची से हार गए थे। जापानी पहलवान के फाइनल में पहुंचने से अमन को रेपचेज दौर में मौका मिला था।

अंडर-19 के बाद द. अफ्रीका में महिला टी20 वर्ल्ड कप

ऑस्ट्रेलिया- भारत दावेदार, किन टीमों पर होगी नजर

खेल डेस्क, 3 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 10 फरवरी से होगा। पिछली बार ये टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलिया में हुआ था, जहां 8 मार्च 2020 को फाइनल देखने रिकॉर्ड 86,174 दर्शक पहुंचे थे। इन दो टी20 वर्ल्ड कप के बीच आए बदलावों का असर इस बार देखने को मिल सकता है। इससे पहले आगामी वर्ल्ड कप के बारे में सारी चीजें जानते हैं...

वर्ल्ड कप का मेजबान कौन है?

आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी दक्षिण अफ्रीका कर रहा है। द. अफ्रीका ने हाल ही में अंडर-19 वर्ल्ड कप की मेजबानी की थी, जिसे भारत ने जीता है। टूर्नामेंट के 23 मैच बोलैंड पार्क, सैंट जॉर्ज और न्यूलैंड ग्राउंड पर खेले जाएंगे। ग्रुप राउंड 10 फरवरी से 21 फरवरी तक चलेगा। 23 और 24 फरवरी को सेमीफाइनल खेले जाएंगे। 26 फरवरी को फाइनल होगा। टूर्नामेंट के वॉर्मअप मैच 6 फरवरी से होंगे।

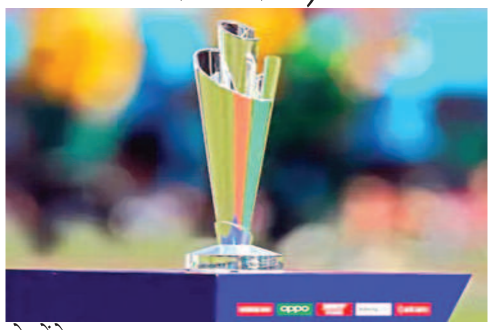

कितनी टीमें हिस्सा ले रही है?

वर्ल्ड कप में 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं। ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, द. अफ्रीका, श्रीलंका, बांग्लादेश हैं। इंग्लैंड, भारत, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, आयरलैंड ग्रुप बी में हैं। टीमें अपने ग्रुप की हर टीम से एक मैच खेलेंगी। दोनों ग्रुप की टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। द. अफ्रीका ने मेजबान होने के कारण डायरेक्ट क्वालिफाई किया। अन्य 7 टीमों का निर्धारण 30 नवंबर 2022 तक की रैंकिंग के आधार पर हुआ था।

किस टीम का दावा मजबूत है?

डिफेंडिंग चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया की दावेदारी मजबूत है। अगर टीम ये वर्ल्ड कप जीत लेती है तो वह एक साथ वनडे वर्ल्ड कप और टी20 वर्ल्ड कप की चैम्पियन बन जाएगी। टीम ने पिछले 17 टी20 में से 16 जीते हैं। ऑस्ट्रेलिया कॉमनवेल्थ गेम्स की विजेता भी है।

भारत की कितनी दावेदारी है?

2021 वनडे वर्ल्ड कप के अलावा भारत का पिछले कुछ आईसीसी टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन रहा है। भारत 2020 टी20 वर्ल्ड कप में रनरअप रहा था। साथ ही, भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर जीता था। वर्ल्ड कप में भारतीय टीम के साथ अंडर-19 वर्ल्ड कप विजेता रिचा घोष और शेफाली वर्मा जुड़ेंगी। वहीं, इंग्लैंड के लिए अच्छी खबर है कि कप्तान हीथर नाइट हिप इंजरी के बाद वापसी कर रही है। इससे उनकी वर्ल्ड कप दावेदारी को सकारात्मक मौका मिलेगा।

किन खिलाड़ियों पर नजरें रहेंगी?

भारत की स्मृति मंधाना अहम साबित होंगी। वे कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए सबसे ज्यादा 159 रन बनाने वाली बैटर थी। टूर्नामेंट में टॉप-10 रन बनाने वालों की सूची में स्मृति से बेहतर स्ट्राइक रेट (151) किसी का नहीं था।

ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी 2020 टी20 वर्ल्ड कप और कॉमनवेल्थ गेम्स में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी थी। उन्होंने वर्ल्ड कप की 6 पारियों में 64 की औसत से 259 रन और कॉमनवेल्थ में 5 पारियों में 44 की औसत से 179 रन बनाए थे।

भारतीय हॉकी टीम के कोच बनने की दौड़ में ये दो दिग्गज

एक को तो पाकिस्तान ने 10 महीने से नहीं दी सैलरी

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। टूर्नामेंट के बाद मुख्य कोच ग्राहम रीड ने इस्तीफा दे दिया था। उनके जाने के बाद से अभी तक नए कोच की नियुक्ति नहीं हुई है। इस पद के लिए दो नामों पर हॉकी इंडिया विचार कर रही है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए हॉकी इंडिया को नए कोच की तलाश है। हॉकी विश्व कप में टीम का प्रदर्शन खराब रहा था। अपनी मेजबानी में वह क्वार्टर फाइनल में नहीं पहुंच पाई थी। उसे नौवें स्थान से संतोष करना पड़ा था। टूर्नामेंट के बाद मुख्य कोच ग्राहम रीड ने इस्तीफा दे दिया था। उनके जाने के बाद से अभी तक नए कोच की नियुक्ति नहीं हुई है। इस पद के लिए दो नामों पर हॉकी इंडिया विचार कर रही है।

अर्जेंटीना के मैक्स काल्डास और नीदरलैंड के सिगफ्राइड ऐकमैन का नाम सबसे आगे चल रहा है। हॉकी इंडिया के सूत्र ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि महासंघ विदेशी कोचों से बातचीत कर रहा है। ऐकमैन की बात करें तो वह पाकिस्तानी हॉकी टीम के कोच हैं और उन्हें पिछले 10 महीने से सैलरी नहीं मिली है। पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने उन्हें कोई भुगतान नहीं किया है।

काल्डास ने स्पेन को क्वार्टर फाइनल में पहुंचाया था

काल्डास की बात करें तो वह स्पेन की टीम के कोच हैं। उनके नेतृत्व में स्पेन की टीम ने भारत में आयोजित हॉकी विश्व कप में भाग लिया था। उसने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। वहां उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कड़े मुकाबले में हार मिली थी। ग्राहम रीड की बात करें तो उनकी कोचिंग में टीम इंडिया टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीती थी। भारत 1980 के बाद ओलंपिक में कोई पदक जीतने में सफल रहा था।

'टीम का प्रदर्शन लगातार खराब हुआ'

हॉकी इंडिया के सूत्र ने कहा, "हमें टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद टीम के प्रदर्शन में सुधार की उम्मीद थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। टीम का प्रदर्शन लगातार खराब हुआ और स्तर नीचे गिर गया। रीड ने शानदार काम किया है और भारत को ओलंपिक पदक दिलाने में मदद की, लेकिन पिछले कुछ समय से टीम का प्रदर्शन तेजी से नीचे गिर गया।"

क्या किसी भारतीय को हॉकी टीम का कोच बनाया जा सकता है? इस पर सवाल हॉकी इंडिया के सूत्र ने कहा, "आप बताइए इस समय भारत में कौन सर्वश्रेष्ठ कोच हैं। आप नाम देंगे तो हम उस पर निश्चित तौर पर विचार करेंगे।"

छठवीं के लड़का का गोल वायरल

केरल के अंडर-12 फुटबॉल टूर्नामेंट में स्कोर किया बैक हील गोल

मल्लपुरम, 3 फरवरी (एजेंसियां)। केरल के छठी कक्षा के स्ट्रडेंट का बैक हील गोल वायरल हो रहा है। दरअसल केरल के अल अनवर स्कूल के स्टूडेंट अंशीद नेपंडीक्कड़ के चेम्ब्रेसेरी में आयोजित अंडर-12 टूर्नामेंट में टॉप फुटबॉल प्लेयर की तरह गोल स्कोर किया। स्टूडेंट ने अपने पांव के पिछले भाग से यानी बैक हील से गोल दागा।

अंशीद ने लेफ्ट विंग से क्रॉस लिया और नेट के पीछे से बैक हील शॉट मार कर गोल दागा।

कोच ने बनाया वीडियो

अंशीद के कोच इमदाद कोट्टापरम्बन ने इस गोल का वीडियो अपने कैमरा में कैद कर लिया। उन्होंने गोलकीपर पीछे से शानदार गोल का वीडियो लिया। कोच के वीडियो डालते ही यह वायरल हो गया। कोच ने इंस्टाग्राम और फेसबुक पर वीडियो को कैप्शन के साथ शेयर किया, कीपर ने इसे आते नहीं देखा।

आईएलएल ने सोशल मीडिया पर डाला वीडियो

गोल का वीडियो आईएसएल यानी इंडियन सुपर लीग के ऑफिशियल सोशल मीडिया पेज पर आ गया। इसे केरल के शिक्षा मंत्री मंत्री वी शिवनकुट्टी औरपोर्ट मिनिस्टर अहमद देवरकोव ने भी अपने फेसबुक पेज पर वीडियो पोस्ट किया।

फुटबॉल में लुईस सुआरेज बैक हील गोल के लिए फेमस

फुटबॉल जगत में बार्सेलोना और उरुग्वे के पूर्व फुटबॉलर लुईस सुआरेज बैक हील गोल के लिए फेमस है। सुआरेज ने 2019 में स्पैनिश लीग में मलोरका के खिलाफ शानदार बैक हील गोल स्कोर किया था। इस पूरी दुनिया के फुटबॉल पंडित ने सराहा था।

अपने भविष्य से जुड़े सवाल पर बोले मेसी- मैं बार्सिलोना लौटूंगा, यह मेरा घर है

खेल डेस्क, 3 फरवरी (एजेंसियां)। मेसी को फुटबॉल खिलाड़ी बनाने में बार्सिलोना का योगदान बहुत ज्यादा है। इसी वजह से मेसी इस क्लब को अपना घर मानते हैं और उन्होंने कहा है कि संन्यास लेने के बाद वह यहीं रहना चाहेंगे।

अर्जेंटीना को अपनी कप्तानी में विश्व चैंपियन बनाने वाले फुटबॉल खिलाड़ी लियोनल मेसी एक बार फिर सुर्खियों में हैं। मेसी ने कहा है कि संन्यास के बाद वह बार्सिलोना में ही रहना चाहेंगे। बार्सिलोना के साथ अपने क्लब फुटबॉल करियर की शुरुआत करने वाले मेसी फिलहाल पेरिस सेंट जर्मन के लिए खेल रहे हैं। मौजूदा समय में दुनिया के सबसे बेहतरीन फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक मेसी ने साफ किया है कि वह अपने फुटबॉल करियर का अंत होने के बाद बार्सिलोना में ही रहेंगे। डारियो ओले के साथ इंटरव्यू में मेसी ने कहा, जब मैं अपना करियर खत्म कर लूंगा, तो मैं बार्सिलोना में रहने के लिए वापस आ जाऊंगा, यह मेरा घर है। मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना ने फ्रांस को हराकर फीफा विश्व कप 2022 अपने नाम किया। इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने के लिए मेसी को गोल्डन बॉल अवॉर्ड भी दिया गया। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने फाइनल मैच से जुड़ी कौन सी चीजें अपने पास रखी हैं तो उन्होंने कहा कि सब कुछ उन्होंने अपने पास रख लिया है। मेसी ने कहा मैंने फाइनल से सब कुछ रख लिया है। जूते, टी-शर्ट ...सब कुछ अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन के पास है और अब मार्च में, मैं सब कुछ बार्सिलोना ले जा रहा हूं, जहां मेरे पास मेरी चीजें और मेरी यादें हैं।

क्या 2026 वर्ल्ड कप खेलेंगे मेसी?

इंटरव्यू में मेसी ने अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ अपनी महत्वाकांक्षाओं के बारे में भी बात की। 2026 विश्व कप अभी बहुत दूर है, हालांकि मेसी ने अभी तक यह साफ नहीं किया है कि वह इस टूर्नामेंट में खेलेंगे या नहीं, क्योंकि वह देखना चाहते हैं कि यहां से उनका करियर कैसे आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा उम्र के कारण, 2026 तक खेलना मुश्किल होगा। मुझे फुटबॉल खेलना पसंद है और जब मुझे लगता है कि मैं अच्छी स्थिति में हूं और इसका आनंद ले रहा हूं, तो मैं इसे बनाए रखने जा रहा हूं। ऐसा लगता है कि लंबे समय तक मैं खेल सकता हूं, लेकिन अगला विश्व कप इस बात पर निर्भर करता है कि मेरा करियर कैसा चल रहा है।

2022 विश्व कप से जुड़ी याद पर उन्होंने कहा मैंने वहां कप को इतने करीब से देखा, कि मैं उसके करीब होने, उसे छूने, उसे चूमने के लिए तैयार हो गया। 'यह हो गया' कहना इतना रोमांचक एहसास था। आज तक यह इतना रोमांचक क्षण बना हुआ है। तब भी जब मैं इसे अब देखता हूं, मैं उस पल की तुलना में इसका अधिक आनंद लेता हूं। चीजें शांत हो गई हैं, इसलिए यह मेरे लिए अधिक रोमांचक है। मैं अब सोशल मीडिया पर बहुत सारे वीडियो देखता हूं।

मेसी फिलहाल क्लब फुटबॉल में पीएसजी के लिए खेल रहे हैं। इस क्लब के साथ उनका अनुबंध इस सीजन के अंत तक का है। खबरों के अनुसार पीएसजी ने मेसी के साथ अपना करार बढ़ा लिया है।

डेनमार्क के खिलाफ डेविस कप में उतरेगा भारत

विश्व ग्रुप-1 में जगह कायम रखने का लक्ष्य

खेल डेस्क, 3 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम में एक भी खिलाड़ी शीर्ष 300 रैंकिंग में शामिल नहीं है, जबकि मेजबान टीम में होल्गर रुने दुनिया में नौवें नंबर के खिलाड़ी हैं।

भारतीय टेनिस टीम के लिए शुक्रवार से डेनमार्क के खिलाफ शुरू हो रहे डेविस कप प्लेऑफ में चुनौती मुश्किल नजर आ रही है। टीम के सामने विश्व ग्रुप-1 में अपनी जगह सुरक्षित रखने का लक्ष्य है। भारतीय टीम में एक भी खिलाड़ी शीर्ष 300 रैंकिंग में शामिल नहीं है, जबकि मेजबान टीम में होल्गर रुने दुनिया में नौवें नंबर के खिलाड़ी हैं।

होल्गर रुने ने पिछले माह हुए ऑस्ट्रेलियाई ओपन के चौथे दौर में जगह बनाई और तीन एटीपी खिताब जीते हैं। मुकाबले इनडोर हार्डकोर्ट पर खेले जाएंगे। भारतीय टीम में यूकी भांबरी, सुमित नागल, प्रजनेश गुणेश्वरन, रामकुमार रामनाथन हैं। युगल में अनुभवी रोहन बोपन्ना हैं, जिनके साथ यूकी भांबरी उतरेंगे। कप्तान रोहित राजपाल पहले मैच में रुने के खिलाफ यूकी को उतार सकते हैं।

दूसरे मैच में होल्मग्रेन के खिलाफ सुमित नागल उतर सकते हैं। दूसरे दिन युगल मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय कोच जीशान अली ने कहा कि हमारी पचास प्रतिशत संभावना है। मुझे उम्मीद है कि पहले 1-1 से मुकाबला बराबरी पर रहेगा। हमें यूकी से बड़ी उम्मीदें हैं। टीम प्रबंधन ने माना कि एकल रैंकिंग में शीर्ष 300 में शामिल कोई खिलाड़ी न होने से टीम पर दबाव है। पिछले साल मार्च में भारत ने अपनी मेजबानी में दिल्ली में हुए मुकाबलों में डेनमार्क को 4-0 से हराया था।

देश के लिए रोल मॉडल बना तेलंगाना : राज्यपाल

बजट सत्र के पहले दिन राज्य विस व विप की संयुक्त बैठक को संबोधित किया

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन ने कहा कि तेलंगाना का समावेशी और व्यापक विकास देश के लिए एक रोल मॉडल बन गया है। शुक्रवार को बजट सत्र के पहले दिन राज्य विधानसभा और विधान परिषद की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि तेलंगाना मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में हर मोर्चे पर अभूतपूर्व तरीके से प्रगति कर रहा है और सफलता मिली है। सभी हितधारकों के सामूहिक प्रयासों के कारण एक वास्तविकता बन गई है। राज्यपाल ने कहा कि किए गए भारी प्रयासों के कारण, राज्य की कुल राजस्व प्राप्तियां जो 2014-15 में मात्र 62,000 करोड़ रुपये थीं, 2021-22 तक बढ़कर 1,84,000 करोड़ रुपये हो गई हैं। इसके अलावा, राज्य की प्रति व्यक्ति आय जो 2014-15 में 1,24,104 रुपये थी, 2022-23 तक बढ़कर 3,17,115 रुपये हो गई। अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों की विकास दर अब पहले की तुलना में दोगुनी हो गई है। यह प्रगति सरकार द्वारा पूंजीगत व्यय पर ध्यान देने के कारण है। यह कहते हुए कि तेलंगाना ने विभिन्न परियोजनाओं को पूरा करके सिंचाई में ऐतिहासिक प्रगति हासिल की है, तमिलिसाई ने कहा कि राज्य में सिंचाई की सुविधा 2014 में केवल 20 लाख एकड़ के लिए थी और इसे आज बढ़ाकर 73 लाख एकड़ कर दिया गया। राज्यपाल ने कहा कि सरकार एक करोड़ एकड़ से अधिक भूमि को सिंचाई प्रदान करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह लक्ष्य भी बहुत जल्द प्राप्त किया जाएगा।

बिजली क्षेत्र की सफलता की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि 2014-15 में तेलंगाना की प्रति व्यक्ति बिजली खपत केवल 1,356 यूनिट थी और 2021-22 तक यह बढ़कर 2,126 यूनिट हो गई है। तमिलिसाई सौंदरराजन ने कहा कि बिजली की प्रति व्यक्ति खपत में भारी वृद्धि तेलंगाना द्वारा की गई शानदार प्रगति का एक स्पष्ट संकेतक है। इस तथ्य के बावजूद कि दुनिया भर में मंदी का डर है और बड़ी संख्या में बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने कर्मचारियों की छंटनी का सहारा ले रही हैं, इतनी कठिन परिस्थिति में भी तेलंगाना सरकार बड़ी संख्या में सरकारी भर्तियों के अपने वादे को पूरा कर रही है। नौकरियां और एक बार में सभी विभागों में 80,039 नौकरियों की भर्ती की है। साथ ही संविदा कर्मचारियों को नियमित करने की प्रक्रिया भी चल रही है। तमिलिसाई ने बताया कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि 95% नौकरियां केवल स्थानीय उम्मीदवारों के पास जाती हैं, स्थानीय कार्डर्स में नौकरियों का संगठन किया गया है। अपने भाषण के दौरान, राज्यपाल ने कवि कलोजी नारायण राव और दाशरथी कृष्णमाचार्य के साहित्यिक कार्यों के अंश उद्धृत किए, जिसमें सभी को आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर दुनिया के लिए प्रयास करने और खुद को राष्ट्रीय विकास के लिए समर्पित करने का आह्वान किया।

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश को रिकॉर्ड बजट आवंटन : अरुण कुमार जैन

पिछले वर्ष के मुकाबले तेलंगाना को 45 प्रतिशत व आंध्रा को 20 प्रतिशत अधिक धनराशि

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा कि तेलंगाना और आंध्र प्रदेश को रिकॉर्ड बजट आवंटन हुआ है। पिछले वर्ष के मुकाबले तेलंगाना को 45 प्रतिशत व आंध्रा को 20 प्रतिशत अधिक धनराशि मिली है। श्री जैन ने रेल निलयम, सिकंदराबाद के पत्रकारों को बजट आवंटन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि आम बजट 2023-24 को 01 फरवरी, 2023 को संसद के पटल पर पेश किया गया था। इसमें रेलवे भी शामिल है। पिंक बुक, बुनियादी ढांचे के कार्यों, अनुदान की मांगों और बजटीय आवंटन के व्यापक विवरण के बारे में सभी विवरणों का संग्रह है। रेलवे में विभिन्न कार्यों को करने के लिए आज 3 फरवरी, 2023 को संसद के पटल पर रखा गया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023-2024 के लिए दक्षिण मध्य रेलवे को चौंका देने वाली सकल राशि स्वीकृत की गई है। दक्षिण मध्य रेलवे वर्ष 2023-24 के लिए 13,786.19 करोड़ स्वीकृति किया गया है। वर्ष 2022-23 में 8,349.75 करोड़ स्वीकृत था। पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 65 प्रतिशत

रेल निलयम सिकंदराबाद में पत्रकारों को बजट में दमरे के मिली धनराशि आदि के बारे में जानकारी देते हुए दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन। साथ में उपस्थित दमरे के सीपीआरओ सीएच राकेश।

वृद्धि हुई है। दोहरीकरण, तीसरी लाइन और बाईपास लाइन के कार्यों के लिए पूंजी परिव्यय 3,374.44 करोड़ रुपये है, जबकि पिछले वर्ष यह 1,531 करोड़ रुपये था। नई लाइनों के लिए, पूंजी और सुरक्षा निधि (जमा को छोड़कर) सहित कुल बजटीय अनुदान पिछले वर्ष के 285 करोड़ रुपये की तुलना में 819 करोड़ रुपये है। विद्युतीकरण कार्यों के लिए बजटीय अनुदान 588 करोड़ स्वीकृत हुआ है। वर्ष 2023-24 के दौरान सुरक्षा संबंधी कुछ महत्वपूर्ण कार्यों के लिए बजट आवंटन में शामिल हैं। इनमें पिछले वर्ष के दौरान 758 करोड़ रुपये के आवंटन की तुलना में सड़क सुरक्षा कार्यों (लेवल क्रॉसिंग, पुल और आरओबी/आरयूबी) के लिए 768.14 करोड़ रुपये है। पिछले वर्ष के दौरान 1,040 करोड़ रुपये के आवंटन की तुलना में ट्रैक नवीनीकरण कार्यों के लिए 1,360 करोड़ रुपये मिले है। कवच यानी स्वदेशी रूप से विकसित ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली (टीसीएएस) के कार्यान्वयन के लिए 68.34 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। दमरे पर चल रही कुछ महत्वपूर्ण नई लाइन परियोजनाओं के लिए बजटीय आवंटन हुआ है। इनमें से प्रमुख रूप में मुनीराबाद-महबूबनगर नई लाइन परियोजना के लिए 345 करोड़ रुपये, नादिकुडी-श्रीकालहस्ती नई लाइन परियोजना के लिए 202 करोड़ रुपये, मनोहराबाद-कोत्तापल्ली नई लाइन परियोजना के लिए 185 करोड़ रुपये, कोटिपल्ली-नरसापुर नई लाइन परियोजना के लिए 100 करोड़, बीदर-नांदेड़ नई लाइन परियोजना के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित हुए है। इनमें गौतमी, व्यनाथेय और वशिष्ठ नदियों पर प्रमुख पुल के कार्य प्रगति पर हैं। इसी क्रम में बीदर-नांदेड़ नई लाइन परियोजना के लिए 100 करोड़ रुपये, भद्राचलम-कोव्वुर नई लाइन परियोजना के लिए 20 करोड़ रुपये, मनुगुरु - रामागुंडम नई लाइन परियोजना के लिए 10 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। कुछ महत्वपूर्ण दोहरीकरण/तीसरी लाइन के साथ-साथ बाई-पास लाइन परियोजनाओं को धन के लिए आवंटन हुआ है। एमएमटीएस चरण II परियोजना के लिए 600 करोड़ रुपये, विजयवाड़ा-गुडूर तीसरी लाइन परियोजना के लिए 800 करोड़ रुपये, गुंटूर-गुंटकल दोहरीकरण परियोजना के लिए 980 करोड़ रुपये स्वीकृत किया गया था। काजीपेट-बल्हारशाह तीसरी लाइन परियोजना (राघवपुरम-मंदमरी को छोड़कर) के लिए 450.86 करोड़ रुपये, गूटी-धर्मवरम दोहरीकरण परियोजना के लिए 90.6 करोड़ रुपये, विजयवाड़ा-गुडीवाड़ा/मछलीपट्नम-भीमावरम/नरसापुर-निदादावोलु दोहरीकरण और विद्युतीकरण के लिए 100 करोड़ रुपये, धर्मावरम-पाकला-काटपाडी दोहरीकरण परियोजना के लिए 40 करोड़ रुपये आवंटित, गुंटूर-बीबीनगर दोहरीकरण परियोजना के लिए 60 करोड़ की मंजूरी मिली। महाप्रबंधक ने बताया कि रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार बोलाराम-महबूबनगर के बीच पहले से ही पूर्ण किए गए खंड को छोड़कर मुदखेड-दोन के बीच परियोजना के निष्पादन के लिए विस्तृत अनुमान तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023-24 में तेलंगाना राज्य में पूरी तरह से/आंशिक रूप से चलने वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और सुरक्षा कार्यों के लिए कुल बजट आवंटन 2022-23 में 3,048 करोड़ रुपये की तुलना में 4,418 करोड़ रुपये है, जो 45 प्रतिशत अधिक है। हाल के दिनों में लगातार बजट में तेलंगाना को धन आवंटन में लगातार वृद्धि हुई है। 2023-24 में आंध्र प्रदेश राज्य में पूरी तरह/आंशिक रूप से चलने वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और सुरक्षा कार्यों के लिए कुल बजट आवंटन 2022-23 में 7,032 करोड़ रुपये की तुलना में 8,406 करोड़ रुपये है, जो 20 प्रतिशत अधिक है। आंध्र प्रदेश के बजट आवंटन में भी निरंतर वृद्धि देखी जा रही है, वर्तमान वर्ष का आवंटन 2009-14 के दौरान किए गए औसत आवंटन का लगभग 9.5 गुना है। इस अवसर पर दमरे के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नवनिर्मित तेलंगाना सचिवालय भवन में लगी आग

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नवनिर्मित डॉ. बी.आर.अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय परिसर इमारत में शुक्रवार तड़के आग लग गई। सूत्रों ने कहा कि आग सबसे ऊपर की मंजिलों पर लगी, जहां तड़के करीब तीन बजे इंटीरियर के लिए लकड़ी का काम चल रहा था। कर्मचारियों ने धुआं देखा और तुरंत अपने प्रभारी को सतर्क किया।

सूचना मिलने पर दमकल की करीब 12 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और दमकल विभाग व पुलिस कर्मियों ने आग बुझाने में हिस्सा लिया।

दमकल अधिकारियों ने बताया कि आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है। वे आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगा रहे हैं। अग्निशमन विभाग के डीजी वाई नागी रेड्डी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया और अभियान की निगरानी की।

कांग्रेस ने नए सचिवालय में आग लगने की घटना पर स्पष्टीकरण मांगा

अग्नि दुर्घटना स्थल का दौरा करने के लिए जाते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोकती हुए पुलिस।

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री मोहम्मद अली शब्बीर ने शुक्रवार को मांग की कि राज्य सरकार नए सचिवालय के निर्माणाधीन भवन में भीषण आग लगने की घटना पर स्पष्टीकरण जारी करे। पूर्व मंत्री शब्बीर अली, टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. मल्लू रवि, टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष एम. अंजन कुमार यादव, खैरताबाद डीसीसी के अध्यक्ष डॉ. रोहिन रेड्डी और अन्य नेताओं को पुलिस ने उस समय गिरफ्तार कर लिया, जब वे नुकसान का निरीक्षण करने के लिए नए सचिवालय का दौरा करने की कोशिश कर रहे थे। शुक्रवार तड़के आग लगने की घटना के कारण हैदराबाद पुलिस ने उन्हें कांग्रेस मुख्यालय गांधी भवन में ही रोक दिया और जब उन्होंने बाहर निकलने की कोशिश की तो उन्हें हिरासत में ले लिया गया। उन्हें गोशामहल पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया गया और बाद में रिहा कर दिया गया। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, शब्बीर अली ने केसीआर सरकार पर आग लगने की घटना को 'मॉक ड्रिल' कहकर दबाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। टीपीसीसी के अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने 550 करोड़ रुपये से अधिक के सार्वजनिक धन की लागत से बनाए जा रहे नए सचिवालय भवन को हुए नुकसान का अध्ययन करने के लिए टीपीसीसी तथ्यान्वेषी समिति का गठन किया है। हालांकि, बीआरएस सरकार इस घटना को 'मॉक ड्रिल' बताकर सच्चाई छिपाने की कोशिश कर रही है। यह एक सार्वजनिक इमारत है और लोगों को आग की घटना से संबंधित सभी विवरण जानने का अधिकार है।

उन्होंने पूछा कि अगर घटना 'मॉक ड्रिल' थी तो बीआरएस सरकार विपक्षी नेताओं को जगह का निरीक्षण करने की अनुमति देने से क्यों डर रही है। यह स्पष्ट रूप से इतिहास में पहली बार है कि रात में 3 बजे एक निर्माणाधीन और अधूरी इमारत में एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया था। मॉक ड्रिल के लिए प्रज्वलित आग इतनी तीव्र थी कि इसे बुझाने के लिए 11 दमकल गाड़ियों की आवश्यकता थी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को पुलिस अधिकारियों को इस तरह की बेतुकी और अतार्किक थ्योरी बोलने के लिए मजबूर करना बंद करना चाहिए। कांग्रेस नेता ने सीएम केसीआर से यह बताने को कहा कि वह नए सचिवालय भवन को लेकर इतनी गोपनीयता क्यों बरत रहे हैं।

पुराने सचिवालय भवनों को गिराए जाने पर विपक्ष को न तो सूचित किया गया और न ही विश्वास में लिया गया। उन्हें शिलान्यास समारोह में आमंत्रित नहीं किया गया। अब भी जब नए भवन में आग लगी है, तो विपक्ष को उस स्थान पर जाने की भी अनुमति नहीं है। चूंकि भवन सार्वजनिक धन के साथ बनाया जा रहा है, जिम्मेदार विपक्ष के रूप में यह हमारा कर्तव्य है कि हम कारणों के बारे में पूछताछ करें, क्षति की सीमा और यह भी जांचें कि क्या कोई हताहत हुआ है। हालांकि, केसीआर सरकार ऐसा व्यवहार कर रही है जैसे कि कुछ गुप्त युद्ध बंकर बना रहे हैं न कि सचिवालय भवन।

पुराने फर्नीचर की दुकानों में लगी आग

वारंगल, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बटाला बाजार के अंदर ब्रिज के पास शुक्रवार की तड़के लगी आग में छह फर्नीचर की दुकानों सहित लगभग आठ दुकानें जलकर खाक हो गईं. स्थानीय लोगों की सूचना पर दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। चूंकि ये दुकानें पुराने फर्नीचर जैसे खिड़की के फ्रेम, दरवाजे के फ्रेम और घर के अन्य फर्नीचर बेचती हैं, स्थानीय लोगों को डर था कि आग घरों में फैल सकती है।

दमकल अधिकारियों को आशंका है कि शॉर्ट-सर्किट के कारण यह दुर्घटना हुई होगी। अधिकारियों को आग से हुए नुकसान की जानकारी नहीं है, क्योंकि पुरानी फर्नीचर की दुकानों के मालिक अनाधिकृत रूप से चल रहे हैं। हादसे में एक लोहे की दुकान और एक खाद की दुकान भी जलकर खाक हो गई।

स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं कि जीडब्ल्यूएमसी को यह देखना चाहिए कि आवासीय क्षेत्र के बीच में ऐसी दुकानें नहीं लगाई जाएंगी।

सांसद द्वारा कालेश्वरम का पानी कुदवेली धारा में छोड़ा गया

सिद्दीपेट, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक के सांसद के. प्रभाकर रेड्डी ने शुक्रवार को गजवेल मंडल के कोडाकांडला में कोंडापोचम्मा सागर नहर के फाटकों को उठाकर कुदवेली धारा में कालेश्वरम का पानी छोड़ा है। धारा के किनारे रहने वाले किसानों की सिंचाई की जरूरतों को पूरा करने के लिए राज्य सरकार लगातार तीसरे वर्ष कुडावेली धारा में सिंचाई का पानी छोड़ रही है। इस अवसर पर बोलते हुए, मेडक सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री ने क्षेत्र की पीने और सिंचाई की जरूरतों को समाप्त करने के लिए कालेश्वर लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस) का निर्माण किया है। रेड्डी ने पृथ्वी पर सबसे बड़ी लिफ्ट सिंचाई परियोजना के निर्माण के लिए चंद्रशेखर राव को आधुनिक बागीरथ के रूप में प्रतिष्ठित किया है। चूंकि कुडावेली वगु में पानी घट रहा था, इसलिए सरकार ने स्थानीय

हरीश राव छह फरवरी को पेश करेंगे राज्य का बजट

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव 6 फरवरी को विधानसभा में राज्य का बजट पेश करेंगे। जबकि विधानसभा 7 फरवरी को बंद है, बजट और अन्य विधेयकों पर चर्चा 8 फरवरी को होगी। राज्यपाल के अभिभाषण के बाद हुई कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। बीएसी 8 फरवरी को फिर से बैठक करेगी और विधानसभा सत्र आयोजित करने के कार्यक्रम पर निर्णय लेगी। सूत्रों के मुताबिक, बीएसी की बैठक के दौरान कांग्रेस विधायक बत्ती विक्रमार्क ने विधानसभा अध्यक्ष पोखराम श्रीनिवास रेड्डी से यह कहते हुए विधानसभा का सत्र 25 दिन और चलाने का अनुरोध किया कि सदन में कई सार्वजनिक मुद्दों पर चर्चा होनी है। विधायी मामलों के मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी ने धीरे से बत्ती विक्रमार्क के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया और कहा कि मुद्दों और विधेयकों के आधार पर निर्णय लिया जाएगा। मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी 6 फरवरी को परिषद में राज्य का बजट पेश करेंगे।

इस बीच, अधिकारियों ने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल की बैठक रविवार सुबह साढ़े दस बजे प्रगति भवन में मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की अध्यक्षता में होगी। मंत्रिमंडल सत्र के दौरान पेश किए जाने वाले विधेयकों की मंजूरी सहित राज्य के बजट और अन्य प्रमुख निर्णयों को मंजूरी देगा। इस साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले मौजूदा बीआरएस सरकार का यह आखिरी बजट होगा।

हैदराबाद-विजयवाड़ा एनएच-65 पर कल से ट्रैफिक डायवर्जन

सूर्यापेट, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने श्री लंगमंथुला स्वामी जतारा को ध्यान में रखते हुए 5 से 9 फरवरी तक सूर्यापेट के पासहैदराबाद-विजयवाड़ा राजमार्ग (एनएच-65) पर वाहनों के यातायात के मार्ग में परिवर्तन का आदेश देने का निर्णय लिया है।

द्विवार्षिक जतारा एनएच 65 के पास आयोजित होने के साथ, सूर्यापेट के पास निम्नलिखित डायवर्जन लागू किए जाएंगे। हैदराबाद से विजयवाड़ा जाने वाले वाहनों को टेकुमतला में खम्मम बाईपास रोड की ओर मोड़ दिया जाएगा और ये वाहन नामापुरम में एनएच-65 में शामिल हो जाएंगे। इसी तरह, विजयवाड़ा से आने वाले और हैदराबाद जाने वाले वाहनों को रोलाबावी थंडा में डायवर्ट किया जाएगा और वे रायनगुडेम में राजमार्ग से जुड़ेंगे। हालांकि, सभी भारी परिवहन वाहनों को कोडाद में डायवर्ट किया जाएगा और हैदराबाद पहुंचने के लिए मिरयागुडा, नलगोंडा, नारकेटपल्ली से गुजरेंगे।

इस बीच, दुराजपल्ली में 5 से 9 फरवरी तक आयोजित होने वाले द्विवार्षिकश्री लिंगमंथुला स्वामी जतारा के सुचारू संचालन के लिए सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। अधिकारियों ने 6.5 करोड़ रुपये की लागत से व्यवस्था की है। महिलाओं के लिए बाथरूम, चेंजिंग रूम और पेयजल की व्यवस्था की गई। अधिकारियों को उम्मीद है कि करीब 10 से 15 लाख श्रद्धालु जतारा में शामिल होंगे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.